जबलपुर, सोमवार 2 फरवरी 2026 ■ फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष-01 ■ वर्ष : 20, अंक : 274 ■ पृष्ठ : 16 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 27 न्यून. 16 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

आम बजट - 2026

जैसा था वैसा

- इनकम टैक्स
- एलपीजी गैस सिलेंडर
- बिजली बिल
- मोबाइल रिचार्ज
- स्कूल फीस

बजट का 'पावर बूस्टर'

- **पूंजीगत निवेश**
  12.2 लाख करोड़
- **फोकस**
  नई सड़कें, पुल और औद्योगिक बुनियादी ढांचा
- **लक्ष्य**
  विकास की रफ्तार को टॉप गियर में डालना

■ टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं ■ 3 आयुर्वेदिक एम्स खोले जाने की घोषणा

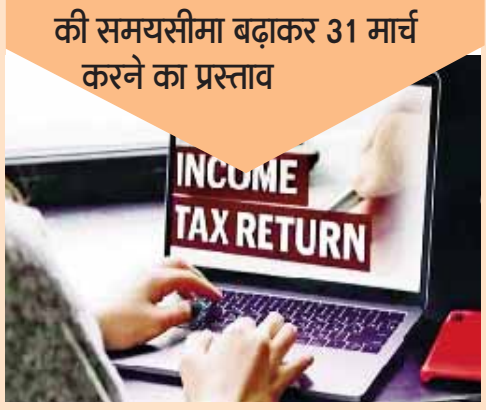

रक्षा, शिक्षा, हेल्थ पर फोकस, इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा काम, फिर भी बाजार धड़ाम!

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश करते हुए लोकलुभावन योजनाओं से परहेज किया और 'सुधार एक्सप्रेस' को जारी रखने की घोषणा की। सीतारमण ने अपना लगातार रिकॉर्ड नौवां बजट पेश करते हुए किसानों, युवाओं और छोटी कंपनियों पर विशेष ध्यान देने के साथ अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए बुनियादी ढांचे पर जोर दिया और सुधारों का खाका पेश किया। कुल मिलाकर, यह बजट आत्मनिर्भरता, तेज विकास और चुनावी राज्यों में निवेश पर केंद्रित है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा, रोजगार बढ़ेगा और भारत वैश्विक स्तर पर मजबूत बनेगा। इधर, बजट को बाजार समझ नहीं पाया और धड़ाम हो गया। कुछ ही पल में निवेशकों ने लाखों करोड़ रुपए डूब गए।

किसे कितना बजट

रक्षा मंत्रालय	7,84,678.28 करोड़
गृह मंत्रालय	2,55,233.53 करोड़
आयुष मंत्रालय	4,408.93 करोड़
रेल मंत्रालय	2,77,830 करोड़
कृषि मंत्रालय	1,62,671 करोड़
स्वास्थ्य मंत्रालय	1,06,530.42 करोड़
खेल मंत्रालय	4479.88 करोड़

बजट में खास

- 85 मिनट के भाषण में सीतारमण ने इस बार नहीं किया किसी कवि और कविता का उल्लेख
- नई ग्रामीण रोजगार योजना 'वीबी-जी राम जी' के लिए 95,000 करोड़ आवंटित
- वित्त मंत्री ने पांच चिकित्सकीय पर्यटन केंद्र स्थापित करने का रखा प्रस्ताव
- संशोधित आयकर रिटर्न जमा करने की समयसीमा बढ़ाकर 31 मार्च करने का प्रस्ताव

- बजट में छोटे करदाताओं के लिए छह महीने की विदेशी संपत्ति खुलासा योजना की घोषणा
- पुनर्खरीद से होने वाली प्राप्ति पर अब लगेगा 'पूंजीगत लाभ कर'
- बजट में अगले पांच साल में बायोफार्मा क्षेत्र में 10,000 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव
- केंद्र सरकार प्रमुख औद्योगिक 'लॉजिस्टिक' केंद्रों के पास पांच विवि टाउनशिप स्थापित करेगी
- मंत्रियों, मंत्रिमंडल सचिवालय और पीएमओ के खर्च के लिए 1,102 करोड़
- बाबुओं के प्रशिक्षण के लिए 299 करोड़ रुपए, प्रशासनिक सुधारों को 65 करोड़

किसानों के लिए खास

कोकोनट प्रमोशन स्कीम

नई स्कीम का उद्देश्य नारियल का उत्पादन बढ़ाना। इस योजना के तहत प्रमुख नारियल उत्पादक राज्यों में कम उत्पादक पेड़ों को नए, उच्च उपज देने वाले पौधों से बदलने जैसे कदम उठाए जाएंगे।

पशुपालन और डेयरी

पशुपालन क्षेत्र में सरकार ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी कार्यक्रम के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण रोजगार सृजित करेगी। इसके साथ ही किसानों के उत्पादक संगठन बनाने पर काम किया जाएगा।

काजू-कोको और चंदन

काजू और कोको सेक्टर को मजबूत करने के लिए नई योजनाओं की घोषणा की। चंदन के महत्व पर भी जोर दिया केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर लक्षित खेती को बढ़ावा देगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विनिर्माण पर जोर देने के साथ पूंजीगत व्यय लक्ष्य बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपए का प्रस्ताव किया जो चालू वित्त वर्ष के लिए 11.2 लाख करोड़ रुपए है। वित्त मंत्री ने लगभग सवा घंटा के अपने बजट भाषण में सुधारों का खाका पेश करते हुए 'विकसित भारत' के लिए बैंकों को तैयार करने को लेकर एक उच्चस्तरीय समिति के गठन का भी प्रस्ताव किया। उन्होंने वृद्धि के प्रमुख इंजन के रूप में एमएसएमई के महत्व को रेखांकित करते हुए 10,000 करोड़ रुपये के एसएमई विकास कोष का प्रस्ताव रखा। इसका मकसद क्षेत्र में भविष्य के 'चैंपियन' तैयार करना और उद्योगों को प्रोत्साहन देना है। बजट का ताना-बाना 'तीन कर्तव्यों' यानी आर्थिक वृद्धि को गति देने, लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और 'सबका साथ, सबका विकास' के इर्द-गिर्द बुना गया है। बजट में किसानों की आय बढ़ाने के व्यापक उद्देश्य से 500 जलाशयों और अमृत सरोवरों का विकास करने, तटीय क्षेत्रों में मत्स्य मूल्य श्रृंखला को मजबूती प्रदान करने तथा स्टार्टअप एवं महिलाओं की अगुवाई वाले समूह को मत्स्य कृषक उत्पादक संगठनों के साथ शामिल करते हुए बाजार से जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है। सीतारमण ने तटीय क्षेत्रों में नारियल, चंदन, कोको और काजू जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों में सहायता प्रदान कर उच्च मूल्य वाली खेतीबाड़ी पर जोर दिया। बजट में आयकर की दरों एवं संरचना के मोर्चे पर कोई भी बदलाव नहीं किया गया है।

मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए 5 मेडिकल हब | गंभीर बीमारियों की दवाएं सस्ती

महंगा

- मिनरल्स
- स्क्रैप
- शराब

सस्ता

- लेदर
- कपड़ा
- सिंथेटिक फुटवियर
- विदेशी यात्रा
- कैंसर की 17 दवाएं
- माइक्रोवेव ओवन
- जूते
- एयरक्राफ्ट निर्माण से जुड़ी चीजें
- ईवी बैटरी
- शुगर की दवाएं
- चमड़े और कपड़े का निर्यात
- बायोगैस मिक्स्ड सीएनसी
- सोलर ग्लास
- मिक्स्ड गैस सीएनजी
- विमानों का ईंधन

चुनावी राज्यों पर फोकस

- तमिलनाडु और केरल में रेयर अर्थ कॉरिडोर से खनन और इंडस्ट्री को बूस्ट मिलेगा
- पश्चिम बंगाल में वाराणसी-सिलीगुड़ी रेल कॉरिडोर से कनेक्टिविटी बेहतर होगी
- असम और पुडुचेरी जैसे क्षेत्रों में भी विकास की रफ्तार बढ़ेगी

सरकार के तीन कर्तव्य

- अस्थिर वैश्विक परिदृश्य में सुदृढ़ता बनाए रखकर आर्थिक विकास में तेजी लाना और उसे बनाए रखना
- जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना, उनकी क्षमताओं को मजबूत करना और उन्हें भारत की समृद्धि की यात्रा में सक्रिय भागीदार बनाना।
- 'सबका साथ, सबका विकास' सुनिश्चित करने पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार, समुदाय और क्षेत्र को संसाधनों,

इनकम टैक्स चोरी पर जेल नहीं, जुर्माना

वित्त मंत्री ने घोषणा की है कि अगर किसी करदाता की आय में गड़बड़ी पाई जाती है या टैक्स छिपाया गया है, तो अब उसे जेल की सजा नहीं होगी। ऐसे मामलों में केवल जुर्माना भरकर मामला रफा-दफा किया जा सकेगा। यह नया बदलाव 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले 'नए इनकम टैक्स एक्ट' का हिस्सा होगा। साथ ही, जिनके पास विदेशों में अघोषित संपत्ति है, उन्हें भी एक मौका दिया गया है। वे अगले 6 महीनों के भीतर डिस्क्लोजर स्कीम के तहत अपनी संपत्ति की जानकारी दे सकते हैं।

हर जिले में बालिका छात्रावास

- देश के हर जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल स्थापित करने की घोषणा की। देश में 700 से अधिक जिले हैं। गर्ल्स हॉस्टल के बन जाने के बाद लड़कियों को घर से बाहर सुरक्षित और आसान निवास की सुविधा मिलेगी।

5 यूनिवर्सिटी टाउनशिप

- देश में 5 यूनिवर्सिटी टाउनशिप का विकास होगा। इन टाउनशिप में पढ़ाई, रिसर्च, हॉस्टल, खेल और स्टार्टअप जैसी सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही देश में 5 नए विश्वविद्यालय खोले जाने की भी घोषणा की गई।

युवाओं को क्या मिला

1.5 लाख केयरगिवर्स की ट्रेनिंग

सरकार देश में तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी और स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों को पूरा करने के लिए अगले एक साल में 1.5 लाख केयरगिवर को प्रशिक्षित करने की योजना बना रही है। यह ट्रेनिंग मुख्य रूप से योग, वेलनेस और चिकित्सा उपकरणों के संचालन से संबंधित होगी।

किसने क्या कहा

विकसित भारत के लिए स्पष्ट रूपरेखा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट को 'ऐतिहासिक' बताते हुए कहा कि यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है और सुधारों की यात्रा को मजबूत करता है। विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार करता है। लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बजट पेश किए जाने के बाद टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि बजट में 'अवसरों की अपार संभावनाएं' हैं।

संकटों से आंख मूंद ली आंखें

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि केंद्रीय बजट में भारत के सामने मौजूद वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, युवाओं के पास नौकरी नहीं है, विनिर्माण गिर रहा है, निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं, घरेलू बचत घट रही है, किसान संकट में हैं। आसन्न वैश्विक झटके, सभी को नजरअंदाज कर दिया गया।

विकास को मिलेगी और गति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केंद्र सरकार का बजट विकसित भारत@2047 के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में प्रभावी कदम है। बजट में गरीबों, युवाओं, अन्नदाताओं और महिलाओं पर विशेष फोकस है। यह बजट विकास को और अधिक गति देगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक अर्थव्यवस्था में उच्च स्थान दिलवाले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आर्थिक प्रगति को बढ़ाना, जन सामान्य की उम्मीदों को पूरा करना और सबका साथ सबका विकास बजट की मुख्य विशेषता है।

बजट पूरी तरह से दिशाहीन

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम कमलनाथ ने केंद्रीय बजट पर कहा कि केंद्र सरकार का पेश बजट पूरी तरह से दिशाहीन है। इसमें किसानों, नौजवानों, महिलाओं, आदिवासी, दलित, ओबीसी और सर्व समाज के लिए दृष्टि का अभाव है। मध्यम वर्गीय परिवार आयकर में छूट की आशा रखते थे, लेकिन उस दिशा में सरकार ने कोई कदम नहीं बढ़ाया। बजट में मप्र को पूरी तरह उपेक्षितकिया गया है। भारतीय जनता पार्टी ने 2023 के विधानसभा चुनाव में महिलाओं को तीन हज़ार रुपए प्रतिमाह भत्ता और किसानों को गेहूं तथा धान का बढ़ा हुआ समर्थन मूल्य प्रदान करने का वादा किया था।

विकसित भारत होगा साकार

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि विभाग का बजट बढ़ाकर इस वर्ष 1,32,561 करोड़ रुपए कर दिया गया है। कृषि शिक्षा और अनुसंधान, विशेषकर आईसीएआर सहित, के लिए 9,967 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिससे शोध और नवाचार को बल मिलेगा। सस्ता खाद और उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए 1,70,944 करोड़ रुपए की सब्सिडी का प्रावधान है, ताकि उत्पादन की लागत कम हो और किसान को राहत मिले।

हरिभूमि के लिए ...

केंद्रीय बजट पर मप्र के दो पूर्व वित्त मंत्रियों और वर्तमान वित्त मंत्री की राय

तेजी से आगे बढ़ते मप्र को मिलेगा विशेष लाभ

जगदीश देवड़ा
वित्त मंत्री, मप्र

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि वर्ष 2026-27 का बजट विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने की ओर एक बड़ा कदम है। इस बजट से मप्र जैसे तेजी से विकसित हो रहे राज्य को भी लाभ मिलेगा। पूंजीगत व्यय में हमारा प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है। अब कैपेक्स बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ किया गया है। बजट में पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को विशेष पूंजीगत सहायता योजना में 2 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। जो पिछले वर्ष से 50 हजार करोड़ रुपए अधिक है। इस योजना में मप्र को लगभग 15 हजार करोड़ रुपए प्राप्त होने की संभावना होगी। इससे अधोसंरचनात्मक गतिविधियों को विस्तार देने में भी मदद मिलेगी।

आर्थिक हालात को धरातल पर ले जाने वाला बजट

तरुण भनोट
पूर्व वित्त मंत्री मप्र

कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में वित्त मंत्री रहे तरुण भनोट का कहना है कि केंद्र की भाजपा सरकार की नीतियों के कारण हर वर्ग परेशान है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा प्रस्तुत बजट में किसी भी वर्ग को राहत देने की बात नहीं की गई। रिजर्व बैंक के पास जो कोष है, उसका उपयोग ब्याज में राहत देने में किया जाता तो लोगों का धंधा बढ़ता। आमदनी बढ़ती लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। केंद्र की आर्थिक नीतियों के कारण देश के आर्थिक हालात धरातल पर जा रहे हैं। इसलिए ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार की जरूरत थी लेकिन बजट में ऐसे कोई संकेत नहीं मिले।

युवाओं, महिलाओं व उद्योगों पर रहेगा फोकस

राघव जी भाई
पूर्व वित्त मंत्री मप्र

भाजपा सरकार में वित्त मंत्री रहे राघव जी भाई ने कहा है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट में रोजगार के लिए युवा और महिलाओं सहित छोटे उद्योगों पर फोकस किया गया है। इसके लिए 10 हजार करोड़ रुपए खर्च करने का प्रावधान किया गया है। हालांकि, कृषि के क्षेत्र में और प्रयास करने की आवश्यकता थी। सेल्स टैक्स और इनकम टैक्स पर भी काम किया गया है। कुल मिलाकर छोटे व्यापारियों और महिलाओं को रोजगार के क्षेत्र में राहत देने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक के क्षेत्र में 40 हजार करोड़ का प्रावधान है। 10 हजार लोगों को पर्यटक गाइड के रूप में ट्रेनिंग दी जाएगी।

बजट में खास

शिक्षा के क्षेत्र को सौगात

- 01 राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान
- 05 यूनिवर्सिटी टाउनशिप स्थापना की घोषणा
- 04 टेलीस्कोप/खगोल विज्ञान सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी
- 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना
- 15000 माध्य. स्कूलों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना
- डिजिटल नॉलेज ग्रिड खोले जाएंगे
- हर जिले में छात्राओं के लिए होगी गर्ल्स हॉस्टल की स्थापना

स्वास्थ्य क्षेत्र में ये नए संस्थान खोलने की घोषणा

- 05 क्षेत्रीय मेडिकल हब स्थापना की घोषणा
- 02 नए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान खुलेंगे
- 03 नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान बनेंगे
- 17 लाइफ सेविंग ड्रग्स पर कस्टम ड्यूटी खत्म
- 1,000 क्लिनिकल ट्रायल साइट्स का नेटवर्क बनेगा
- 07 नए आयुर्वेद संस्थानों की स्थापना का प्रस्ताव
- 07 पहले से मौजूद संस्थान होंगे अपडेट
- 17 जीवन रक्षक दवाओं से कस्टम ड्यूटी खत्म
- कैंसर व शुगर की दवाइयां होंगी सस्ती
- एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल के नए संस्थान बनेंगे
- वेटनरी और पैरा-वेट कॉलेज/अस्पताल की स्थापना

हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल, मेडिकल में बढ़ी सुविधा तीन आयुर्वेदिक एम्स, पांच चिकित्सकीय पर्यटन केन्द्र

बजट 2026-27 में शिक्षा को 1,39,289 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसमें 55,727 लाख करोड़ रुपये उच्च शिक्षा विभाग और 83,562 लाख करोड़ रुपये स्कूल और साक्षरता विभाग के लिए हैं। इस बार शिक्षा के लिए आवंटित बजट पिछले वर्ष की तुलना में 8.27 फीसदी अधिक रहा। सरकार ने शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए बजटीय प्रावधान करते हुए भविष्य की तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कौशल विकास और मेडिकल शिक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता दी है। साथ ही, देश के हर जिले में महिला छात्रावास खोलने की भी घोषणा की गई है। बजट में टियर-2 और टियर-3 कस्बों में कॉर्पोरेट मित्र बनाने की भी घोषणा की गई है, जिससे पेशेवर संस्थानों को सुविधा और प्रशिक्षण मिलेगा। सरकार का कहना है कि इस बजट का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को भविष्य के लिए तैयार करना और युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है।

शिक्षा बजट 8.27% बढ़कर हुआ 1.39 लाख करोड़ रुपये

पिछले वर्ष से 8.27% **अधिक आवंटन**

2026-27 के लिए शिक्षा को 1,39,289 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वहीं 2025-26 के बजट में शिक्षा मंत्रालय के लिए कुल 1,28,650 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था।

दवा उत्पादन के लिए दस हजार करोड़ किए जाएंगे खर्च

बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार का लक्ष्य भारत के दवा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनना है। उन्होंने कहा कि इस मिशन के लिए अगले 5 साल में 10 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। निर्मला सीतारमण ने कहा कि वर्तमान में हम दुर्लभ दवाओं के लिए विदेशों पर निर्भर है लेकिन इस पहल से अब भारत में ही आधुनिक दवाओं का निर्माण होगा और भारत दुनिया को दवाई सप्लाई कर सकेगा। देश में ऐसे पहले से ही 7 संस्थान मौजूद हैं और इन्हें भी आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। जिला अस्पताल आधुनिक तकनीक से लैस होंगे तथा इमरजेंसी वार्ड की संख्या भी बढ़ाई जाएंगी।

क्लिनिकल ट्रायल साइट्स का नेटवर्क बनेगा

वित्त मंत्री ने दवाओं के साथ उसके विशेषज्ञों की भी जरूरत पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने ऐलान किया कि पूरे देश में 1000 मान्यता प्राप्त क्लिनिकल ट्रायल साइट्स का एक नेटवर्क बनाया जाएगा। इसके जरिए थेरेपी और दवाओं की जांच जल्दी से हो जाएगी। ऐसे में देश में तीन नए राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल शिक्षा और अनुसंधान संस्थान खोले जाने की घोषणा हुई है।

स्कूलों व कॉलेजों में 'कन्टेंट क्रिएटर लैब' बनेंगी

सरकार ने माना है कि भविष्य 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' और 'डिजिटल कंटेंट' का है। इसी को ध्यान में रखते हुए देश के 15,000 सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में 'कन्टेंट क्रिएटर लैब' बनाने का फैसला लिया गया है। युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए 'एआई एप्लीकेशन' पर आधारित विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे, जिससे देश की युवा शक्ति डिजिटल युग के लिए पूरी तरह तैयार हो सके।

गर्ल्स हॉस्टल और जिला अस्पतालों का कायाकल्प

महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने देश के हर जिले में एक 'गर्ल्स हॉस्टल' बनाने की घोषणा की है। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए जिला अस्पतालों की क्षमता में 50% तक की बढ़ोतरी की जाएगी। इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर सेंटरों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा, आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान भी स्थापित किए जाएंगे। लघु उद्योगों की मदद के लिए सरकार एक अनूठी योजना लेकर आई। सीए, सीएस और सीएमए जैसे संस्थान अब शॉर्ट टर्म कोर्स तैयार करेंगे, जिससे देश में 'कॉर्पोरेट मित्र' तैयार होंगे। ये एक्सपर्ट्स विशेष रूप से छोटे शहरों के व्यापारियों और उद्योगों को प्रोफेशनल मदद देंगे। आईआईएम की मदद से 10 हजार टूरिस्ट गाइड्स तैयार किए जाएंगे।

बेटियों की पढ़ाई में अब नहीं आएगी कोई रुकावट

अक्सर देखा जाता है कि गांव या छोटे शहर की लड़कियों को बड़े कॉलेज में एडमिशन तो मिल जाता है, लेकिन वहां रहने का इंतजाम करना बहुत महंगा और मुश्किल होता है। बजट में लिया गया यह फैसला लड़कियों को कॉलेज तक पहुंचाने में बहुत मददगार साबित होगा। जब हर जिले में अपना एक हॉस्टल होगा, तो मां-बाप भी बिना किसी डर के अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए भेज सकेंगे। इससे न केवल पढ़ाई बीच में छोड़ने वाली लड़कियों की संख्या कम होगी, बल्कि लड़कियां खुद को ज्यादा सुरक्षित और आत्मनिर्भर महसूस करेंगी। यह कदम महिला शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति की तरह देखा जा रहा है।

7 दवाओं से कस्टम ड्यूटी खत्म

सरकार ने कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटा दी है। इसके अलावा, कई दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए बाहर से मंगवाई जाने वाली दवाओं और स्पेशल फूड पर भी अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। इससे उन परिवारों को बड़ी आर्थिक मदद मिलेगी जो इलाज के लिए महंगी विदेशी दवाओं पर निर्भर हैं। बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार का लक्ष्य भारत के दवा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनना है। उन्होंने कहा कि इस मिशन के लिए अगले 5 साल में 10 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। निर्मला सीतारमण ने कहा कि वर्तमान में हम दुर्लभ दवाओं के लिए विदेशों पर निर्भर है लेकिन इस पहल से अब भारत में ही आधुनिक दवाओं का निर्माण होगा और भारत दुनिया को दवाई सप्लाई कर सकेगा। देश में ऐसे पहले से ही 7 संस्थान मौजूद हैं और इन्हें भी आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा।

युवाओं पर फोकस

युवाओं के सपनों को पांव रफ्तार से दौड़ेगा देश

सरकार ने आम बजट में सबसे बड़ी धुरी 'युवा शक्ति' और 'आधुनिक तकनीक' को बनाया है। सरकार ने इस बजट के जरिए न केवल शिक्षा के ढांचे को मजबूत करने की कोशिश की है, बल्कि रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए बायो-फार्मा और एआई जैसे उभरते क्षेत्रों पर सबसे ज्यादा भरोसा जताया है। वित्त मंत्री ने साफ किया कि सरकार युवाओं को 'जॉब सीकर' के बजाय 'जॉब क्रिएटर' बनाना चाहती है। बजट में टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास के लिए भी विशेष रोडमैप तैयार किया गया है जो रोजगार व व्यापार में सहायक बनेंगे। बायो-फार्मा व एआई क्षेत्र में प्रतिभाशाली युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

बायो-फार्मा और मेडिकल सेक्टर में आएगी क्रांति

सरकार ने भारत को दुनिया का मेडिकल हब बनाने के लिए सरकार ने 'बायो फार्मा शक्ति' योजना का ऐलान किया है। अगले पांच सालों में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश से भारत को ग्लोबल बायो-फार्मा मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके तहत तीन नए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च खुलेंगे। वहीं 7 पुराने संस्थानों को आधुनिक बनाया जाएगा। इतना ही नहीं, पशुपालन के क्षेत्र में भी 20 हजार नए वेटरनरी प्रोफेशनल तैयार करने के लिए विशेष कॉलेज खोले जाएंगे।

बुजुर्गों को रेल यात्रा में नहीं मिली छूट बाकी सब यथावत

भारतीय रेलवे ने कोरोना महामारी के बाद से बुजुर्गों को सफर में मिलने वाली रियायत खत्म कर दी थी। उम्मीद की जा रही थी कि इस बार वित्त मंत्री अपने पिटारे से यह तोहफा जरूर देंगी लेकिन ऐसी किसी भी प्रकार की घोषणा इस बजट में नहीं की गई जिससे बुजुर्गों को निराशा हाथ लगी। वहीं बुजुर्गों के लिए इनकम टैक्स की मौजूदा छूट सीमा भी पूर्व जैसे ही यानी 60 से 79 साल की उम्र वालों के लिए टैक्स छूट 3 लाख रुपये और 80 साल से अधिक उम्र वालों के लिए 5 लाख रुपये ही रहेगी।

महिलाओं को मिला शी-मार्ट का तोहफा

- ग्रामीण महिलाओं के लिए स्व-स्हायता उपक्रम शी-मार्ट का ऐलान
- भारत- विस्तार एआई टूल्स से कृषि उत्पादन में होगी सहायता
- पीएम दिव्यांशा केंद्रों को बनाया जाएगा मजबूत

रोजगार के क्षेत्र में घोषणा

- 'महात्मा गांधी ग्राम स्वराज' योजना
- खादी हथकरघा क्षेत्र को दिया जाएगा बढ़ावा
- निर्माण और इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में घरेलू विनिर्माण को मजबूती देने का लक्ष्य

केंद्रीय बजट 2026-27 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महिलाओं के लिए एक नई पहल शी-मार्ट की घोषणा की है। यह योजना महिलाओं के व्यवसाय और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाई गई है। ताकि महिलाओं को और अधिक आर्थिक अवसर मिल सकें। शी-मार्ट्स समुदाय-संचालित रिटेल आउटलेट होंगे जहां स्व सहायता समूह की महिलाएं खुद का कारोबार चला सकेंगी।

महिलाओं की वार्षिक आय कम से कम एक लाख रुपए हो

वित्त मंत्री ने कहा कि लखपति दीदी, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की वह महिला सदस्य होती है जिसकी वार्षिक घरेलू आय कम से कम एक लाख रुपये हो। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, अब तक दो करोड़ से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं और लक्ष्य 2027 तक तीन करोड़ महिला एसएचजी सदस्यों की वार्षिक आय को एक लाख रुपये तक पहुंचाना है। इसका उद्देश्य महिलाओं को उधार पर निर्भर रहकर काम करने की बजाय स्वयं के व्यवसाय की मालिक बनने में सहायता देना है। इस योजना के तहत महिलाओं को कम ब्याज दर पर वित्तीय सहायता (लोन) भी उपलब्ध कराई जा सकती है ताकि वे अपने व्यापार को मजबूत कर सकें। बजट 2026 में महिलाओं के लिए यह नई पहल उनके आर्थिक सशक्तिकरण, उद्यमिता और स्वयं-का व्यवसाय चलाने वाली क्षमता को बढ़ाने की दिशा में कदम है। लोकसभा में केंद्रीय बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने इसे स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्यों के लिए 'उद्यमों के मालिक' बनने की दिशा में "अगला कदम" बताया।

आम बजट पर आम नजरिया

पहला बजट जो एआई और आईटी को समर्पित

बजट एआई और आईटी को भारत के भविष्य के विकास की प्रमुख शक्ति के रूप में रेखांकित करता है। एआई समेत उभरती तकनीकों के रोजगार पर प्रभाव और कौशल आवश्यकताओं के अध्ययन के लिए एक विशेष समिति के गठन का सुझाव दिया गया है, जो कौशल विकास और रोजगार तैयारियों को दिशा देगी। सरकारी सेवाओं में एआई आधारित समाधानों के उपयोग, डिजिटल अवसंरचना के विस्तार तथा राज्य-स्तरीय डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से सेवाओं को सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया गया है।बजट में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 को भी प्रमुखता दी गई है, जो चिप डिजाइन तथा निर्माण क्षमता को मजबूत कर इलेक्ट्रॉनिक्स और एआई-आधारित उपकरणों के लिए अवसंरचना तैयार करेगा। सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले निर्माण कार्यक्रमों के लिए 8,000 करोड़ का आवंटन भी बढ़ाया गया है, जो घरेलू उर्ध्वाधर क्षमता के निर्माण में सहायक होगा।

इसके अतिरिक्त मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी का कुल बजटीय आवंटन बढ़कर 21,633 करोड़ किए जाने से एआई, डेटा प्लेटफॉर्म, साइबर सुरक्षा और डिजिटल सेवाओं केंद्रित परियोजनाओं को बल मिलेगा। इंडिया एआई मिशन को विस्तारित करने के लिए लगभग 1,000 करोड़ का विशेष भाग निर्धारित किया गया है। डिजिटल कौशल कार्यक्रम और कंटेंट निर्माता लैब्स (15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में) की घोषणा की गई है। इससे एआई-आईटी आधारित रोजगारों और नवोन्मेषी कौशल के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। भारत की वैश्विक डिजिटल सेवाओं में प्रतिस्पर्धात्मक हिस्सेदारी को 2047 तक 10% तक पहुंचाने में इससे मदद मिलेगी।

- **प्रो.ओमप्रकाश व्यास**, डायरेक्टर, ट्रिपलआईटी, रायपुर

पशु चिकित्सक की व्यवस्था सार्थक निर्णय

पशुधन की रक्षा के लिए पशु चिकित्सक की व्यवस्था को सुलभ बनाना बहुत सार्थक निर्णय है। महिला लघु उद्यमी के सहज बाजार लगाना बहुत ही अच्छा कदम है। मछुआरों की तरफ भी ध्यान दिया गया, ये सराहनीय है। कृषि क्षेत्र में किसानों को और नए प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद थी। उद्यमियों को निर्यात के लिए थोड़ा अधिक प्रोत्साहन मिलना था। डीबीटी में कुछ परिवर्तन हो और केवल गरीबों को ही किसान सम्मान राशि प्रदान किया जाना था। विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में शोध के लिए प्रोत्साहन की उम्मीद थी। यह पूरी हुई। एआई और आईटी के लिए पर्याप्त प्रोत्साहन दिया गया है। बहनों में उद्यमिता बढ़ाने और भूमि के स्वास्थ्य सुधार के लिए थोड़े अधिक प्रोत्साहन की आवश्यकता थी। इसके अतिरिक्त नवचारों पर खर्च बढ़ाने के लिए उद्योग को नई छूट की उम्मीद एक वर्ग को थी। कुछ सीमा तक यह भी पूरी हुई है।

- **प्रो.एके गुप्ता**, आईआईएम, अहमदाबाद (पद्म पुरस्कार प्राप्त, गुजरात ग्रासरूट्स इनोवेशन ऑग्मेंटेशन नेटवर्क के संस्थापक)

आम बजट 2026

ट्रेन। यात्री। सुरक्षा। पर्यटन। खेल

बजट में खास

दिल्ली-वाराणसी समेत कुछ मार्गों पर दौड़ेंगी स्पेशल ट्रेनें

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026 के साथ-साथ रेल बजट भी पेश किया है। इसमें एक ऐसी बड़ी घोषणा की गई है, जिससे रेलवे का सफर बिना रुकावट वाली तीव्र यात्रा बनने जा रही है। केंद्रीय बजट 2026 में हाईस्पीड रेल कॉरिडोर का बनाने का ऐलान किया गया है। ये सात प्राइम रेल कोरिडोर्स होंगी जो सात रेल रूट्स को कनेक्ट करेंगी। इसके सबसे बड़ी बात ये होगी, कि ये हाई स्पीड रेल कॉरिडोर होंगे.. जिन पर सिर्फ कुछ स्पेशल ट्रेनें दौड़ेंगी। इससे इन शहरों के बीच रेल सफर की आम समय सीमा घट जाएगी।

7 हाई स्पीड रेल कॉरिडोर

लोगों की यात्रा आसान करने बनाया जा रहा है तेज रेल नेटवर्क

ये हैं सात कॉरिडोर

- मुंबई-पुणे-महाराष्ट्र के इन दो बड़े शहरों के बीच सफर अब बहुत तेज होगा
- पुणे-हैदराबाद-महाराष्ट्र और तेलंगाना को जोड़ेगा
- हैदराबाद-चेन्नई – दक्षिण भारत के महत्वपूर्ण शहरों को कनेक्ट करेगा
- हैदराबाद-बेंगलुरु – आईटी हब बेंगलुरु और हैदराबाद के बीच तेज कनेक्शन
- चेन्नई-बेंगलुरु – तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच हाई-स्पीड लिंक
- दिल्ली-वाराणसी – राजधानी दिल्ली को उत्तर प्रदेश के पवित्र शहर वाराणसी से जोड़ेगा। इससे पर्यटन और व्यापार बढ़ेगा।
- वाराणसी-सिलीगुड़ी – पूर्वी भारत को मजबूत कनेक्टिविटी देगा, खासकर बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए फायदेमंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026-27 में 7 नए हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनाने की घोषणा की है। जो मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, दिल्ली, वाराणसी और सिलीगुड़ी जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ेंगे। ये कॉरिडोर भारत के प्रमुख शहरों को तेज और बेहतर तरीके से जोड़ेंगे। इससे यात्रा का समय बहुत कम हो जाएगा और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। वित्त मंत्री ने इन हाईस्पीड रेल मार्गों को 'ग्रोथ कनेक्टर्स' यानी विकास के जोड़ने वाले बताया है। ये पर्यावरण के अनुकूल होंगे और लंबी दूरी की यात्रा को तेज, सुरक्षित और कम कार्बन वाला बनाएंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर (बुनियादी ढांचा) पर जोर देने का हिस्सा है। सरकार का लक्ष्य है कि देश में तेज रेल नेटवर्क बढ़ाकर लोगों की यात्रा आसान हो। व्यापार तेज हो और रोजगार के मौके बढ़ें। फिलहाल मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। अब इन 7 नए कॉरिडोर से भारत का रेल नेटवर्क और आधुनिक बनेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि ये प्रोजेक्ट्स देश को तेज विकास की राह पर ले जाएंगे। इससे शहरों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ेगी और लोगों की जिंदगी बेहतर होगी। यह कदम आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

सरकार सीप्लेन के स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा देने के लिए देगी प्रोत्साहन

सीप्लेन वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) स्कीम शुरू करने का प्रस्ताव

विमानों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कंपोनेंट्स और पार्ट्स पर बेसिक कस्टम ड्यूटी से छूट देने का प्रस्ताव

मोदी सरकार ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उठाए बड़े कदम

पूर्वोत्तर के छह राज्यों में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने विशेष योजना

पर्यटन स्थलों के पास होगी इंटरप्रिटेशन सेंटर्स की स्थापना

पर्यटन स्थलों को मिलेंगी **4,000** ई-बसें

पर्यटन स्थलों पर **10 हजार** गाइड्स के लिए विशेष कोर्स

15 पुरातात्विक स्थलों होंगे जीवंत तरीके से विकसित

बनाया जाएगा राष्ट्रीय गंतव्य डिजिटल ज्ञान ग्रिड

खेलो इंडिया प्रोग्राम को मिलेगी नई धार

कोच और सपोर्ट स्टाफ का सुनियोजित और क्रमबद्ध तरीके से विकास

स्पोर्ट्स कल्चर को बढ़ावा देने और प्लेटफॉर्म देने के लिए प्रतियोगिताएं और लीग।

यूनियन बजट 2026-27 में सरकार ने बढ़ाया रक्षा खर्च

रक्षा बजट में 1 लाख करोड़ का इजाफा

वित्त मंत्री सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 में रक्षा क्षेत्र के लिए ऐलान किए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में युद्ध और रक्षा रणनीति की अहमियत और प्राथमिकता और बढ़ी है। जिसका असर हमें बजट में देखने को मिला। इस बजट में सरकार ने रक्षा खर्च बढ़ा दिया है। सरकार ने यूनियन बजट 2026-27 में रक्षा खर्च बढ़ा दिया है, इस सेक्टर के लिए 7,84,678 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

विमान और एयरो इंजन में इतना किया जाएगा खर्च

कैपिटल खर्च की बात करें तो विमान और एयरो इंजन के लिए 63,733 करोड़ रुपये और नौसेना बेड़े के लिए 25,023 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। 2025-26 के लिए रक्षा बजट 6,81,210 करोड़ रुपये तय किया गया था, जिसमें कैपिटल खर्च 1,80,000 करोड़ रुपये था, जिसे बाद में संशोधित अनुमानों के चरण में 1,86,454 करोड़ रुपये कर दिया गया था। भाषण में सीतारमण ने रक्षा क्षेत्र की यूनिट्स द्वारा रख-रखाव, मरम्मत और ओवरहाल के लिए इस्तेमाल होने वाले विमान पार्ट्स के निर्माण के लिए आयातित कच्चे माल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी माफ करने की भी घोषणा की।

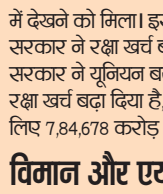

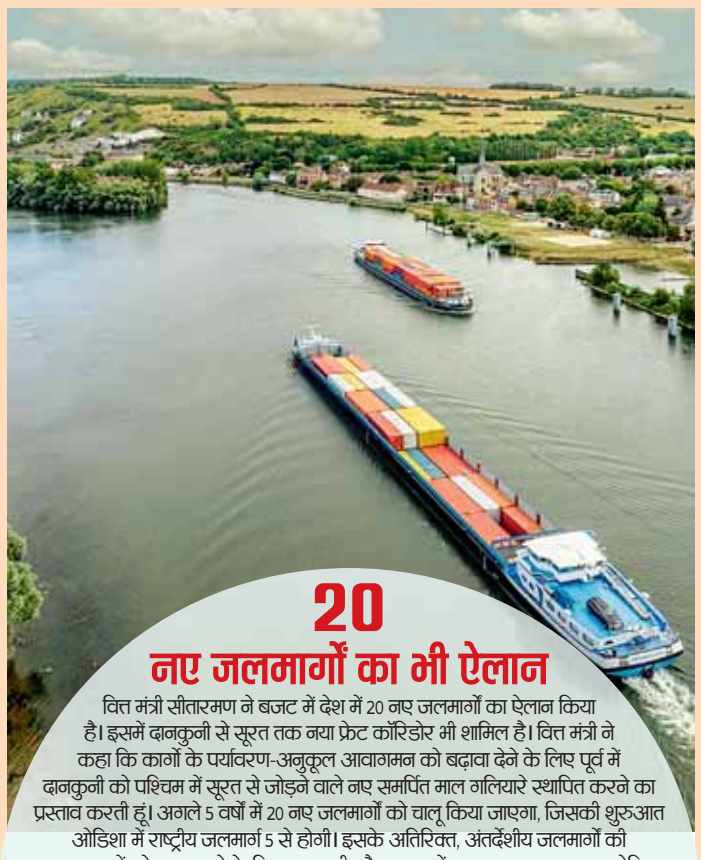

20 नए जलमार्गों का भी ऐलान

वित्त मंत्री सीतारमण ने बजट में देश में 20 नए जलमार्गों का ऐलान किया है। इसमें दानकुनी से सूरत तक नया फ्रेट कॉरिडोर भी शामिल है। वित्त मंत्री ने कहा कि कार्गो के पर्यावरण-अनुकूल आवागमन को बढ़ावा देने के लिए पूर्व में दानकुनी को पश्चिम में सूरत से जोड़ने वाले नए समर्पित माल गलियारे स्थापित करने का प्रस्ताव करती हूं। अगले 5 वर्षों में 20 नए जलमार्गों को चालू किया जाएगा, जिसकी शुरुआत ओडिशा में राष्ट्रीय जलमार्ग 5 से होगी। इसके अतिरिक्त, अंतर्देशीय जलमार्गों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वाराणसी और पटना में एक जहाज मरम्मत इकोसिस्टम भी स्थापित किया जाएगा। रेल और सड़क से जलमार्गों की ओर माल ढुलाई को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार कोस्टल कार्गो प्रमोशन स्कीम शुरू करेगी। इसका लक्ष्य 2047 तक इंलैंड वॉटरवेज और कोस्टल शिपिंग की हिस्सेदारी को मौजूदा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत करना है।

परमाणु परियोजनाओं के लिए कई चीजें ड्यूटी-फ्री

सितंबर 2035 तक कस्टम्स में रजिस्टर्ड सभी परमाणु परियोजनाओं के लिए न्यूक्लियर जनरेशन इक्विपमेंट, एब्जॉर्बर रॉड्स और प्रोजेक्ट इंपोर्ट्स को ड्यूटी-फ्री कर दिया गया है।

एविएशन सेक्टर में रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा आयात किए जाने वाले एयरक्राफ्ट पार्ट्स, इंजन और एमआरओ इनपुट्स पर भी कस्टम ड्यूटी हटाई गई है।

न्यूक्लियर और एविएशन सेक्टर को बड़ी राहत

बजट में परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए लंबी अवधि की स्पष्टता दी गई है। सितंबर 2035 तक कस्टम्स में रजिस्टर्ड सभी न्यूक्लियर प्रोजेक्ट्स के लिए न्यूक्लियर जनरेशन इक्विपमेंट, एब्जॉर्बर रॉड्स और प्रोजेक्ट इंपोर्ट्स पर कस्टम ड्यूटी शून्य कर दी गई है। एविएशन सेक्टर में रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा आयात किए जाने वाले एयरक्राफ्ट पार्ट्स, इंजन और **MRO** से जुड़े कच्चे माल पर भी ड्यूटी हटा दी गई है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बनेगा बुद्ध सर्किट

सीतारमण ने इस बार बजट में पर्यटन पर काफी फोकस रखा गया है और मोदी सरकार ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। बजट भाषण में निर्मला सीतारमण ने पूर्वोत्तर के छह राज्यों में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक कॉरिडोर का ऐलान किया है। कॉरिडोर का नाम रखा गया है- बौद्ध सर्किट जो कि अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बनाया जाएगा। इस कॉरिडोर योजना के तहत मंदिरों और मठों के संरक्षण के लिए कदम उठाए जाएंगे। सीतारमण ने कहा, 'सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र में बौद्ध सर्किट के विकास के लिए योजना शुरू करेगी ताकि मंदिरों और मठों का संरक्षण किया जा सके। सरकार पूर्वोत्तर के पांच राज्यों में पांच पर्यटन स्थलों का विकास करेगी।

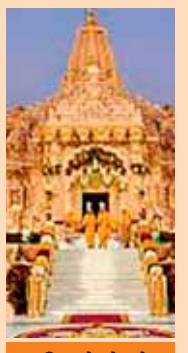

टूरिज्म के क्षेत्र में सरकार की बड़ी पहल

15 पुरातत्व स्थल, 20 टूरिस्ट साइट्स और इको-टूरिज्म को बढ़ावा

नार्थ ईस्ट के मंदिरों-मठों को बचाने पर खास जोर

अब मिशन मोड में बढ़ाया जाएगा खेलो इंडिया

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की तैयारी! स्टेडियम से साइंस लैब पर होगा सुधार

कोचिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर विशेष जोर

बजट में खेलों के लिए सरकार ने बड़े ऐलान किए। खेलो इंडिया को अब मिशन मोड में बढ़ाया जाएगा। इसका उद्देश्य अगले दशक में भारत के खेल ढांचे और खिलाड़ियों के विकास को नई रफ्तार देना है। इस पहल के तहत स्टेडियम और ट्रेनिंग सेंटर से लेकर स्पोर्ट्स साइंस और टेक्नोलॉजी तक हर स्तर पर सुधार किया जाएगा, ताकि जमीनी स्तर से ही टैलेंट को पोषित किया जा सके। भारत की 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी को ध्यान में रखते हुए, यह मिशन ग्रासरूट से एलीट लेवल तक खिलाड़ियों और कोचिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर केंद्रित रहेगा। वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट पेश करते हुए कहा कि यह मिशन इंटर-लिंकिंग तरीकों से एक इंटीग्रेटेड टैलेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम को आसान बनाएगा। खेलो इंडिया प्रोग्राम 2017 में लॉन्च किया गया था और इसका मुख्य उद्देश्य टैलेंट (प्रतिभा) पहचानने के लिए अलग-अलग आयु वर्ग में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं करवाना था। 'स्पोर्ट्स सेक्टर रोजगार, स्किलिंग और नौकरी से मिलते मौके लोकसभा में अपने बजट भाषण के दौरान निर्मण सीतारमण ने कहा, 'स्पोर्ट्स सेक्टर रोजगार, स्किलिंग और नौकरी के कई मौके देता है। खेलो इंडिया प्रोग्राम के जरिये खेल प्रतिभा का सुनियोजित और क्रमबद्ध तरीके से बढ़ावा देने की जो शुरुआत हुई है, उसे आगे बढ़ाते हुए, मैं अगले दशक में स्पोर्ट्स सेक्टर को बदलने के लिए एक खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का प्रस्ताव रखती हूं।'

मिलेंगी ये सुविधाएं

- ट्रेनिंग सेंटरों द्वारा समर्थित फाउंडेशनल, इंटरमीडिएट और एलीट स्तर वाले इंटीग्रेटेड टैलेंट डेवलपमेंट पाथवे
- कोच और सपोर्ट स्टाफ का सुनियोजित और क्रमबद्ध तरीके से विकास।
- स्पोर्ट्स साइंस और टेक्नोलॉजी का इंटीग्रेशन।
- स्पोर्ट्स कल्चर को बढ़ावा देने और प्लेटफॉर्म देने के लिए प्रतियोगिताएं और लीग।
- ट्रेनिंग और प्रतियोगिताओं के लिए स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का डेवलपमेंट।

इंटरप्रिटेशन सेंटर्स में इतिहास की जानकारी

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से लाई गई इस योजना के तहत पर्यटन स्थलों के पास इंटरप्रिटेशन सेंटर्स की स्थापना की जाएगी जहां उन जगहों के इतिहास और महत्व संबंधी जानकारियां दी जाएंगी।

पर्यटन में यह भी खास

वित्त मंत्री ने कहा, '20 पर्यटन स्थलों पर 10,000 गाइडों को ट्रेन करने के लिए एक पायलट योजना शुरू की जाएगी, जिसके तहत 12 हफ्ते का स्टैंडर्ड और हाई क्वालिटी ट्रेनिंग कोर्स कराया जाएगा।' मोदी सरकार के टूरिज्म प्लान में भारत के पुरातात्विक स्थलों को बढ़ावा देना भी शामिल है। निर्मला सीतारमण के मुताबिक, लोथल, धौलावीरा, राखीगढ़ी, आदिचनल्लूर, सारनाथ, हस्तिनापुर और लेह पैलेस सहित 15 पुरातात्विक स्थलों को जीवंत तरीके से विकसित किया जाएगा।

आम बजट पर आम नजरिया

चुनौती जमीनी स्तर पर समय पर क्रियान्वयन

-प्रो.आरएस मीना
वाणिज्य संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

केंद्रीय बजट 2026 ऐसे समय में आया है जब भारत अपनी दीर्घकालिक क्षमता को लेकर आश्वस्त है, फिर भी अल्पकालिक आर्थिक और सामाजिक वास्तविकताओं से बाधित है। परिवहन, रसद, ऊर्जा या शहरी विकास सहित अधिकतर क्षेत्र में अवसंरचना को एक बार फिर प्रमुखता दी गई है। यह तर्कसंगत है। सार्वजनिक निवेश न केवल अल्पकालिक रूप से रोजगार सृजित करता है, बल्कि दीर्घकालिक रूप से उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता में भी सुधार करता है। हालांकि, असली परीक्षा क्रियान्वयन में होगी। भारत के पास महत्वाकांक्षी योजनाओं की कोई कमी नहीं है। चुनौती हमेशा से जमीनी स्तर पर समय पर क्रियान्वयन और गुणवत्तापूर्ण परिणाम प्राप्त करने की रही है। बजट इस बात की जागरूकता का संकेत देता है कि केवल विकास ही पर्याप्त नहीं है। सामाजिक क्षेत्र में खर्च को बनाए रखने का स्पष्ट प्रयास किया गया है, विशेष रूप से ग्रामीण आजीविका, आवास, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में। मध्यम वर्ग, जिसे

अक्सर उपभोग और कराधान की रीढ़ कहा जाता है, शायद खुद को पूरी तरह से पुरस्कृत महसूस नहीं करे, लेकिन नवाचार और हरित परिवर्तन की दिशा में प्रयास बजट में दिख रहा है। घरेलू उत्पादन, स्वच्छ ऊर्जा और प्रौद्योगिकी-आधारित क्षेत्रों के लिए प्रोत्साहन भारत की वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की आकांक्षा के अनुरूप हैं। हालांकि, इन पहलों के साथ-साथ कौशल विकास, व्यापार करने में सुगमता और नियामक स्पष्टता में गहन सुधार भी आवश्यक हैं। इनके बिना, केवल प्रोत्साहनों से कंपनियों के एक छोटे से वर्ग को ही लाभ मिलने का जोखिम है। केंद्रीय बजट 2026 भारत की आर्थिक दिशा में कोई बड़ा बदलाव नहीं लाता है, लेकिन शायद यही इसका उद्देश्य है। यह एक विघटनकारी मार्ग के बजाय एक स्थिर, सुनियोजित मार्ग को सुदृढ़ करता है। कुछ लोगों को यह निराशाजनक लग सकता है। इस बजट की सफलता इसकी घोषणाओं पर कम और इसके कार्यान्वयन पर अधिक निर्भर करेगी।

सरकार ने 78 लाख करोड़ का बजट आवंटित किया

रक्षा बजट में भारी वृद्धि से 'आतंकी देशों' के होश होंगे ठिकाने

रक्षा बलों के आधुनिकीकरण के लिए भी 21 लाख करोड़ रुपए का किया प्रावधान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

2026 के रक्षा बजट में कुल 15 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। रक्षा मंत्रालय के लिए वर्ष 2026-27 के लिए 78 लाख करोड़ का बजट आवंटित किया गया है। इसके साथ ही रक्षा बलों के आधुनिकीकरण के लिए 21 लाख करोड़ रुपए मिलेंगे। बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि असैनिक, प्रशिक्षण एवं अन्य विमानों के निर्माण के लिए आवश्यक कलपुर्जों पर मूलभूत सीमाशुल्क में छूट दी जाएगी। रक्षा क्षेत्र की ईकाइयों द्वारा रख-रखाव, मरम्मत अथवा अन्य आवश्यकताओं में इस्तेमाल किए जाने वाले विमान के पुर्जों के निर्माण के लिए आयात किए जाने वाले कच्चे माल पर मूलभूत सीमाशुल्क में छूट दी जाएगी।

रक्षा बजट में 15 फीसदी की बढ़ोतरी

असैनिक, प्रशिक्षण एवं विमानों के निर्माण में कलपुर्जों पर मूलभूत सीमाशुल्क में छूट

आधुनिकीकरण के लिए 2.19 लाख करोड़

रक्षा मंत्रालय

पिछले साल मई में पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला बजट है। इस बजट में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सामने आई कमियों को सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। रक्षा बलों को कैपिटल आउटले बजट के तहत आधुनिकीकरण के लिए 2.19 लाख करोड़ रुपए मिलेंगे।

तकनीक को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा

सरकार का लक्ष्य भारत की रक्षा शक्ति और तकनीक को और अधिक सुदृढ़ करना है। यह देश की सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने को उठाया है। रक्षा क्षेत्र की यूनिट्स द्वारा मेंटेनेंस, रिपेयर या ओवरऑल जरूरतों के लिए इस्तेमाल होने वाले एयरक्राफ्ट के पार्ट्स बनाने के लिए इंपोर्ट किए जाने वाले कच्चे माल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी से छूट देने का प्रस्ताव है।

रक्षा क्षमता और आधुनिकीकरण पर रहा जोर

रक्षा मंत्रालय (सिविल) का बजट मामूली घटकर 28,554.61 करोड़ हो गया है, जिसमें 0.45 फीसदी की कमी दर्ज की गई। रक्षा सेवाओं (राजस्व) का बजट बढ़कर 3,65,478.98 करोड़ हो गया है, जो 17.24 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। रक्षा पूंजीगत व्यय में सबसे अधिक 21.84फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

भारत के सामने पाकिस्तान का बजट बौना

पाकिस्तान सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रक्षा मद में 2,550 अरब पाकिस्तानी रुपए आवंटित किए हैं। भारतीय मुद्रा के हिसाब से यह महज 72,850 करोड़ होगा। भारत ने पिछले साल केवल एक हथियार के लिए करीब-करीब पूरे पाकके रक्षा बजट के बराबर खर्च किया था। पाकिस्तानी सरकार ने रक्षा बजट में 20फीसदी का इजाफा किया है।

पिछले साल की तुलना में इस वर्ष 9.5 फीसदी का इजाफा

बजट 2024-25 में रक्षा क्षेत्र के लिए 6,21,940 करोड़ का आवंटन किया गया था। इस तुलना से स्पष्ट है कि 2025-26 में रक्षा बजट में लगभग 9.5 फीसदी की वृद्धि की गई है, जो सेना के आधुनिकीकरण की निरंतरता को दर्शाता है। 2024 में, रक्षा मंत्रालय ने 1.26 लाख करोड़ का अब तक का सबसे उच्च स्वदेशी उत्पादन और 21,083 करोड़ का रक्षा निर्यात दर्ज किया था।

खबर संक्षेप

मणिपुर के 20 विधायकों की दिल्ली में मीटिंग

नई दिल्ली। मणिपुर के 20 से अधिक भाजपा विधायकों ने रविवार को राज्य इकाई के अध्यक्ष के साथ

इंफाल से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी। वे पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ बड़ी बैठक में शामिल होंगे। मणिपुर भाजपा अध्यक्ष अधिराजमायुम शारदा देवी ने कहा कि सभी एनडीए विधायकों को बुलाया गया है। प्रदेश में एक लोकप्रिय सरकार का गठन होगा।

शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग, गिरफ्तार

मुंबई। यहां के जुहू इलाके में फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग की घटना सामने

आई है। जिस समय यह फायरिंग हुई, उस वक्त शेट्टी घर के अंदर ही मौजूद थे। गनीमत रही कि फायरिंग में कोई घायल नहीं हुआ है। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फायरिंग करने वाला आरोपी केवल एक ही था।

ट्रंप की पत्नी मेलानिया की फिल्म रही फ्लाप

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप की डॉक्यूमेंट्री 'मेलानियाः 20 डेज टू हिस्ट्री'

शुक्रवार को रिलीज हुई। लेकिन ये डॉक्यूमेंट्री लोगों का दिल जीतने में कामयाब नहीं हुई। मेलानिया की डॉक्यूमेंट्री में जनवरी 2025 में डोनल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने से ठीक 20 दिन पहले की कहानी दिखाई गई है।

रांची के मां-बेटे की पुरी समुद्र में दर्दनाक मौत

रांची। ओडिशा के पुरी में छुट्टियां मनाने आए रांची के एक प्रतिष्ठित परिवार के लिए शनिवार काल

बनकर आया।चक्रतीर्थ रोड स्थित पिंक हाउस क्षेत्र में समुद्र स्नान के दौरान मां को डूबता देख उसे बचाने कूदा इकलौता बेटा भी लहरों की भेंट चढ़ गया। इस हृदयविदारक घटना ने जहां रांची के आरएसएस परिवार में शोक की लहर दौड़ा दी है।

विजया 2 मासूम बच्चों संग ट्रेन के आगे कूदी

हैदराबाद। यहां रविवार की सुबह दिल दहला देने वाली घटना हुई। चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन के पास

38 साल की पी. विजया ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ मालगाड़ी के आगे छलांग लगा दी। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना शनिवार रात करीब 12:40 बजे की है, जब सनतनगर जा रही मालगाड़ी ने उन्हें कुचल दिया। मामले की जांच की जा रही है।

बजट में भूटान, श्रीलंका व अफ्रीकी देशों को मदद के लिए राशि का ऐलान

बांग्लादेश के लिए सहायता में की कटौती, साथ ही चाबहार बंदरगाह पर आवंटन का कॉलम 'गायब'

पड़ोसी और अन्य सहयोगी देशों के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 के लिए बजट का ऐलान कर दिया है। इसमें भारत के पड़ोसी और अन्य सहयोगी देशों के लिए वित्तीय सहायता की भी घोषणा की गई है। भूटान से लेकर श्रीलंका और बांग्लादेश से लेकर अफ्रीकी देशों तक की मदद के लिए राशि का ऐलान किया गया है। हालांकि, बांग्लादेश के लिए सहायता राशि में कटौती की चर्चा है। पिठले कुठ समय से भारत के बाग्लादेश के रिश्ते कुछ ठीक नहीं रहे हैं। इस बजट में एक चौंकाने वाली बात यह रही कि चाबहार बंदरगाह के लिए सहयोग राशि वाली पंक्ति को 2026-27 के लिए खाली छोड़ा दिया गया। ऐसे में चाबहार बंदरगाह परियोजना में भारत की भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इसके लिए सरकार ने फिलहाल कोई राशि जारी नहीं की है। अटकलें ये भी लगाई जा रही हैं कि भारत इस परियोजना को फिलहार टंडे बस्ते में डाल दिया है। इस पर कोी बात नहीं की गई है।

पड़ोसी देशों के रिश्तों को परखा

चाबहार बंदरगाह परियोजना

इन देशों की मदद पिछले साल के मुकाबले परिवर्तित

लातिन अमेरिकी देशों के लिए आवंटन को दो गुना किया

मंगोलिया के बजट में 5 गुना वृद्धि देखी गई है। लातिन अमेरिकी देशों के लिए आवंटन को सीधे दोगुना कर दिया गया है। सरकार दक्षिण अमेरिका में अपने संबंधों को प्रगाढ़ करने पर जोर दे रही है। भूटान कोसहायता राशि में मूल्य के मामले में सबसे बड़ी वृद्धि (138.56 करोड़) हुई है, हालांकि प्रतिशत के लिहाज से यह 6.44% है। अफ्रीकी देशों (225 करोड़) और सेशेल्स (19 करोड़) के बजट में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

आपदा प्रबंधन के लिए भारत ने इस बार राशि में किया इजाफा

भारत ने विदेश में आपदा प्रबंधन के लिए सहायता के तौर पर 2025-26 के 64 करोड़ के मुकाबले 2026-27 में 80 करोड़ की राशि आवंटित की है। भारत ने बीते साल इस राशि के जरिए श्रीलंका की दित्वाह चक्रवात से निपटने में मदद की। म्यांमार और अफगानिस्तान की भूकंप के बाद हुई तबाही से निपटने में भी मदद की गई। सरकार ने इस राशि के जरिए कुछ देशों को राहत सामग्री भी पहुंचाई है।

बांग्लादेश, मालदीव और म्यांमार की मदद घटी

बांग्लादेश: प्रतिशत के मामले में सबसे बड़ी कटौती बांग्लादेश की सहायता राशि में की गई है, जिसे आधा (50 फीसदी) कर दिया गया है।

मालदीव और म्यांमार: इन दोनों देशों के बजट में 50-50 करोड़ रुपए की कमी की गई है।

विदेश की बाकी योजनाओं पर ऐसा रहा बजट

- केंद्र सरकार ने विदेश मंत्रालय से जुड़े सचिवालयों के लिए 761.21 करोड़ का बजट तय किया।
- दूतावासों-मिशन्स के लिए 5059.30 करोड़ तय किए गए।
- पासपोर्ट और आव्रजन व्यवस्था के लिए 2435.13 करोड़ आवंटित किए गए।
- विदेश में रह रही भारतीय महिलाओं के कल्याण की योजनाओं के लिए पांच करोड़ दिए गए।
- मंत्रालय के अन्य खर्चों के लिए 1265 करोड़ बजट में रखे गए हैं।

चाबहार बंदरगाह के लिए राशि आवंटित नहीं की

बीते दिनों में कई हलकों में यह भी चर्चा हुई कि भारत आने वाले समय में अमेरिका के दबाव में चाबहार बंदरगाह योजना से बाहर भी हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ समय पहले ही धमकी दी थी कि ईरान में जारी प्रदर्शनों के बीच धमकी दी थी कि उससे व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसदी के अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया जाएगा। भारत पर 50 फीसद टैरिफ लगाया जा चुका है। इसमें 25 फीसदी आयात शुल्क व्यापार के मसले पर, जबकि अतिरिक्त 25 फीसदी रूस से तेल खरीद को लेकर लागू है।

पीएम मोदी ने लुधियाना को दी सौगात

हलवारा एयरपोर्ट का लोकार्पण अगले माह से होगा संचालन

आदमपुर अब जाना जाएगा श्री गुरु रविदास एयरपोर्ट

एजेंसी ▶▶ लुधियाना

कई वर्षों के इंतजार के बाद लुधियाना के लोगों को नया एयरपोर्ट मिल गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विवार को लुधियाना के हलवारा एयरपोर्ट का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन कर शहर को बड़ी कनेक्टिविटी की सौगात दी है। इस एयरपोर्ट के शुरू होने से लुधियाना और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के बीच हवाई यात्रा अब और आसान हो जाएगी। मार्च से हलवारा एयरपोर्ट से घरेलू उड़ानों का संचालन शुरू किया जाएगा। शुरुआती चरण में लुधियाना से दिल्ली और दिल्ली से लुधियाना के बीच सप्ताह में पांच दिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट्स चलाई जाएंगी। एयरपोर्ट के चालू होने से न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि उद्योग और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे लुधियाना की देश के अन्य बड़े शहरों से हवाई संपर्क की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

संत निरंजन दास के पैर छुए

प्रधानमंत्रीरविदासिया समाज के जालंधर स्थित सबसे बड़े धार्मिक स्थल डेरा सचखंड बल्लां पहुंचे। पीएम मोदी ने यहां संत निरंजन दास के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और उन्हें सम्मानित किया। इसी दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने आदमपुर एयरपोर्ट का नाम बदलकर श्री गुरु रविदास एयरपोर्ट कर दिया। इसके बाद पीएम मोदी ने इसके बाद लुधियाना के हलवारा स्थित इंटरनेशनल एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि गुरु रविदास जी ने समाज को एकजुट किया है। उन्होंने कहा कि हमारी भाजपा सरकार ने संत निरंजन दास को सम्मानित किया है।

मेरा रिश्ता 'काशी' से जुड़ा

उन्होंने पंजाबी में कहा कि मैं पंजाब की धरती को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि मेरा रिश्ता गुरु रविदास जी की जन्मभूमि काशी से है। पीएम मोदी ने इस दौरान रविदास की वाणी से 3 श्लोक पढ़े। साथ ही काशी (वाराणसी), मध्यप्रदेश और पंजाब में संत रविदास की सेवा करने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि आदमपुर हवाई अड्डे का नाम श्री गुरु रविदास जी महाराज के नाम पर रखा गया है।

पत्रकारों से बातचीत में कहा-हमने पहले ही डील तय कर ली

भारत अब ईरान से नहीं, वेनेजुएला से खरीदेगा तेल, डील हो गई पक्की

अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप ने किया बड़ा दावा

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन/ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की तेल खरीद को लेकर बड़ा ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा है कि भारत अब ईरान के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेगा।

उन्होंने कहा कि भारत के साथ इस बारे में डील की गई है। एयरफोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि हमने पहले ही वह डील कर ली है। डील का कॉन्सेप्ट तय हो गया है। ट्रंप का बयान अमेरिका के नई दिल्ली को यह संकेत देने के एक दिन बाद आया है कि वह रूसी कच्चे तेल के कम आयात की भरपाई के लिए जल्द ही वेनेजुएला से तेल खरीदना फिर से शुरू कर सकता है।

खामेनेई की सबसे खतरनाक धमकी

हमला किया तो पूरे मिडिल ईस्ट में होगी क्रांति

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने रविवार को एक बड़ी चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा ईरान पर कोई भी सैन्य हमला मध्य पूर्व में 'क्षेत्रीय युद्ध' को जन्म देगा, जिससे पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर संघर्ष फैल सकता है। यह बयान तब सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस्लामी गणराज्य पर सैन्य हमले की धमकी दी है।

अमेरिका जान ले यह क्षेत्रीय युद्ध होगा

ईरानी सरकारी टेलीविजन ने खामेनेई के हवाले से बताया कि अमेरिकियों को यह पता होना चाहिए कि अगर वे युद्ध शुरू करते हैं, तो इस बार यह एक क्षेत्रीय युद्ध होगा। हम उकसाने वाले नहीं हैं और न ही हम किसी देश पर हमला करना चाहते हैं। लेकिन ईरानी राष्ट्र किसी भी ऐसे व्यक्ति को करारा जवाब देगा जो उस पर हमला करेगा या उसे परेशान करेगा।

एनसीबी के विलय पर असमंजस की स्थिति बरकरार

शपथ ग्रहण पर राकांपा प्रमुख ने दिया स्पष्टीकरण

शरद पवार मुंबई पहुंचे तो बारामती लौट गईं डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर असमंजस की स्थिति है। इसी बीच, एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार रविवार सुबह बारामती से मुंबई के लिए रवाना हो गए, जबकि नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार देर रात बारामती लौट आईं। शरद पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के चार दिन बाद मुंबई के लिए रवाना हुए। सुनेत्रा ने शनिवार को मुंबई में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पुणे जिले के बारामती स्थित अपने आवास लौट आईं।

शपथ ग्रहण पर मुझसे बात नहीं हुईः शरद

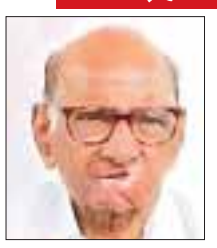

सुनेत्रा के शपथ ग्रहण को लेकर उन्होंने कहा कि इस बारे में मुझसे कोई चर्चा नहीं हुई। यह फैसला पार्टी ने स्वयं लिया होगा। प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे ने पहल की होगी और संभव है कि पार्टी के भीतर ही यह निर्णय लिया गया हो।

12 फरवरी को होने वाला था विलय

शरद ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि अजित पवार ने 12 फरवरी को एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की घोषणा करने की तारीख तय की थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जायसवाल ने पाकिस्तान की खोली पोल

नाकामी छिपाने 92 बलूच विद्रोहियों को मारने का किया दावा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान बोला- 18 सैनिक मारे गए

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में विद्रोहियों ने एक बार फिर से बड़ा हमला किया है। इन हमलों में 80 पाकिस्तानी सैनिक ढेर हुए हैं। वहीं पाकिस्तान ने दावा करते हुए कहा है कि उसके 18 सैनिक मारे गए हैं, जबकि 92 बलूच विद्रोही मारे गए हैं। पाक ने अपने घर में लगी आग के लिए भारत पर भड़ास निकाली है। चीन के हस्तक्षेप, सीपीईसी प्रोजेक्ट और ग्वादर बंदरगाह के लिए बड़े पैमाने पर बलूचिस्तान के संसाधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन निवासियों की जिंदगी बदतर है। इसी के विरोध में बलूच विद्रोही संगठन अकसर पाकिस्तानी सेना, पंजाबी मूल के लोगों और यहां तक की चीनी नागरिकों पर भी निशाना साधते रहते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस पर पाक की पोल खोल दी है।

▶ घर में आग और भारत पर भड़ास निकाल रहा पाक

▶ बलूचिस्तान में सैनिकों के ढेर होने पर बोला पाक

इस बार बलूचों ने किया सबसे बड़ा अटैक

कई बार बलूच विद्रोही संगठनों ने खूनी हमले भी किए हैं। इस बार अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक अटैक किया है। पाकिस्तान इन हमलों की वजह तलाशने की बजाय भारत पर ही भड़ास निकाल रहा है। पाकिस्तानी सेना की प्रोपेगेंडा यूनिट आईएसपीआर ने इसके लिए भारत को जिम्मेदार बताने की कोशिश की है। उसने कहा कि ये हमले भारत से मदद पाने वाले फितना-अल-हिंदुस्तान नाम के संगठन ने किए हैं। ये हमले क्वेटा, मस्तंग, नुशकी, दलबंदीन, खारन, पंजगुर, ग्वादर और पसनी में हुए हैं। एक साथ ही कई शहरों पर बलूच विद्रोहियों ने हमले किए हैं। पाकिस्तान जैसे संगठन की बात कर रहा है, उसका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

भारत ने पाक के आरोपों को सिरे से खारिज किया

बलूचिस्तान में हिंसा पर पाक ने भारत पर झूठे आरोप मढ़ने की कोशिश की थी। लेकिन रविवार को भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। भारत ने कहा कि ये सभी आरोप बेबुनियाद हैं । विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम पाक द्वारा लगाए गए बेबुनियाद आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं, जो उसके अपने अंदरूनी नाकामियों से ध्यान भटकाने की उसकी सामान्य चाल के अलावा और कुछ नहीं है। जायसवाल ने कहा कि पाक को बेबुनियाद दावे करने की जगह अपने लोगों की मांग को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। दरअसल पाक के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भारत पर आरोप लगाया था।

बजट से पहले आमजन को झटका

कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में हो गया 49 रु. का इजाफा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय बजट से ठीक पहले आम आदमी को महंगाई का एक और झटका लगा है। तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडरों की कीमतों में इजाफा कर दिया है। 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 49 रुपए की बढ़ोतरी की गई है, जो 1 फरवरी से लागू हो गई है। हालांकि, घरेलू उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरों

के मुताबिक, दिल्ली में 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की खुदरा कीमत अब बढ़कर 1,740.50 रुपए हो गई है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। इससे लोगों के रसोई का बजट बिगड़ सकता है।

बरगी बांध की दाईं नहर टूटने से मचा कोहराम

दर्जनों गांव में पानी भरा, किसानों की फसलें बरबाद

जबलपुर अनुभाग के अंतर्गत ग्राम सगड़ा-झपनी के पास रविवार की दोपहर उस वक्त कोहराम मच गया जब बरगी बांध की दाईं तट नहर अचानक फूट गई। नहर के फूटने से आसपास के किसानों के खेतों में पानी भर गया और उनकी फसलें खराब हो गई। घटना की सूचना मिलने पर बरगी बांध नहर प्रबंधन और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

हरिभूमि जबलपुर।

सबसे पहले नहर में आने वाले पानी को बांध के गेटो से बंद कराया। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने इस घटना से क्षतिग्रस्त हुई फसलों का सर्वे करने और प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के निर्देश जारी कर दिए हैं। एसडीएम जबलपुर अभिषेक सिंह ने बताया कि बरगी बांध के उन गेटों को बंद किया गया जहां से दाईं तट नहर में पानी की आवक हो रही थी । उन्होंने ने दावा किया कि नहर में पानी की आवक पूरी तरह बंद कर दी गई है, वहीं इसके साथ ही जिस स्थान पर नहर टूटी है उसके आगे के नहर के सभी गेट खोल दिये गये हैं, ताकि खेतों में भरे पानी की निकासी तेजी से हो सके। एसडीएम जबलपुर अभिषेक सिंह एवं बरगी बांध दाईं तट नहर की कार्यपालन यंत्री बरगी बांध संभाग क्रमांक 4 श्रीमति श्रद्धा बंसोडकर मौके पर खुद मौजूद रहे।

फसलों के नुकसान का सर्वे

एसडीएम अभिषेक सिंह ने बताया कि कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर नहर के टूटने के कारण खेतों में पानी भर जाने से फसलों को हुये नुकसान का सर्वे प्रारंभ कर दिया गया है। प्रभावित किसानों राहत राशि का वितरण किया जाएगा। कार्यपालन यंत्री बरगी बांध की दाईं तट नहर के मुताबिक रविवार की दोपहर लगभग 12 बजे बरगी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सगड़ा के पास मुख्य नहर के टूटने से नरई नाला से लगे कुछ खेतों में पानी भर गया। सूचना मिलते ही बरगी बांध से दाईं तट नहर से पानी की निकासी पूरी तरह बंद कर दी गई है तथा नहर टूटे हिस्से के आगे के नहर के सभी गेट खोल दिये गये। उन्होंने बताया कि नहर टूटे हुये हिस्से से पानी नरई नाला में जा रहा है जो आगे जाकर नदी में मिल रहा है।

घरों में घुसा पानी, फसलें खराब

नहर टूटने से भारी मात्रा में पानी ग्रामीण इलाकों में घुस गया है, जिससे क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालत बन गए। जल स्तर इतनी तेजी से बढ़ा कि ग्रामीणों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। नहर फूटने के बाद निकले पानी के सैलाब ने सगड़ा के पास के रिहायशी इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया है। पानी के तेज बहाव के कारण दर्जनों गाँवों का संपर्क टूट गया है। लोगों के घरों के अंदर दो से तीन फीट तक पानी भर गया है, जिससे गृहस्थी का सामान पूरी तरह नष्ट हो गया है। सबसे बुरा हाल किसानों का है। खेतों में खड़ी फसलें जलमग्न हो चुकी हैं। ग्रामीण अपने मवेशियों और जान-माल की सुरक्षा के लिए ऊंचे स्थानों की ओर भाग रहे थे।

मेंटेनेंस में लापरवाही का आरोप

किसानों पर ग्रामीणों का यह आरोप है कि घोर प्रशासनिक लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ। दाईं तट नहर के तटबंद लंबे समय से कमजोर थे। कई बार इसकी शिकायत नहर प्रबंधन से की गई, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने हमेशा इसे अनदेखी और अनसुनी की, जिसका परिणाम इस घटना के रुप में आया। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना के घंटों बाद तक राहत और बचाव कार्य शुरु नहीं हो सका था। इधर एसडीएम जबलपुर अभिषेक सिंह का कहना है कि घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरु कर दिए गए थे, लिहाजा कही जनहानि नहीं हुई। खेतों में पानी घुसने से फसलों का नुकसान जरुर हुआ हैं जिस पर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने सर्वे कर पीड़ित किसानों को राहत राशि देने के निर्देश जारी कर दिए है। क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वे प्रारंभ कर दिए गया है।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बरगी बांध की नहर टूटने की घटना पर कलेक्टर से की चर्चा

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने ग्राम सगड़ा-झपनी के पास बरगी बांध की दाईं तट नहर क्षतिग्रस्त होने की घटना पर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह चर्चा की और खेतों में पानी भरने से फसलों को नुकसान पहुँचने की आशंका को देखते हुये शीघ्र सर्वे कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित होने पर किसानों को शीघ्र राहत राशि प्रदान की जाये। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने कलेक्टर राघवेंद्र सिंह से चर्चा के दौरान नहर के क्षतिग्रस्त होने से उपजे हालातों की तथा प्रशासन द्वारा सतर्कता के बतौर उठाए गये कदमों की जानकारी भी प्राप्त की और स्थिति पर लगातार नजर बनाये रखने के निर्देश भी दिये।

आज होगा नहर के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का कार्य, स्थिति सामान्य

जबलपुर अनुभाग के अंतर्गत बरगी परिक्षेत्र के ग्राम सगड़ा-झपनी के पास बरगी बांध की नहर के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का कार्य सोमवार की सुबह से प्रारंभ कर दिया जायेगा। फिलहाल स्थिति सामान्य है और प्रशासन लगातार इस पर नजर बनाये हुये है। प्रशासन, पुलिस तथा बरगी बांध प्रशासन के अधिकारी अभी भी मौके पर मौजूद हैं। बरगी बांध के दाईं तट नहर के आर डी 6.94 किलोमीटर स्थित नर्रई एक्वाडक्ट के अपस्ट्रीम के दाहिने भाग के ट्रांजिशन कर्व के आज रविवार की दोपहर लगभग 12 बजे क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिलते ही प्रशासन द्वारा बांध से पानी की निकासी तुरंत रुकवा दी गई थी तथा क्षतिग्रस्त हिस्से से आगे के नहर के सभी गेट भी खोल दिये गये थे। इस वजह से हालात पर जल्दी काबू पा लिया गया। शाम तक नहर के क्षतिग्रस्त हिस्से की तलहटी दिखाई देने लगी थी। नहर क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी तत्काल मौके पर पहुँच गये थे। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी जबलपुर अभिषेक सिंह एवं बरगी बांध की दाईं तट नहर की कार्यपालन यंत्री श्रीमती श्रद्धा बंसोडकर के मुताबिक बांध से दाईं तट नहर में पानी की निकासी तुरंत बंद करा देने से शाम तक स्थिति लगभग सामान्य हो गई थी। नहर के क्षतिग्रस्त हिस्से से पानी का अधिकतम बहाव नर्रई नाला से होने से भी हालात पर काबू पाने में काफी मदद मिली। शाम तक नर्रई नाला के निचले क्षेत्र में भरा पानी भी उतरने लगा था। एसडीएम अभिषेक सिंह ने बताया कि नहर के क्षतिग्रस्त होने से सगड़ा-झपनी, बम्हनोदा, रोसरा, चारघाट, पिपरियाकला और घाना के कुछ हिस्से प्रभावित हुये थे, लेकिन कहीं भी बाढ़ की स्थिति नहीं बनी। किसी भी घर में पानी नहीं भरा और कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलते ही तुरंत मुनादी करा कर लोंगो को सतर्क कर दिया गया था। कार्यपालन यंत्री दाईं तट नहर श्रीमती श्रृद्धा बंसोडकर के मुताबिक बरगी बांध की दाईं तट नहर के क्षतिग्रस्त इस हिस्से की मरम्मत का कार्य कल सोमवार की सुबह से प्रारंभ कर दिया जायेगा। मरम्मत कार्य के लिये आवश्यक मशीनरी और सामग्री मौके पर पहुंचाई जा चुकी है।

माघ पूर्णिमा पर स्नान करने उमड़ी भीड़

नर्मदा के पावन तटों पर लगाई आस्था की डुबकी

जबलपुर। माघ पूर्णिमा पर रविवार को नर्मदा तटों में सुबह से देर शाम तक स्नानार्थियों की भीड़ लगी रही। माघ पूर्णिमा पर नर्मदा स्नान का पुण्य लाभ अर्जित करने तड़के चार बजे से ही पुण्य सलिला जीवनदायिनी माँ रेवा के तट पर स्नान, ध्यान, पूजन करने के लिय बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचने लगे थे। जैसे जैसे दिन चढ़ता गया, भीड़ बढ़ती गई, साथ ही रविदास जयंती पर नर्मदा के गौरीघाट मार्ग पर स्थित रविदास आश्रम में भी भारी भीड़भाड़ रही। इस कारण गौरीघाट रेलवे क्रासिंग से माँ नर्मदा के पावन तट गौरीघाट तक भीड़ का दबाव बढ़ जाने से यातायात में असुविधा हुई। शाम को जब रविदास जयंती का जुलूस यहां पहुंचा तो जाम की स्थिति बन गई थी। पूर्णिमा एवं अमावस्या पर वैसे ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रद्धा व आस्था के साथ नर्मदा में डुबकी लगाने जाते हैं, लेकिन माघ महीने की स्नानदान पूर्णिमा के विशेष महत्व को समझने वाले श्रद्धालु खास तौर पर नर्मदा स्नान करने पहुंचे। गौरीघाट के अलावा पवित्र नर्मदा नदी के अन्य तटों तिलवाराघाट, भेड़ाघाट और लम्हेटाघाट में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु नर्मदा स्नान करने पहुंचे एवं पुण्य लाभ अर्जित किया। बड़ी संख्या में लोग शनिवार रविवार अवकाश मिलने के कारण माघ पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने प्रयागराज पहुंचे।

निराशाजनक व मनोबल गिराने वाले इस बजट में महंगाई को रोकने कोई प्रावधान नहीं : चमन श्रीवास्तव

जबलपुर। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतरामण ने संसद में 9वां केन्द्रीय बजट पेश किया, जिस पर संस्कारधानी चेम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने इसे निराशाजनक, मनोबल गिराने वाला बजट बताते हुये अपनी प्रतिक्रिया देते हुये कहा कि बजट में युवाओं, किसानों, मिडिल क्लास व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की कोई बात नहीं कही गई है। न ही इस बजट में एक्सपोर्ट से संबंधित कोई राहत भरा प्रावधान रखा गया।

वर्तमान समय में आम नागरिक महंगाई के कारण त्रस्त है। उसे रोकने का भी बजट में कोई उपाय भी नहीं बताया गया। इस बजट में अच्छी बात यह रही कि न्यू इंकम टैक्स अधिनियम 01 अप्रैल 2026 से लागू हो जायेगा जिसके अंतर्गत इंकम टैक्स दाता सिम्पली फाईड फार्म स्वयं ही भरकर इंकम टैक्स चुका सकता है। इस बजट में छोटे व्यापारियों को न तो किसी प्रकार की राहत दी गई और न ही सुविधा का प्रावधान रखा गया। बजट में मनरेगा जैसी योजनाओं को भी कमजोर बनाने का प्रयास किया गया है। इस प्रकार यह पूरा बजट एक खाली डिब्बे के समान लुभावना प्रतीत हो रहा है।

मालपाणी स्कूल में हुआ विदाई समारोह

जबलपुर। त्रिभुवनदास मालपाणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मिलौनीगंज में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य राजकुमार मिश्रा ने मां सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्वलन कर अपने भाषण में विद्यार्थियों के भविष्य के प्रति अपनी शुभकामनाएं दी । छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समसंगीत, नृत्य, कविता और नाटक जैसे विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी उपस्थितों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने कक्षा 12वीं के छात्रों का सम्मान करते हुए उन्हें विदाई दी। समारोह का संचालन सत्येंद दास गुरू, पूजा सिन्हा और प्रीति धुसिया ने संचालन किया। इस अवसर पर स्वाति पैगवार, शैली साहू, शिल्पा तिवारी, अनिता मिश्रा, सुधा तिवारी, कुसुम मसीह, विनीता विश्वकर्मा, अर्चना तिवारी, प्रन्जल उरमालिया, शैलजा, अरूणा तिवारी, महिमा, अनामिका, प्रज्ञा शुक्ला, प्रियंका, आभा शर्मा उपस्थित रही। शिक्षक आबिद हुसैन खान ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

दबिश : सरगना फरार, 2 महिलाएं गिरफ्तार

देह व्यापार के लिए विदेश से बुलाई गई गर्ल

जबलपुर। माढोताल थाना अतंर्गत ग्रीन सिटी क्षेत्र में शनिवार की देर रात पुलिस ने दबिश देकर एक विदेशी कॉल गर्ल को गिरफ्तार किया है। उजबेकिस्तान की रहने वाली विदेशी महिला के साथ एक अन्य महिला को भी गिरफ्तार किया गया है। बताया गया है कि यहां विदेशी महिला के साथ सेक्स रैकेट देह व्यापार में संलिप्त था। मौके से इस गिरोह का सरगना फरार हो गया। बताया जा रहा है कि माढ़ोताल थाना के ग्रीन सिटी क्षेत्र में बीते कई दिनों से देह व्यापार का खेल चल रहा था, यहां विदेश से भी लड़कियां आया करती थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सीएसपी आशीष जैन को मुखबिर से मिली सूचना के बाद ग्रीन सिटी स्थित एक घर में छापा मारा गया। छापा मार टीम में महिला पुलिस भी शामिल थी। टीम ने जब दबिश दी तो यहां से उज्बेकिस्तान की महिला को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान महिला ने बताया कि उसे दिल्ली के रास्ते प्लेन तो कभी ट्रेन से जबलपुर लाया गया था। महिला ने बताया कि 2011 में उसका विवाह हुआ था। महिला का कहना है कि 2023 में पति की मौत के बाद वह मुंबई आ गई, यहां पर उसने दूसरी शादी की। इसी दौरान दिल्ली निवासी प्रिया कौर से सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी दोस्ती हुई। महिला का कहना है कि कुछ दिनों पहले शिव चौधरी और उसकी पत्नी सुषमा चौधरी से उसकी दोस्ती हुई, इसके बाद ट्रेन से उसे शुक्रवार को जबलपुर बुलाया गया था। पूछताछ के दौरान महिला ने बताया कि उज्बेकिस्तान से मुंबई आने के बाद जब शिव चौधरी से दोस्ती हुई तो उसने देह व्यापार में कमाई के लिए अच्छी खासी रकम दिलाने का आश्वासन दिया और जबलपुर बुला लिया। पुलिस ने विदेशी महिला के साथ सुषमा चौधरी नाम की महिला को भी हिरासत में लिया है, हालांकि महिला का पति शिव चौधरी जिसने की ग्रीन सिटी में 15 दिन पहले ही किराए से मकान लिया था। वह फरार हो गया है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

रविदास समाज ने हर्षोल्लास से मनाई संत रविदास जयंती

जबलपुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के अवसर पर संस्कारधानी जबलपुर में जयंती को बड़े ही हर्षोल्लास से रविदास समाज के द्वारा मनाया गया, इसी के चलते संत शिरोमणि गुरु रविदास समिति अहिरवार समाज के द्वारा डॉक्टर राधाकृष्णन एवं ठक्कर ग्राम वार्ड में भी जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें गुरु वाणी, पूजन अर्चन एवं भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो की तादाद में रविदास समाज के महिला, पुरुष, बच्चे एकत्रित हुए। इस अवसर पर समिति के द्वारा रविदास समाज के वरिष्ठ सम्मानितजनों का स्वागत सत्कार कर सम्मान किया गया। पूरे कार्यक्रम में अध्यक्ष आरडी चौधरी, संरक्षक दास प्रसाद अहिरवार, केएन अहिरवार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रहलाद ठेकेदार, प्रकाश अहिरवार, शशिकांत अहिरवार, रतन अहिरवार, राजू अहिरवार, लक्ष्मण अहिरवार, एडवोकेट प्रदीप अहिरवार, अशोक रोहिदास, शेरु अहिरवार, मुन्ना आदर्श, संतोष महाजन का विशेष सहयोग जयंती को सफल बनाने में रहा।

सिद्ध चक्र महामंडल विधान कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। श्री 108 प्रमाण सागर महाराज के सानिध्य में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन अग्रवाल कॉलोनी में आयोजित किया जा रहा है जिसके आज प्रथम दिन घट यात्रा निकल गई। घट यात्रा में शहर भर के सभी मंडल एवं परिषदों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिस पर संगम कॉलोनी महिला मंडल के द्वारा मैना सुंदरी एवं श्रीपाल राजा की झांकी निकाली गई एवं सभी 16 सदस्यों ने हरियाणवी वेशभूषा रखकर कलश लेकर यात्रा में शामिल हुईं। यात्रा में अध्यक्ष रानी जैन, साधना कश्मीर, सचिव प्रतिभा कृति, जीनल शालिका, अनामिका सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

थीम पार्क रेजिडेंशियल सोसाइटी, तिलहरी के सामने नई शराब की दुकान खोलने के विरोध में महिलाओं, बच्चों और निवासियों ने किया प्रदर्शन

जबलपुर। थीम पार्क रेजिडेंशियल सोसाइटी, तिलहरी के सामने एक नई शराब की दुकान खोलने और जबलपुर के तिलहरी इलाके की घनी आबादी वाली रिहायशी कॉलोनियों के पास में चल रही अन्य शराब की दुकानों और बार के खिलाफ 01.02.2026 को स्थानीय रिहायशी सोसाइटियों की महिलाओं, बच्चों और निवासियों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। इस इलाके में खंडारी नाले से शुभम रेजिडेंसी तक 2 KM के दायरे में पहले से ही कुल 06 शराब की दुकानें/बार मौजूद थे और हाल ही में थीम पार्क सोसाइटी के सामने, साकार नगर कॉलोनी के पास 7वीं शराब की दुकान खोली गई है। निवासियों ने बताया कि शराब की दुकान घनी आबादी वाली रिहायशी सोसाइटियों के पास स्थित है, जो सार्वजनिक सुरक्षा नियमों और सामाजिक भलाई के खिलाफ है। यह जगह पास की कॉलोनियों के स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्थानीय बस स्टॉप भी है और इस जगह पर शराब की दुकान खोलने से स्कूल जाने वाले बच्चों पर बुरा असर पड़ेगा और बच्चों, खासकर लड़कियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। शराब की दुकान की अनुमति देने से पहले स्थानीय निवासियों से कोई उचित सलाह-मशविरा नहीं किया गया। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और स्थानीय निवासियों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने शराब की दुकान की जगह पर कड़ा विरोध और चिंता जताई।महिला प्रतिभागियों ने इलाके में रिहायशी कॉलोनियों के इतने पास पहले से चल रहे बार/शराब की दुकानों से होने वाली रोज़ाना की समस्याओं पर प्रकाश डाला, जिसमें ट्रैफिक जाम, सार्वजनिक रूप से शराब पीना, बद्तमीज़ी, गाली-गलौज, देर रात तक हंगामा, महिलाओं और बच्चों के लिए डर, कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और सार्वजनिक परेशानी शामिल हैं। विरोध प्रदर्शन के दौरान निवासियों ने नारे लगाए और जिला प्रशासन और स्थानीय प्रतिनिधियों को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें शराब की दुकान को तुरंत बंद करने या गैर-रिहायशी इलाके में ले जाने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर अधिकारी तुरंत कार्रवाई करने में विफल रहते हैं, तो आंदोलन को शांतिपूर्ण लेकिन मज़बूत तरीके से किया जाएगा।

रविदास आश्रम में हवन पूजन व सांस्कृतिक कार्यक्रम

संत रविदास जयंती पर निकली धूमधाम से शोभायात्रा

जबलपुर। संत रविदास जयंती यहां कल हर्षोल्लास के साथ पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ मनायी गई। रविदास समाज द्वारा इस अवसर पर जगह-जगह प्रतिमाएं स्थापित की गई थी, जिनका पूजन हवन कर दोपहर बाद भव्य जूलूस अंबेडकर चौक से निकाला गया जो शहर के कई मार्गो से होते हुए संत रविदास आश्रम गौरीघाट पहुंचा। जहां देर रात तक धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम हुए। रविदास समाज के आराध्य संत शिरोमणी गुरू रविदास जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनायी गई। चेरीताल, इंदिरा नगर बस्ती, रविदास नगर, सिंधी कैंप, नई बस्ती बड़ा पत्थर रांझी, दमोहनाका चौक, तहसीली चौक सहित अनेक स्थानों पर संत रविदास जी की प्रतिमाओं की स्थापना की गई। सुबह से ही प्रतिमा पंडालों में भंडारे के आयोजन किये गये। दिनभर हवन पूजन अर्चन चलता रहा। दोपहर बाद धूमधाम के साथ संत रविदास जयंती पर शोभायात्रा निकाली गई। इस भव्य शोभायात्रा में सबसे आगे संत रविदास जी की प्रतिमा चल रही थी। डांडिया नृत्य करते हुए बच्चों की टोलियां चल रही थी। संत रविदास के जीवन चरित्र पर आधारित झांकिया भी चल रही थी। ढोल ढमाकों के साथ यह शोभायात्रा तहसीली चौक से घंटाघर, करमचंद चौक, मालवीय चौक, नगर निगम चौक, शास्त्री ब्रिज, गोरखपुर, रामपुर होते हुए गौरीघाट स्थित संत रविदास आश्रम पहुंची। यहां धार्मिक अनुष्ठानों के साथ शोभायात्रा का समापन हुआ। देर रात तक यहां धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम चलते रहे जहां समाज के लोग मौजूद थे।

झांकियों का हुआ जगह-जगह स्वागत

मालवीय चौक पर आदिवासी बहुजन अधिकार कल्याण संघ एवं अम्बेडकर दलित कल्याण संघ के बैनर पर झांकियों का स्वागत सम्मान किया गया साथ ही रविदास जी की शोभायात्रा में शामिल सभी को फल प्रसाद का वितरण किया गया।इस अवसर पर अबॉक्स के प्रदेश अध्यक्ष देवेश कुमार चौधरी,शिवनाथ चौधरी आलम,एड तेजकुमार भगत, तरुण रोहितास, कमलेश धापोडकर, शिवकुमार गोटिया, डॉ बी एल झारिया,उमेश मेहरा,एड शुभम चौधरी,नत्थू लाल सतनामी,सी एस सिरसाठ,महेश अहिरवार,जीवन जाटव,डेनियल इब्राहिम,धर्मेन्द्र कुशवाहा, आदि उपस्थित रहे।

सद्भावना पदयात्रा निकाली गई

संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल, अंबेडकर चौक के समक्ष शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा रविवार को दोपहर 1 बजे हमारी विरासत के रक्षक के तत्वावधान में सद्भावना पदयात्रा का आयोजन किया गया।
शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारी विरासत के रक्षक द्वारा आगे भी अनेक कार्यक्रम एवं संघर्ष किए जाएंगे। अंत में राष्ट्रीय गीत के साथ उपस्थित जनों ने संकल्प लिया। इस पदयात्रा में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वंशज उत्तराधिकारी भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। रैली का नेतृत्व शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने किया। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज उत्तराधिकारी कांग्रेस प्रकोष्ठ से मनोज नामदेव, राजेंद्र राज्जू सराफ, ओम प्रकाश जायसवाल, सुश्री प्रीति चौधरी, श्रीमती राखी सराफ, डॉ. किरण गठोरिया, ओम शर्मा, केशव प्रसाद चौरसिया, शिवमंगल यादव, श्याम सोलंकी, अशोक यादव, अशोक बर्मन, निर्मल चंद जैन, अंशित सोनी, श्रीमती आशा मालवीय, श्रीमती नेहा बर्मन, अल्केश गुप्ता, सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

संत शिरोमणि रविदासजी के 649वें प्रकाश पर्व पर जिला अस्पताल में किया फल वितरण

जबलपुर। जिला मुख्यालय में संत शिरोमणि रविदास जी के 649वें प्रकाश पर्व के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गरीब नवाज़ कमेटी द्वारा जिला अस्पताल विक्टोरिया में भर्ती मरीजों को फल एवं आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य से मरीजों एवं उनके परिजनों में खुशी देखी गई।इसके साथ ही संत रविदास जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में निकाली गई शोभा यात्रा का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को फल वितरित किए गए तथा सामाजिक समरसता और सेवा भाव का संदेश दिया गया।इस अवसर पर कमेटी के प्रमुख सदस्य मो. आदिल, रियाज़ अली, बाबू खान, मो. इमरान, बछु नांकनी, दीपक निगम, रेहान खान एवं रोहित सोनकर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने संत रविदास जी के विचारों को आत्मसात करते हुए समाज सेवा के कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की दी गई सौगात

105 महिला परिवारों को दिया गैस कनेक्शन

जबलपुर। क्षेत्रीय पार्षद अंजू अनीता जाट के कार्यालय में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना का भव्य कार्यक्रम मंत्री कैलाश विजयवर्गी, राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर अन्नू के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। पार्षद अंजू अनीता जाट गोलू के प्रयास से प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 105 परिवारों को उज्जवला कनेक्शन का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, पूर्व नगर अध्यक्ष जीएस ठाकुर, जाट समाज के पंच सरपंच एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं मातृशक्ति की उपस्थिति रही। संचालन पूर्व पार्षद सतवीर जाट गोलू DNT राष्ट्रीय महासचिव दिल्ली द्वारा किया गया।

गांधी जी गांवों के विकास को धुरी मानते थे : राजेश बहुगुणा

गांधी का व्यक्तित्व बहुआयामी था: न्यायमूर्ति आरके चौबे

जबलपुर। "महात्मा गांधी ने सामाजिक परिवर्तन के लिए सत्याग्रह का रास्ता दिखाया था। वह रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से भारत के 7 लाख गांव को आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखते थे। उन्होंने लोगों से आव्हान किया था कि उन्हें गांवों की ओर देखना चाहिए और ग्रामों को कुटीर उद्योगों की इकाई बनाने के काम में लगना चाहिए।" उक्त विचार राजेश बहुगुणा ने 'एक शाम महात्मा गांधी के नाम' कार्यक्रम में अपने व्याख्यान में व्यक्त किये। कार्यक्रम का आरंभ महात्मा गांधी के प्रिय भजन "वैष्णव जन तो तैने कहिए" से हुआ जिसे गीतकार रवि शुक्ला ने गुनगुनाया।मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आरके चौबे ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि उनका गांधी से पहला परिचय अपनी पाठ्यपुस्तक के गीत 'मां खादी की चादर दे दे मैं गांधी बन जाऊं' से हुआ था। फिर आगे चलकर गांधी दर्शन पर मैंने स्नातकोत्तर अध्ययन किया, वे बहुआयामी व्यक्तित्व के स्वामी थे।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष रामेश्वर नीखरा, कथाकार राजेंद्र चंद्रकांत राय, हिमांशु राय, वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र सुरजन, गीता शरद तिवारी, ठाकुर विक्रम सिंह, विवेक रंजन त्रिपाठी, रितेश अग्रवाल, रजनीकांत शुक्ला, सुभाष मोतीवाला, प्रीति गुप्ता, वंदना जैन, केके अग्रवाल, विवेक पटेल, डॉ. अभिजात्य कृष्ण त्रिपाठी, शरदचंद्र पालन, अभिषेक यादव, अखिल मिश्रा, मुकेश सोनी, नवनीत जैन, बसंत मिश्रा, सतानंद पंडा, मूकेश पटेल, राजकिशोर पटेल, शीला पटेल, नितिन अग्रवाल, राजेन्द्र पटेल, अशोक मिश्रा, प्रहलाद पीपरा, राज सोनकर, कृष्ण गुप्ता, संजय वर्मा, नेकनारायण सिंह, जगदीश सोनी, जयंत जैन, धन्नु जैन, सुरेश मिश्रा विचित्र आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन अनुराग जैन गढ़ावाल, रूपेंद्र पटेल, प्रशांत मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन रूपेंद्र पटेल ने किया।

लेनार्ड स्कूल के 12वीं के छात्रों का विदाई समारोह आयोजित

जबलपुर। लेनार्ड एचएस स्कूल सिविल लाइन के कक्षा बारहवीं के वाणिज्य, गणित, विज्ञान, आईपी, कला के छात्रों के लिए फेयरवल समारोह आयोजित किया गया। समारोह की शुरुआत में 12वीं कक्षा के शिक्षकों द्वारा छात्रों का तिलक लगाकर और उन पर गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित अतिथियों का गुलदस्ता से स्वागत किया गया। समारोह के दौरान शिक्षकों द्वारा 12वीं के छात्रों के लिए कई खेलों का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं के लिए म्यूजिकल चेयर और सभी के लिए एलिमिनेशन स्पट डांस, आदि का छात्रों ने भरपूर आनंद लिया।
समारोह के दौरान कई बच्चों ने बचपन से स्कूल में होने की अपनी यादों को व्यक्त किया और अपने शिक्षकों के लिए उनकी प्रशंसा, सम्मान और प्यार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें मार्गदर्शन दिया, उन्हें पढ़ाया, शिक्षित किया, उनमें जीवन के अच्छे नैतिक मूल्यों और नैतिकता को शामिल किया और आज उन्हें समाज की युवा, महिलाओं और सज्जनों में तराशा और ढाला है। कार्यक्रम का मुख्य

आकर्षण मिस्टर लेनार्ड और मिस लेनार्ड 2026 की प्रतियोगिता थी। प्रतियोगिता के लिए उपस्थित निर्णायकों में जोस पप्पन, मिस लतीशा और श्रीमती पूजा थीं। मिस्टर लेनार्ड 2026 को मस्टर अनस अहमद 12वीं (कॉमर्स आईपी) और मिस लेनार्ड 2026 का ताज मिस काव्या कोडवानी (कॉमर्स आईपी) ने जीता। छात्रों को भाषण में प्रिंसिपल एलजी लोबो ने छात्रों को जीवन में प्रगति करने और अपने भविष्य के प्रयासों में स्कूल के शिक्षकों द्वारा सिखाए गए नैतिक मूल्यों और नैतिकता को ध्यान में रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि लेनार्ड में आपके शिक्षकों ने आपको अपनी जड़ें दी हैं, अब अपने पंख फैलाएं और उड़ें। उन्होंने सभी छात्रों का उनकी आने वाली 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं भी दी। इसके बाद बच्चों को उनके स्कूली जीवन की याद में स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम का समापन खेलों के विजेताओं के जलपान और पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

आदिवासी गोंड समाज मिलन समारोह आयोजित

मझौली। बड़ा देव देवालय समिति मझोली द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी वार्षिक कार्यकम का आयोजन माननीय अजय बिश्नोई विधायक पाटन के मुख्य आतिथ्य एवं दिनेश चौरसिया , विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र चौरसिया लिक्खू दादा पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मझौली, मंडल अध्यक्ष मुकेश सेन ,बृजेश पटेल, रमेश झरिया उपाध्यक्ष जनपद पंचायत मझौली, राजेश ठाकुर जिला पंचायत सदस्य, उर्मिला दहिया जिला मंत्री b j p, मनोरंजन राय, एवं समाजसेवी गुलाब यादव, की उपस्थिति में किया गया इस अवसर पर आदिवासी गोंड समाज की बेटियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ आजक्स के कैलेंडर का विमोचन माननीय अजय बिश्नोई जी के द्वारा किया गया, कार्यक्रम में आदिवासी समाज ने मुखिया द्वारा सभी का स्वागत किया गया, आभार बलवीर के द्वारा किया गया।

मझौली खंड में आयोजित किया गया हिन्दू सम्मेलन

मझौली। सम्मेलन में मुख्य वक्ता ब्रह्मानंद जी महाराज एवं डॉक्टर आनंद राव के द्वारा समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने अपने दायित्व का पालन करने के लिए कहा उन्होंने कहा कि हर घर घर से एक स्वयं सेवक चाहिए जो देश हित में कार्य करे अपने परिवार में उपयोग होने वाली सभी आवश्यक वस्तुएं विदेशी न हो स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल करे गौ माता की सेवा करें गौ माता की रक्षा करें अपने परिवार में अपनी बेटा बेटी को झांसी की रानी बना है मजबूत बनाएं जो समय आने पर झांसी की रानी बने सके। सम्मेलन में विभाग प्रचारक के द्वारा कहा गया कि हम सब हिन्दू एक हो जाती के नाम पर बटे नहीं हम सब हिन्दू है हमे राम राज्य लाना होगा हमें राजा चाहिए राम जैसा शिष्य चाहिए राम जैसा सेवक चाहिए राम जैसा मन में राम हृदय में राम चाहिए। विराट हिन्दू सम्मेलन में आज दोपहर बाद भगवान विष्णु वाराह मंदिर से कलश यात्रा एवं भगवान राम जानकी लक्ष्मण जी मनमोहन झांकी के साथ कार्यस्थल बाजार पहुंचे इसके बाद संतो के उदबोधन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन कया गया।

एवी किडीज विद्यालय में मनाया गया वार्षिक खेल दिवस

सिहोरा। ए.वी किडीज स्कूल में वार्षिक खेल दिवस का आयोजन जगत बहादुर सिंह अन्नू महापौर के मुख्य आतिथ्य एम आई सी सदस्य नगर निगम सुभाष तिवारी,डॉ स्पर्श नायक मल्टीस्पेशयलिटी हॉस्पीटल एवं अंतर्राष्ट्रीय कराते खिलाडी गौरव सिंधिया के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। डॉ आर के श्रीवास्तव, भागवत आनंद निजी स्कूल एसोसिएशन अध्यक्ष,अंतर्राष्ट्रीय कराते खिलाडी रीना सिंधिया,बैंक ऑफ महाराष्ट्र मुख्य शाखा प्रबंधक शिवांगी रॉय, विद्यालय प्राचार्या एवं उप प्राचार्य द्वारा गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। आयोजन में बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर पहले,दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। खेल प्रतियोगिता में बालक व बालिकाओं के लिए 50 मी, 75 मी व 100 मी दौड़ के अलावा रिले दौड़ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि ने खेल को बच्चों के शारीरिक विकास के लिए आवश्यक बताया। इस दौरान ए.वी किडीज विद्यालय की प्राचार्या श्रीमति सरिता मुखर्जी ने विद्यालय के शिक्षकों की बच्चों के प्रति समर्पण भाव की प्रशंसा की।

250 शिक्षकों को शिक्षक रत्न सम्मान प्रदत्त

सिहोरा। इस विशाल और भव्य समारोह में सिहोरा, मझौली,कटंगी,पाटन,जबलपुर,पनागर एवं कुण्डम क्षेत्रों से आए लगभग 250 शिक्षकों को प्रमाण पत्र देकर एंव माला पहनाकर स्वागत किया सम्मानित किया गया। इसके पहले सम्मान समारोह में पहुंचे अतिथियों का जिला अध्यक्ष नरेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य पदाधिकारीयों ने पुष्पहार पहानकर शाल श्रीफल से स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने आगे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला और शिक्षकों से नवाचार व समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।प्रांताध्यक्ष ने संवर्ग की पुरानी पेंशन बहाली और नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता के लिए सतत संघर्ष का भी ऐलान किया। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता बताते हुए कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त करता है और आने वाली पीढ़ी को दिशा देता है।

इनका शिक्षकों का रहा सहयोग

समारोह में बड़ी संख्या में मातृशक्ति की सहभागिता ने कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायक बना दिया आयोजन के सफल बनाने में राज्य शिक्षक संघ के विनीत मिश्रा,मनमोहन राय,अरविंद उपाध्याय,अजय खरे,रवि प्रकाश दुबे,रमेश झारिया,राजेंद्र दुबे,बिहारी साहू,वीरेंद्र झारिया,धर्मशीला दुबे,निशा पाठक,सुनील तिवारी,श्याम सुंदर तिवारी,सुधा उपाध्याय,नीरज तिवारी,राजकुमार साहू,बिनोद पाटकर,अखिलेश दाहिया,दीपक गौतम,प्रदीप पटेल,अनिल खरे,संजय पांडे आदि का योगदान रहा।

धूमधाम से मनाई गई संत रविदास जयंती

सिहोरा। समाजिक एकता और समरसता के प्रतीक संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 649 वीं सिहोरा के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी धूमधाम से मनाई गई दिनभर पूजन हवन भंडारे चलते रहे। कहीं पर रैली निकाली गई तो कहीं महाआरती की गई।

चौधरी मोहल्ला में आयोजन

संत रविदास जी की जयंती पर वार्ड क्रमांक 9 चौधरी मोहल्ला से भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो हरदौल मंदिर,मैना कुआं, काल भैरव चौक, झंडा बाजार, आजाद चौक, गौरी तिराहा, पुराना बस स्टेंड,बाबाताल से होकर निकली एंव शुभारंभ स्थल पर संपन्न हुई। दोपहर में भंडारे का आयोजन किया गया व शाम को महाआरती की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में अशोक चौधरी,सुरेंद्र चौधरी, कमलेश चौधरी, अनिल चौधरी, दिनेश चौधरी, जितेंद्र चौधरी, प्रकाश चौधरी, दुर्गा चौधरी, दीपक चौधरी, अंशु चौधरी, संस्कार चौधरी, राज चौधरी, शिव चौधरी, आलोक चौधरी, बिल्लू, गुड्डी आदि का योगदान रहा।

कुम्ही सतधारा में व्याख्यान माला आयोजित

जयंती पर समीपी ग्राम कूम्ही सतधारा स्थित संत रविदास मंदिर प्रांगण में संत शिरोमणि गुरु रविदास सामाजिक चेतना संभागीय समिति द्वारा आयोजित व्याख्यान माला एवं गीत संगीत के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में भक्तों एवं श्रोताओं ने गुरुवाणियों का श्रवण किया! प्रकाश से फैली ज्योति" के पावन संदेश के साथ बताया कि किस तरह से भारत में व्याप्त रूढ़िवाद पाखंड अंधविश्वास एवं आडंबर के बजाय मानव मानव एक समान के सिद्धांत पर समाज को जीवन जीने की एक नई दिशा दी। इस अवसर पर व्याख्यान माला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से संत रविदास जी के जीवन दर्शन और उनके सामाजिक योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सामाजिक गुरु एवं लोक गायक डब्बल चौधरी की संगीत मंडली की प्रस्तुति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भगवान दास रैदास रिटायर्ड नायब तहसीलदार, डी.एल. चौधरी, ओम समद,जी एल चौधरी, अनिल चौधरी, अमृत लाल बौद्ध, जयकुमार पटवारी, राजकुमार चौधरी, के के पटेल, बृषभान अहिरवार, सोनेलाल चौधरी, अमृतलाल रैदास, मूलचंद चौधरी आदि उपस्थित थे।

पत्रकार धर्मदास अर्खेल का निधन

प्रेम सागर निवासी पत्रकार धर्मदास अर्खेल जो की प्रेम सागर पंच कमेटी के पूर्व मुखिया राजकुमार एवं संतोष, स्वर्गीय बिंदेश्वरी प्रसाद, राज बाबू संजय के भाई थे, का अचानक 31.01.2026 को बीमारी के चलते स्वर्गवास हो गया। अंतिम संस्कार 1 फरवरी 2026 को करिया पाथर मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती कैलाश रानी उप्पल- मदर टेरेसा नगर कटंगी रोड निवासी श्री राजपाल उप्पल की धर्मपत्नी श्रीमती कैलाश रानी उप्पल (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती कौशल्या जायसवाल- सुखसागर वैली गौरीघाट रोड निवासी श्री राधेश्याम जायसवाल की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या जायसवाल (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती विद्या बाई यादव- फूटाताल साठिया कुआं रोड निवासी श्री गुलाब यादव की धर्मपत्नी श्रीमती विद्या बाई यादव (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री हरिशंकर हरदहा- मानसरोवर कॉलोनी यशवंत नगर अधारताल निवासी श्री हरि शंकर हरदहा (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती निकिता सामल- उड़िया मोहल्ला छोटी ओमती निवासी श्री आशीष सामल की धर्मपत्नी श्रीमती निकिता सामल का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अनिल कुमार चौधरी- बंगाली कॉलोनी रांझी निवासी श्री अनिल कुमार चौधरी (93) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री उमाकांत साहू- रानीपुर माली मोहल्ला मदनमहल निवासी श्री रमेश साहू के पुत्र श्री उमाकांत साहू (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री शिव कुमार यादव- नेता कॉलोनी अधारताल निवासी श्री बाबू लाल यादव के पुत्र श्री शिव कुमार यादव (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री महेश प्रकाश शुक्ला- सिद्धबाबा वार्ड लालमाटी निवासी श्री महेश प्रकाश शुक्ला (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी विश्वकर्मा- खलासी लाइन छोटी ओमती निवासी श्री राम अवतार विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी विश्वकर्मा (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री निखलेश समुंद्रे- कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री नरेश समुंद्रे के पुत्र श्री निखलेश समुंद्रे (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राधा दुबे- खजरी खिरिया बायपास के निकट निवासी श्री मथुरा प्रसाद दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती राधा दुबे (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सावित्री सोंधिया- फूटाताल ढीमर मोहल्ला निवासी श्री तुलसी दास सोंधिया की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री सोंधिया (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री पीताम्बर लाल- बड़ा पत्थर रांझी निवासी श्री पीताम्बर लाल (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंद्रवती मिश्रा- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री राम मनोहर मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रवती मिश्रा (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री कृष्णाजी भुर्रक- संजीवनी नगर निवासी श्री कृष्णाजी भुर्रक (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विमल खटीक- खेरमाई वार्ड निवासी श्री विमल खटीक (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री भुवनेश्वर प्रसाद- न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री भुवनेश्वर प्रसाद (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उषा देवी नामदेव- शिवनगर दमोहनाका निवासी श्री राजकुमार नामदेव की धर्मपत्नी श्रीमती उषा देवी नामदेव (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री अमित कुमार खरे- अधारताल निवासी श्री एसपी खरे के पुत्र श्री अमित कुमार खरे (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका: यादव

जिला स्तरीय सम्मेलन में दो सौ से अधिक शिक्षक सम्मानित

सिहोरा। आईआईटी,नीट सहित बाकी क्षेत्रों में भी शासकीय विद्यालयों के छात्र छात्रा ही आगे रहते हैं जो इस बात का प्रमाण है कि शासकीय स्कुलो में शिक्षक विद्यार्थीयों को श्रेष्ठ बनाने के लिए लगातार प्रयास करते हैं आज शिक्षकों को सरकार पढ़ाई के अलावा अन्य दुसरे कार्यों में लगा देती है जिससे परीक्षा परिणाम तो प्रभावित होता ही है साथ ही बच्चों को भी पढ़ाने का उनको कम अवसर मिलता है। उक्ताशय के विचार राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने रुकमणि पैलेस में आयोजित जिला स्तरीय सम्मेलन एंव शिक्षक रत्न सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में व्यक्त किए। आयोजन पूर्व विधायक दिलीप दुबे के विशिष्ट आतिथ्य, सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य अशोक उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

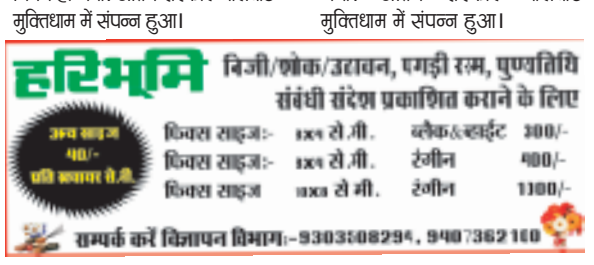

1.62 लाख करोड़ रुपए से अधिक कृषि क्षेत्र के लिए से अधिक का आवंटत किए गए

भारत-विस्तार एआई टूल, किसानों की आय को दोगुनी करने का लक्ष्य

भारत-विस्तार एआई टूल की मदद से किसानों की आय को दोगुनी करने का लक्ष्य रखा गया है। अपने नौवें बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री ने हर क्षेत्र में टेक्नोलॉजी और एआई के इस्तेमाल करने पर जोर दिया है। एग्रीकल्चर सेक्टर में भी एआई का बूस्ट मिलेगा, जो किसानों को एडवांस खेती के तरीकों के बारे में बताएगा। केंद्रीय वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण के दौरान एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए 'भारत विस्तार' की घोषणा की है। यह एक एआई बेस्ड पब्लिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर है, जिसकी मदद से एग्रीकल्चर सेक्टर, खास तौर पर किसानों को फायदा होगा।

बजट में 500 रिजरवॉयर में मछली पालन को मिलेगा बढ़ावा

बजट में मछली पालन को बढ़ावा देने का ऐलान किया। 500 रिजर्वायर में मछली पालन को बढ़ावा दिया। अमृत सरोवरों में मछली पालन को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा फिशरीज वैल्यू चेन मजबूत करने का लक्ष्य है। मछली पालन में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा मिलेगा। इसमें महिला-नेतृत्व वाले समूहों को भी जोड़ा जाएगा। फिश फार्मर प्रोड्यूस ऑर्गनाइजेशन बजट में गांव में रोजगार बढ़ाने पर फोकस होगा। एनिमल हसबेंड्री में आंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा। क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी के जरिए आसान फंडिंग होगी। पशुपालन के विस्तार और मॉडर्नाइजेशन पर जोर है।

05 लाख रुपए हुई केसीसी के तहत सब्सिडी वाले अल्पकालिक ऋण

बजट में खास

पशुपालकों के लिए क्रेडिट लिंक सब्सिडी योजना शुरू होगी

1.70 लाख करोड़ रु. से अधिक उर्वरक सब्सिडी, किसानों की लागत में राहत

पशुधन, मुर्गीपालन और डेयरी के लिए इंटीग्रेडेड वैल्यू चेन बनाने की योजना

सस्ते खाद के लिए 1,70,944 करोड़ की सब्सिडी का प्रावधान

एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन या हाई सीज में पकड़ी गई मछली पर शुल्क मुक्त किया

मत्स्य पालन के लिए 500 जलाशयों और अमृत सरोवरों का एकीकृत विकास शुरू होगा

कृषि शिक्षा और अनुसंधान विशेषकर आईसीएआर सहित, के लिए 9,967 करोड़ रुपए का प्रावधान

नारियल और चंदन जैसी हाई-वैल्यू फसलों के समर्थन के लिए कोकोनट प्रोत्साहन योजना

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किसानों और एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए भी बड़े ऐलान किए हैं। पशुपालन क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के लिए क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। दुग्ध, पोल्ट्री और पशु व्यवसायों का आधुनिकीकरण किया जाएगा और वैल्यू चेन से किसान संगठनों को बढ़ावा मिलेगा। नारियल और चंदन जैसी हाई-वैल्यू फसलों के समर्थन के लिए कोकोनट प्रोत्साहन योजना की मदद से 1 करोड़ किसानों और 3 करोड़ लोगों की मदद की जाएगी।

कोकोनट से जुड़े तीन करोड़ लोगों को मदद

रेयर अर्थ मटेरियल के लिए चीन पर निर्भरता कम होगी

एआई एग्री टूल, उत्पादकता बढ़ाने में होगा सहायक

डेयरी और मुर्गी पालन पर सरकार का बड़ा फोकस

डेयरी और मुर्गी पालन को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। इन क्षेत्रों से लाखों किसान और छोटे परिवार जुड़े हुए हैं। सरकार चाहती है कि किसान दूध, अंडे और इससे जुड़े उत्पादों के जरिए स्थायी आमदनी कमा सकें।।

अब काजू और कोको को मिलेगी नई पहचान

कृषि बजट 2026 में काजू और कोको को भी खास जगह दी गई है। इसके साथ ही निर्यात को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। काजू और कोको से जुड़े उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने के लिए किसानों और उद्यमियों को सहायता दी जाएगी।

चंदन की खेती को फिर मिलेगा पुराना गौरव

वित्त मंत्री ने कहा कि चंदन सिर्फ एक फसल नहीं बल्कि देश की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है। सरकार राज्यों के साथ मिलकर चंदन की खेती, संरक्षण और वैल्यू चैन विकास पर काम करेगी, ताकि इसकी खोई हुई गरिमा को फिर से बहाल किया जा सके। इस पर निर्भर लोगों की आय बढ़ने की उम्मीद है।

इन फसलों पर फोकस

महंगी फसलों का उत्पादन: सरकार ने इस बजट में हाई वैल्यू फसलों पर खास जोर दिया है। फसलों का उत्पादन बढ़ाने और ज्यादा कमाई के लिए सरकार हाई वैल्यू उत्पादन जैसे काजू, अखरोट,नारियल, चंदन इत्यादि को सपोर्ट करेगी। इसके साथ ही सरकार ने काजू को प्रीमियम ब्रांड के रूप में रखा है। इससे एक्सपोर्ट में भी बढ़ोतरी होगी।

पहाड़ी इलाकों में खेती को बढ़ावा : पहाड़ी इलाकों में होने वाली खेती जैसे अखरोट, बादाम, खुमानी इत्यादि को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही ऐसी स्कीम लागू की जाएगी जिससे भूगोल स्थिति की वजह से होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

चंदन की खेती पर भी दिया गया जोर: केंद्र, राज्य के साथ चंदन की खेती और कटाई के बाद होने वाले प्रोसेस पर फोकस है, ताकि चंदन को को ज्यादा बढ़ावा मिले। चंदन जैसे बढ़ती मांग और महंगी फसल फिर से पहचान बन सके।

पिछले बजट में ये हुए थे नवाचार

वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कृषि क्षेत्र को 137756.55 करोड़ रुपए की बड़ी सौगात दी थी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को पिछले बजट में 63500 करोड़ रुपए आवंटित हुए थे। इस योजना का मकसद जमीन वाले किसानों की फाइनेंशियल जरूरतों को पूरा करना है। इस योजना के तहत, देश भर के किसानों के परिवारों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर मोड से हर साल 6000 रुपए की फाइनेंशियल मदद तीन बराबर चार महीने की किस्तों में ट्रांसफर की जाती है। प्रधानमंत्री किसान मान धन योजना को पिछले बजट में 120 करोड़ रु. का आवंटन हुआ था। इस योजना का मकसद सबसे कमजोर किसान परिवारों को सोशल सिक्योरिटी देना है। यह छोटे और सीमांत किसानों के लिए एक कंट्रीब्यूटरी स्कीम है, जो कुछ शर्तों के तहत, पेंशन फंड में हर महीने पैसे जमा करके इस स्कीम के सदस्य बन सकते हैं।

संशोधित ब्याज सबवेंशन योजना

संशोधित ब्याज सबवेंशन योजनाको पिछले बजट में 22600 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। एमआईएसएस , फसल उगाने वाले किसानों और पशुपालन, डेयरी और मछली पालन जैसी दूसरी संबंधित गतिविधियों के लिए रियायती शॉर्ट टर्म कृषि लोन देती है। यह उन किसानों के लिए उपलब्ध है जो 3 लाख तक का शॉर्ट टर्म फसल लोन लेते हैं, जिस पर एक साल के लिए 7% सालाना ब्याज दर लगती है। लोन का समय पर भुगतान करने वाले किसानों को 3% की अतिरिक्त सब्सिडी भी दी जाती है।

किसानों की प्रगति और विकास का बजट

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय बजट 2026-27 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की मज़बूत नींव रखने वाला ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बजट बताया है। यह बजट विकसित भारत के सपने को साकार करने का महाकाव्य है। यह समाज की समृद्धि और संकल्पों की सिद्धि का बजट है। यह डेवलप्ड इंडिया का डायनामिक बजट है। प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और विज़न से प्रेरित यह बजट वर्ष 2047 के आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध भारत की मजबूत नींव रख रहा है। कृषि विभाग का बजट बढ़ाकर इस वर्ष 1,32,561 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

अनुसंधान और सस्ती खाद पर विशेष ज़ोर

कृषि क्षेत्र पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि उन्होंने बताया कि कृषि शिक्षा और अनुसंधान, विशेषकर आईसीएआर सहित, के लिए 9,967 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे शोध और नवाचार को बल मिलेगा। किसानों के लिए उर्वरक सब्सिडी पर उन्होंने कहा कि सस्ता खाद और उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए 1,70,944 करोड़ रुपए की सब्सिडी का प्रावधान है, ताकि उत्पादन की लागत कम हो और किसान को राहत मिले।

फाइबर-मेडिसिनल प्लांट्स से सीधा लाभ

नेशनल फाइबर स्कीम के अंतर्गत सिल्क, वूल और जूट जैसे फाइबर पर फोकस किया गया है, जिससे इनसे जुड़े किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। आयुष मंत्रालय में मेडिसिनल प्लांट्स के सर्टिफिकेशन और एक्सपोर्ट से संबंधित प्रावधानों का फायदा औषधीय पौधे उगाने वाले किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद करेगा। परंपरागत फसलों के साथ नारियल, कोको, काजू जैसी फसलों के लिए भी प्रावधान किए गए हैं।

लखपति दीदी और 'शी मार्ट': ग्रामीण बहनों को उद्यमी बनाने में होगा कारगर

शिवराज सिंह ने कहा कि लखपति दीदी योजना की सफलता को आगे बढ़ाते हुए बजट में सेल्फ हेल्प एंटरप्रेन्योर शी मार्ट की व्यवस्था की गई है। हर ज़िले में बहनों के उत्पादों को बेचने के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में कम्युनिटी-ओन्ड रिटेल आउटलेट स्थापित होंगे, जहां स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण बहनों द्वारा तैयार उत्पादों को नया बाज़ार मिलेगा। उन्होंने कहा कि पशुपालन, कृषि से जुड़ी गतिविधियों और अन्य कार्यों में लगी बहनें अब केवल आजीविका तक सीमित न रहकर उद्यमी के रूप में आगे बढ़ सकेंगी, यही इस पहल का उद्देश्य है।

शिवराज सिंह ने कहा कि लखपति दीदी योजना की सफलता को आगे बढ़ाते हुए बजट में सेल्फ हेल्प एंटरप्रेन्योर शी मार्ट की व्यवस्था की गई है। हर ज़िले में बहनों के उत्पादों को बेचने के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में कम्युनिटीओन्ड रिटेल आउटलेट स्थापित होंगे, जहां स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण बहनों द्वारा तैयार उत्पादों को नया बाज़ार मिलेगा। उन्होंने कहा कि पशुपालन, कृषि से जुड़ी गतिविधियों और अन्य कार्यों में लगी बहनें अब केवल आजीविका तक सीमित न रहकर उद्यमी के रूप में आगे बढ़ सकेंगी।

पंचायतों को दोगुनी सीधी सहायता

शिवराज ने कहा कि 16वें वित्त आयोग के ताज़ा निर्णय के अनुसार पंचायतों को सीधे 55,900 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जाएगी। पहले पांच वर्षों में पंचायतों को कुल लगभग 2,36,000 करोड़ रुपए सीधे मिले थे, जो अब बढ़कर 4,35,000 करोड़ रुपए हो गए हैं। 'विकसित भारत जी राम जी' की 1,51,000 करोड़ रु. की राशि और वित्त आयोग के तहत मिलने वाले 55,900 करोड़ रु. मिलकर विकसित ग्राम, स्वावलंबी ग्राम, रोजगारयुक्त और गरीबीमुक्त गांव के निर्माण में अभूतपूर्व भूमिका निभाएंगे।

आम बजट पर विशेषज्ञों का नजरिया

किसान हितैषी मंशा पर खरा नहीं उतरा बजट

मोहिनी मोहन मिश्र
अखिल भारतीय महामंत्री
भारतीय किसान संघ

केंद्र सरकार का आम बजट में छोटे किसानों की समस्याएं, कृषि यंत्रों पर जीएसटी अधिक होना, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी कार्ड) की 5 लाख रुपए तक की सीमा बढ़ाने की घोषणा करने के बावजूद उसका क्रियान्वयन न होना, प्राकृतिक खेती का लक्ष्य घोषणा करने के बाद भी प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को डीबीटी के माध्यम से अपना जैविक खाद बनाने को प्रोत्साहन न देना चिंता का विषय है। प्राकृतिक खेती के समर्थन में देशभर में सारी फसलों में रसायन की मात्रा के स्तर की जांच बड़ा मुद्दा है। लेकिन इस बजट में कोई योजना नहीं है। बजट में 500 अमृत सरोवर का एकीकृत विकास और पशुपालन क्षेत्र में उद्यमिता की सहायता करना जैसी योजना एक अच्छा कदम है। इससे अंतर्देशीय मत्स्य पालन मजबूत होगा। ग्रामीण महिला समूहों को सशक्त बनाने शी मार्ट की स्थापना भी अच्छी पहल है। इससे स्थानीय स्वयं सहायता समूह भी मजबूत होंगे। किसान परिवार के हित को ध्यान में रखते हुए सरकार को किसान हितैषी मांगों को शामिल कर बजट में संशोधन करना चाहिए। ताकि देश भर के जरूरतमंद किसानों का जीवन आसान हो सके।

किसान विरोधी बजट है, किसान निराश

धर्मेंद्र सिंह चौहान
अध्यक्ष, मप्र किसान कांग्रेस

कांग्रेस ने बजट को लेकर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने मप्र ही नहीं देशभर के किसानों को हाशिए पर धकेल दिया। बजट में खेती को लेकर कोई राहत नहीं दी, उपकरण को लेकर भी कोई राहत नहीं दी। जीएसटी में कोई कमी नहीं की गई। किसानों टैक्टर सहित अन्य उपकरण खरीदने को लेकर कोई राहत नहीं है। यह निराशाजनक और किसान विरोधी बजट है। किसानों को बजट से भारी निराशा हुई है। फिर एक बार साबित हो गया कि भाजपा सरकार केवल पूंजीपतियों की है, किसानों से की समस्याओं से कुछ नहीं लेना देना है। यूरिया खाद की बोरी पहले जहां 43 किलो की आती थी। अब उसे 40 किलो कर दिया। धर्मेंद्र सिंह चौहान ने मांग की कि किसानों की उपज एमएसपी पर ही खरीदी करने का ऐलान होना चाहिए था।

चिंतन

आम बजट में भविष्य की तस्वीर दिखाई

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया आम बजट 2026 एक ऐसा आर्थिक दस्तावेज़ है, जो भारत को आने वाले वर्षों के लिए तैयार करने की स्पष्ट मंशा दिखाता है। यह बजट विकासोन्मुखी,दीर्घकालिक सोच, रणनीतिक मजबूती और वैश्विक चुनौतियों के प्रति सजगता का परिचायक है, लेकिन साथ ही यह आम आदमी की तात्कालिक अपेक्षाओं पर खरा उतरने में कमजोर भी नजर आता है। कहा जा सकता है कि यह बजट "कल" की तैयारी करता है, पर "आज" की परेशानियों को पूरी तरह संबोधित नहीं करता। वित्त मंत्री ने 85 मिनट के लंबे भाषण में अर्थव्यवस्था, भू-राजनीति, रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर विस्तार से बात की, लेकिन इनकम टैक्स स्लैब में किसी भी तरह का बदलाव न होना यह संकेत देता है कि सरकार फिलहाल वित्तीय अनुशासन और दीर्घकालिक निवेश को प्राथमिकता दे रही है। टैक्स फाइलिंग को आसान बनाने जैसे सुधार स्वागत योग्य हैं, मगर बढ़ती महंगाई के दौर में आम करदाता को इससे सीमित ही राहत मिलेगी। बजट का सबसे मजबूत पक्ष रक्षा क्षेत्र है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पेश हुए पहले बजट में सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। रक्षा बजट को 6.81 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ रुपये करना और आधुनिकीकरण व हथियार खरीद पर पूंजीगत खर्च में करीब 15% की बढ़ोतरी यह दिखाती है कि सरकार सेना को तकनीकी और रणनीतिक रूप से और सक्षम बनाना चाहती है। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से अहम है, हालांकि सामाजिक क्षेत्रों में इसी अनुपात में खर्च न बढ़ना सवाल भी खड़े करता है। अर्थव्यवस्था को बाहरी दबावों से बचाने के प्रयास बजट में साफ झलकते हैं। वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, ट्रंप-युग की टैरिफ मानसिकता और अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में तनाव के बीच निर्यात प्रोत्साहन पर जोर दिया है। कपड़ा, चमड़ा, फिशरीज और दालों के निर्यात को बढ़ावा देने के कदम ग्रामीण और अर्ध-शहरी अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक साबित हो सकते हैं। इससे रोजगार सृजन की संभावनाएं भी बनेंगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में नए अस्पतालों की घोषणा, दवाओं को सस्ता करने की पहल और 17 कैंसर मेडिसिन को ड्यूटी फ्री करना आमजन के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं। आयुर्वेदिक एम्स जैसी घोषणाएं भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक ढांचे से जोड़ने की कोशिश मानी जा सकती हैं। शिक्षा और युवाओं पर केंद्रित योजनाएं बजट का एक और उल्लेखनीय पहलू हैं। 15,000 सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स बनाने की योजना डिजिटल इंडिया और क्रिएटर इकोनॉमी की दिशा में कदम है। साथ ही करीब 800 जिलों में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनाने की घोषणा सामाजिक समावेशन और महिला शिक्षा को बढ़ावा दे सकती है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो बजट चुनावी लोकलुभावन घोषणाओं से दूर नजर आता है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी जैसे राज्यों में होने वाले चुनावों के बावजूद किसी सीधे चुनावी लाभ वाली घोषणा का अभाव बताता है कि सरकार फिलहाल दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता दे रही है। कुल मिलाकर आम बजट 2026 एक विज़न डॉक्यूमेंट है जो भविष्य की तस्वीर दिखाता है। यह बजट लोगों को संतुष्ट कर सकता है जो मजबूत रक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देते हैं।

विश्लेषण

डॉ.जयंतीलाल भंडारी

विकसित भारत के लिए सुधारों का बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 के बजट की तस्वीर में यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि यह बजट आम आदमी के लिए राहत और विकसित भारत के लिए साहसिक सुधारों को आगे बढ़ाने वाला ऐतिहासिक बजट है। इस बजट में वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रस्तुत सुधारों की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए तीन कर्तव्यों पर आधारित किया है। इनमें उत्पादकता और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ना, लोगों की आशंकाओं को पूरा करने के लिए क्षमता निर्माण और सबका साथ, सबके विकास के मद्देनजर ढांचागत सुधार के साथ प्रगति करना शामिल है।

इस बजट में रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय 12.2 लाख करोड़ रुपये सुनिश्चित किए गए हैं। यद्यपि बजट के तहत इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन एक अप्रैल 2026 से नया आयकर अधिनियम लागू किया जाना सुनिश्चित करके आयकर संबंधी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और आयकर भरना आसान किया गया है। बजट के नए प्रावधानों से बुनियादी ढांचा, छोटे शहर, एमएसएमई, शिक्षा, पर्यटन और सर्विस सेक्टर जैसे क्षेत्रों में नई पीढ़ी के लिए रोजगार के व्यापक मौके बढ़ेंगे। खास बात यह भी है कि आगामी वर्ष के बजट के तहत वित्त मंत्री राहत और विकास के बीच सूझबूझ पूर्ण संतुलन बनाते हुए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 फीसदी के स्तर पर सीमित रखने और सात फीसदी से अधिक विकास दर पाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ते हुए दिखाई दी हैं। गौरतलब है कि नए बजट के तहत वित्त मंत्री ने वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, भू राजनीतिक तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में धीमेपन के बीच अगली पीढ़ी के सुधार, नीतिगत स्थिरता व दीर्घकालीन विकास की रणनीति के साथ घरेलू मांग की मजबूती पर्यावरण नवाचार, उद्यमिता बुनियादी ढांचा, कृषि विकास, गरीब, युवा, महिला और किसान वर्ग के लिए राहत के प्रभावी प्रावधानों के साथ मैन्युफैक्चरिंग, सेवा क्षेत्र रक्षा, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग (एमएसएमई) स्वदेशी प्रोत्साहन और हरित ऊर्जा पर बड़े ऐलान किए हैं। इनके साथ-साथ भारत को वैश्विक बायो फॉर्मा केंद्र बनाने, शहरी आर्थिक क्षेत्रों के निर्माण, नए राष्ट्रीय जल मार्ग, सात हाई स्पीड कोरिडोर, व्यापार सुगमता, कंटेनर निर्माण, बुजुर्गों के लिए मजबूत इकोसिस्टम, टीयर-2 और टीयर-3 शहरों के विकास के लिए प्रभावी प्रावधान किए गए हैं। हालांकि, वित्त मंत्री के समक्ष बजट तैयार करते समय चुनौतियां भी रही हैं। इन चुनौतियों में रुपये में लगातार गिरावट, अमेरिका का ऊंचा टैरिफ, मैन्युफैक्चरिंग व कृषि की धीमी रफ्तार शामिल हैं। निसंदेह वित्त मंत्री बजट के तहत गरीब, युवा, महिलाएं, किसानों के कल्याण के नए उपायों के साथ विकास योजनाओं पर भी अपने आवंटन को बढ़ाते हुए दिखाई दी हैं। बजट में रोजगार, कृषि उत्पादकता बढ़ाने, ग्रामीण विकास, सिंचाई तथा वेयरहाउसिंग संबंधी प्रोत्साहन, रियल एस्टेट सेक्टर और आवास सेक्टर को प्रोत्साहन, डिजिटल क्रांति को आगे बढ़ाने तथा स्वच्छ ऊर्जा के लिए अधिक आवंटन करते हुए दिखाई दी हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि इस बजट में सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में निवेश, रेलवे, शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार और

क्षमता संवर्धन के साथ दीर्घावधि वृद्धि, वैश्विक क्षमता निर्माण और एकीकरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में मिशन मोड के सुधार उभरकर दिखाई दे रहे हैं। साथ ही बजट के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, उद्योग जगत की लाजिस्टिक्स लागत घटाने, रोजगार सृजित करने वाले मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर पर फोकस करने संबंधी रणनीतियां भी दिखाई दी हैं। युवाओं के रोजगार बढ़ाने, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, डिजिटल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को रोजगार बाजार की उभरती जरूरतों के अनुरूप ढालने, प्रधानमंत्री कौशल मुद्रा योजना, ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ाने के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण, निजी निवेश को प्रोत्साहित करने, वित्तीय समावेशन को बेहतर करने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने संबंधी प्रभावी प्रावधानों के साथ आगे बढ़ी हैं। सीतारमण बजट में खाद्य महंगाई पर काबू पाने के लिए भी आपूर्ति संबंधी नए कदमों के साथ आगे बढ़ी हैं। बजट में वित्त मंत्री ने रोजगारोन्मुखी निर्यात क्षेत्रों से निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य रखकर नए रोजगार अवसरों को निर्मित करने की रणनीति भी अपनाई है। विकसित भारत के लक्ष्य के मद्देनजर डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए प्रोत्साहन के प्रावधान भी बजट में दिखाई दे रहे हैं। नए बजट में हर क्षेत्र में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) को अहमियत हेतु प्रावधान किए गए हैं, ताकि भारत एआई का वैश्विक हब बन सके। सुरक्षा क्षमता बढ़ाने के लिए भी बजट में अधिक धन का आवंटन किया गया है। वित्त मंत्री ने इस बजट में भारत को दुनिया के बाजार में और अधिक प्रभावी रूप से जुड़ने और भारत को निर्यात का नया हब बनाने के लिए नई रणनीति प्रस्तुत की है।

भारत को यूरोपीय संघ समेत विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के बाद दुनिया के बाजार में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बूस्ट करने के प्रोत्साहनमूलक प्रावधानों के साथ आगे बढ़ी हैं। अमेरिका के द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ से प्रभावित निर्यात क्षेत्रों को भी राहत देने के मद्देनजर वित्त मंत्री नए निर्यात प्रोत्साहनों की डगर पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दी हैं।निश्चित रूप से वित्त मंत्री ने इस बजट में सीमा शुल्क के लिए जहाँ राहत दी है, वहीं सीमा शुल्क में सुधार भी किए है। यह बजट इसलिए भी खास रहा है, क्योंकि यह बजट पुराने टैक्स युग से नए टैक्स युग की दहलीज पर खड़ा बजट है। सरकार ने 1 अप्रैल 2026 से करीब 60 साल पुराने टैक्स कानून की जगह नया इनकम टैक्स कानून लागू किया है। इससे देश के करोड़ों आयकरदाता लाभांवित होंगे। साथ ही नई श्रम संहिताएं भी आगामी वित्तीय वर्ष में लागू होने से श्रम उत्पादकता बढ़ेगी और औद्योगिक विकास का नया अध्याय दिखाई देगा। निश्चित रूप से वित्त मंत्री सीतारमण के द्वारा एक फरवरी को प्रस्तुत आगामी वित्त वर्ष 2026-27 का प्रस्तुत बजट कोई साधारण वार्षिक बजट नहीं है, बल्कि यह बजट देश के आर्थिक परिदृश्य को ऐतिहासिक मोड़ देने वाला बजट है। इस बजट से जहां देश में साहसिक सुधारों का नया युग शुरू हो सकेगा, वहीं आम आदमी के लिए अधिक राहत और देश के लिए तेज विकास का नया परिदृश्य निर्मित होगा।

उम्मीद करें कि एक ओर वित्त मंत्री वर्ष 2026-27 के बजट के बजट के लक्ष्य के तहत राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.3 फीसदी तक रखने में कामयाब होगी। उम्मीद करें कि इस अभूतपूर्व बजट से देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ेगी और यह बजट देश को वर्ष 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने वाला और 2047 तक विकसित भारत बनाने की नींव रखने वाला बजट सिद्ध होगा।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 के बजट की तस्वीर में यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि यह आम आदमी के लिए राहत और विकसित भारत के लिए साहसिक सुधारों को आगे बढ़ाने वाला ऐतिहासिक बजट है। यद्यपि इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन एक अप्रैल से नया आयकर अधिनियम लागू किया जाना सुनिश्चित करके आयकर संबंधी प्रक्रिया को सरल बनाया है और आयकर भरना आसान किया गया है। इस बजट से देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ेगी और यह बजट देश को वर्ष 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने वाला और 2047 तक विकसित भारत बनाने की नींव रखने वाला बजट सिद्ध होगा।

आम बजट

प्रमोद भार्गव

आत्मनिर्भरता के लिए उद्योग केंद्रित बजट

नए आम बजट से उम्मीद की जा रही थी कि यह आयकर की सारिणी में छूट और पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर लोकलुभावन बजट होगा, लेकिन यह बजट इसके विपरीत आत्मनिर्भरता के लिए उद्योग केंद्रित बजट है। इसके स्थाई और रोजगार देने वाले परिणाम आने में थोड़ा समय लगेगा। इस बजट की उम्मीदों में तमाम आर्थिक उथल-पुथल और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद अगले वित्त वर्ष में भारत के तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने की बुनियाद रख दी है। इस समय भारत उद्योग,प्रौद्योगिकी और दवाओं के कच्चे माल के लिए चीन पर निर्भर है, किंतु यह बजट कालांतर में चीन को चुनौती बनने वाला है। इस बजट में दुर्लभ खनिजों के उत्खनन को बढ़ावा देने के द्वार खोले जा रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ खनिज के साथ कृषि भी है। अतएव ईयू से जो संधि हुई है, उसके तहत भारत को स्टील, एल्युमिनियम, सीमेंट, पेपर, ग्लास, तेल रिफाइनरी और खाद के निर्यात का लाभ मिलेगा। इस दृष्टि से भारत भूमि को कुदरत ने अटूट प्राकृतिक संपदा दी हुई है। इस संपदा का उत्खनन और उसका उपयोग देश के लोगों के लिए हो, इस नजरिए से दुर्लभ खनिजों के उत्खनन के लिए बजट में ओडिशा, केरल और आंध्रप्रदेश के बीच गलियारा बनाए जाने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय जलमार्ग भी बनाए जाएंगे। साथ ही वस्त्र, खेलकूद सामग्री,जैविक दवाओं,कंटेनर, इलेक्ट्रॉनिक्स के उत्पादन को बढ़ावा दिया गया है। रसायन पार्क विकसित होंगे। सेमीकंडक्टर मिशन दो की शुरुआत की जाएगी। चूंकि सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने के उपाय निरंतर कर रही है, इस हेतु सेमीकंडक्टर की उपलब्धता जरूरी है।

इस दृष्टि से यह उत्पादन और निर्माण के ढांचागत विकास को स्थापित करने का महाबजट है। दुर्लभ खनिजों के उत्खनन की सुविधा हेतु संसद के मॉनसून सत्र में माइंस और मिनरल्स संशोधन विधेयक पहले ही पारित हो चुका है। इस नए कानून से व्यवसायियों को लीज पर खनन करने के लिए बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के लीथियम, कोबाल्ट, निकल, हीरा जैसे दुर्लभ खनिजों के उत्खनन की सुविधा भी मिल गई है। भारत इन खनिजों के लिए अब तक चीन पर निर्भर था, लेकिन चीन ने इनके निर्यात पर रोक लगा दी थी। यही वे खनिज हैं, जो क्वांटम कंप्यूटर, इलेक्ट्रिक कारों की बैटरी और अंतरिक्ष उपकरणों में काम आते हैं। हालांकि ट्रंप द्वारा लगाए गए अनर्गल टैरिफ के बाद चीन ने भारत को उपरोक्त खनिज देने का वादा किया हुआ है। ईयू से समझौते के बाद दुर्लभ खनिजों के आयात-निर्यात का दायरा विस्तृत हो गया है। इसीलिए भारत अब अपनी शर्तों पर विकसित देशों के साथ व्यापार भी करेगा। अब माइंस और मिनरल्स संशोधन विधेयक पारित हो जाने से उद्योगपति निवेश के लिए आगे आएंगे। मध्यप्रदेश की धरती हीरा और सोना तो उगलती ही है, तांबे और चूने का यहां सबसे ज्यादा उत्पादन होता है। कटनी में चूने के भंडार हैं। शडहोल और उमरिया में कोयला एवं बॉक्साइड, छिंदवाड़ा में कोयला, बैतूल में ग्रेफाइड और सतना में सिमेंट के भंडार भरे पड़े हैं। मध्यप्रदेश में ईंधन खनन के लिए 12 क्षेत्र चिन्हित किए हैं। कोयला आधारित 37 प्रतिशत मीथेन का उत्पादन प्रदेश में हो रहा है। जबलपुर में सोने के नए भंडार मिले हैं। ग्रेफाइट सहित 30 दुर्लभ खनिज तत्वों की खोज की गई है। इनके उत्खनन व प्रसंस्करण के बाद लीथियम और लौह अयस्क के लिए सीधी में एक क्षेत्र चिन्हित कर दिया गया है। इसके अलावा बजट में जैविक औषधीय दवाओं के उत्पादन के लिए 40 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान है। बायोफार्मा के क्षेत्र में भारत को वैश्विक हब बनाया जाएगा। सरकार आयुर्वेद दवाओं के निर्माण को बढ़ावा देगी। इन दवाओं का निर्माण इसलिए जरूरी है, क्योंकि ये रोग को जड़ से दूर करती हैं। सात द्रुत गति के रेल गलियारे बनेंगे। पटना और वाराणसी में जहाजों की मरम्मत के कारखाने खुलेंगे। छोटे नगरों में तीर्थस्थल विकसित होंगे। इस उपाय से छोटे नगरों में धार्मिक पर्यटन बढ़ेगा। इससे स्थानीय लोगों को धर्म संबंधी रोजगार मिलेंगे। एक जिला,एक उत्पाद योजना को बढ़ावा दिया गया है। साफ है यह बजट अन्य आम बजटों से एकदम अलग है। इसमें मतदाता को लुभाने और आयकरदाताओं को संतुष्ट करने का कोई प्रावधान नहीं है। यह युवाओं की आत्मनिर्भरता और रोजगार के लिए उद्योग केंद्रित बजट है, जिसके स्थाई और फलदायी परिणाम धीमी गति से आएंगे। जो देश की अर्थव्यवस्था को न केवल मजबूती देंगे, बल्कि देश को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने का काम करेंगे।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

योग के सभी सूत्र सुदृढ़ जीवन की आधारशिला

संकलित

दर्शन

योग प्राचीन काल से भारतीय आध्यात्मिक संचेतना का केंद्र रहा है। इसके आदिम सूत्रधार परमयोगी भगवान शिव हैं। योग शब्द का प्रयोग विभिन्न अर्थों में होता रहा है। समाधि अर्थ में इसका प्रयोग आत्मा और परमात्मा के मिलन के लिए किया जाता है, जब साधक अपनी साधना की चरमावस्था में परमात्मा से एकाकार होकर उसका साक्षात्कार कर लेता है। अग्निपुराण में भी मन एवं आत्मा तथा आत्मा और परमात्मा के संयोग को योग कहा गया। सांख्यदर्शन के अनुसार प्रकृति और पुरुष का भेद होने पर भी पुरुष का आत्मस्वरूप में स्थित हो जाना योग कहलाता है। कठोपनिषद् के अनुसार, जब इंद्रियां मन के साथ और मन अविचल बुद्धि के साथ स्थिर हो जाता है तो यह अवस्था योग की होती है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने 'योगः कर्मसु कौशलम्' कहकर योग का जो स्वरूप अजरुन के समक्ष प्रस्तुत किया है वह सामान्य जन के सर्वाधिक निकट है। कोई भी मनुष्य एकाग्रचित्त होकर निष्काम भाव से कर्म करते हुए योग को सिद्ध कर सकता है। योगसूत्र के प्रणोता महर्षि पतंजलि संयमन अर्थ में चित्तवृत्तियों के निरोध को योग कहते हैं। उनके अनुसार यम, नियम, आसन, ध्यान, धारणा आदि आठ अंगों से संपन्न प्राणायाम की विविध क्रियाएं योग कहलाती हैं। इससे चित्त की एकाग्रता बढ़ती है। बुद्धि में स्थिरता आती है। चिंतन उत्कृष्ट होता है। मन में सद्विचारों का उदय होता है। नकारात्मक प्रवृत्तियां स्वतः समाप्त हो जाती हैं। परिणामतः आत्मिक और शारीरिक शक्तियों में वृद्धि होती है।

मन का भोजन हमारे विचार

संकलित

प्रेरणा

एक दिन गौतम बुद्ध अपने शिष्यों और अन्य लोगों को उपदेश दे रहे थे। सत्संग में काफी लोग बैठे हुए थे। भीड़ में से एक व्यक्ति उठा और उसने बुद्ध से पूछा कि तथागत मैं जब ध्यान करने बैठता हूं तो मेरा मन ध्यान में नहीं लग पाता है। कृपया बताइए, मैं ध्यान कैसे कर सकता हूं? बुद्ध के साथ ही सत्संग में बैठे हुए लोगों ने भी ये प्रश्न सुना, लेकिन बुद्ध ने उस व्यक्ति से कहा कि कृपया फिर से अपनी बात कहें। उस व्यक्ति ने फिर से कहा कि मेरा मन ध्यान में नहीं लगता है, मैं ध्यान कैसे कर सकता हूं? बुद्ध ने कहा कि एक बार और अपनी बात कहें। उस व्यक्ति ने एक बार और अपनी बात कह दी। बुद्ध ने कहा कि हमारे विचार मन के लिए भोजन हैं। जब तक मन को विचारों का भोजन मिलता रहेगा, हम ध्यान नहीं कर सकते हैं। जब हम ध्यान करने बैठे, तब मन को विचारों का भोजन नहीं देना चाहिए, यानी सोच-विचार करना बंद कर देना चाहिए। तब ही हम ध्यान कर पाएंगे। जब मन विचारों से खाली हो जाएगा, तब ही हम ध्यान कर पाएंगे। बुद्ध ने उस व्यक्ति से ध्यान के बारे में प्रश्न तीन बार पूछा था और बुद्ध ने भी तीन बार इस प्रश्न का उत्तर दिया। बुद्ध ने तीन बार उत्तर दिया तो लोगों ने पूछा कि आपने इस व्यक्ति से तीन बार प्रश्न पूछा और उत्तर भी तीन बार ही दिया, ऐसा क्यों? बुद्ध ने लोगों को समझाया कि मैं इन सज्जन से तीन बार प्रश्न पूछा, क्योंकि मैं प्रश्न के लिए इनकी गंभीरता को परखना चाहता था। जब मुझे लगा कि ये अपने प्रश्न के लिए गंभीर हैं, तब मैंने उत्तर भी तीन बार दिया, ताकि मेरी बात इन्हें अच्छी तरह समझ आ जाए।

सटाका

आज की पाती

उपकरणों का सावधानी से प्रयोग करना जरूरी

विज्ञान ने हमें हर मौसम से बचने के लिए बहुत सी चीजें दी हैं। लेकिन अगर हम इनका सावधानी से प्रयोग न करें तो यह हमारे लिए कभी भी हानिकारक बन सकती हैं और अक्सर खबरें भी पढने और सुनने को मिलती हैं कि इन चीजों के प्रयोग करते कई बार हादसा हो गया। सर्दियों में गैस गीजर, कोयले की अंगीठी और अन्य गर्मी प्रदान करने वाले उपकरण लोगों की जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। सर्दियों के मौसम में नहाने के लिए लोग गैस से चलने वाले गीजर का भी प्रयोग कर रहे हैं। लेकिन इसके प्रयोग में जरा सी भी असावधानी किसी दुर्घटना को अंजाम दे सकती है। गैस गीजर को बाथरूम में लगाने के साथ-साथ एक खिडकी जरूर रखें। लोगों को चाहिए कि जहां गैस गीजर लगा हो वहां हवा बाहर निकलने के लिए जगह होनी चाहिए। - *संजय शर्मा, दुर्ग*

ट्रेंड

बालिका छात्रावास बड़ा निर्णय

बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक घोषणा ! केंद्र सरकार ने देश के हर जिले में बालिका छात्रावास के निर्माण का बड़ा निर्णय लिया है। यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक समानता, सुरक्षा और सशक्तिकरण को मजबूत करने वाला एक मील का पत्थर है।

-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

अमल भी जरूरी

बजट में विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं, वादों और आश्वासनों के सम्बन्ध में भविष्य में इनके परिणामों को लेकर यही लगता है कि इनके नाम तो बड़े-बड़े हैं, किन्तु जमीनी स्तर पर इनके दर्शन छोटे ना हो तो बेहतर होगा। केवल बाते न हों, इन पर सही नीयत से अमल भी जरूरी है।

- मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

निराशाजनक रहा बजट

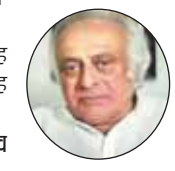

बजट संबंधी दस्तावेजों का विस्तृत अध्ययन करना अभी बाकी है, फिर भी बजट को लेकर जो उम्मीदें की गई थीं, उन पर यह पूरी तरह खरा नहीं उतरता। यह पूरी तरह फीका और निराशाजनक रहा।

- जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव

विकासोन्मुखी बजट

विकासोन्मुखी बजट, जिसमें सार्वजनिक पूंजीगत व्यय बढ़ाने और विनिर्माण को बढ़ावा देने पर स्पष्ट रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है। यह बजट युवाओं को आजीविका सुधारने, महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने वाला होगा।

- अनिल अग्रवाल, उद्यमी

करंट अफेयर

इजराइल की रफाह सीमा क्रॉसिंग खोलने की घोषणा

इजराइल ने फलस्तीनियों के सीमित आवागमन के मद्देनजर गाजा की मिस्र के साथ रफाह सीमा क्रॉसिंग को प्रायोगिक तौर पर खोलने की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद रफाह सीमा क्रॉसिंग पर रविवार को चहल-पहल देखी गयी। रफाह सीमा क्रॉसिंग को दोबारा खोलना इजराइल-हमास संघर्षविराम के आगे बढ़ने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। इजराइल ने रविवार को घोषणा की कि रफाह क्रॉसिंग को प्रायोगिक तौर पर खोल दिया गया है। गाजा को मानवीय सहायता के प्रवाह को नियंत्रित करने वाली इज़राइली सैन्य एजेंसी सीओजीएटी ने एक बयान में कहा कि क्रॉसिंग को पूर्ण संचालन के लिए सक्रिय रूप से तैयार किया जा रहा है और तैयारियां पूरी होने के बाद गाजा के निवासी यहां से आवागमन शुरू कर सकेंगे। मिस्र के एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि फलस्तीनी सुरक्षा अधिकारी मिस्र वाले द्वार से होकर क्रॉसिंग में दाखिल हुए और फलस्तीनी द्वार की ओर बढ़े, जहां वे एक यूरोपीय संघ मिशन के साथ जुड़ेंगे, जो प्रवेश और निकास की निगरानी करेगा। अधिकारी ने यह भी बताया कि एंबुलेंस भी मिस्र वाले द्वार से होकर गुजरीं।

ऑफ बीट

रात में पसीना आने के कई कारण हो सकते हैं

पसीना आना शरीर की शीतलन प्रणाली का एक सामान्य हिस्सा है, जो गर्मी छोड़ने और शरीर के इष्टतम तापमान को बनाए रखने में मदद करता है।

लेकिन नियमित रूप से रात में जागना, अत्यधिक पसीने से भीगना सही नहीं है। मस्तिष्क में स्थित हाइपोथैलेमस, अंत:स्रावी तंत्र का हिस्सा है और शरीर के लिए तापमान नियंत्रण केंद्र है। इसमें तापमान सेंसर होते हैं जो केंद्रीय रूप से (अंगों में) और परिधीय रूप से त्वचा में स्थित तंत्रिका कोशिकाओं (थर्मोरिसेप्टर्स) से जानकारी प्राप्त करते हैं। थर्मोरिसेप्टर्स शरीर के तापमान में बदलाव का पता लगाते हैं, हाइपोथैलेमस को वापस संकेत भेजते हैं। ये संकेत या तो शरीर को ठंडा करने के लिए पसीने को सक्रिय करेंगे या शरीर को गर्म करने के लिए कंपकंपी को सक्रिय करेंगे। उम्र या लिंग कोई भी हो, किसी को भी रात में पसीना आने का अनुभव हो सकता है। लेकिन पुरुषों की तुलना में महिलाओं को रात में पसीना अधिक आता है, इसका मुख्य कारण रजोनिवृत्ति और संबंधित बदलते हार्मोन स्तर हैं। ऐसा माना जाता है कि एस्ट्रोजन के स्तर में बदलाव से नॉरपेनेफ्रिन और सेरोटोनिन के स्तर पर प्रभाव पड़ता है, ये दो न्यूरोट्रांसमीटर हैं, जो हाइपोथैलेमस में तापमान विनियमन को प्रभावित करते हैं।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

कृषि बजट 1.32 लाख करोड़ रुपए का होना स्वागत योग्य, किसानों की होगी प्रगति : चौहान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय बजट 2026-27 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की मज़बूत नींव रखने वाला ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बजट बताया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि यह बजट विशेष रूप से गांव, गरीब, किसान, युवा और महिला– इन सभी वर्गों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चल रही योजनाओं से गरीबी लगातार कम हो रही है और यह बजट गरीब को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ग्रामीण बहनों को उद्यमी बनाने बजट

लखपति दीदी और 'शीमार्ट': ग्रामीण बहनों को उद्यमी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना की सफलता को आगे बढ़ाते हुए बजट में सेल्फ हेल्प एंटरप्रेन्योर 'शीमार्ट' की व्यवस्था की गई है। हर ज़िले में बहनों के उत्पादों को बेचने के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में कम्युनिटीओन्ड रिटेल आउटलेट स्थापित होंगे, जहाँ स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण बहनों द्वारा तैयार उत्पादों को नया बाज़ार मिलेगा। उन्होंने कहा कि पशुपालन, कृषि से जुड़ी गतिविधियों और अन्य कार्यों में लगी बहनें अब केवल आजीविका तक सीमित न रहकर उद्यमी के रूप में आगे बढ़ सकेंगी, यही इस पहल का उद्देश्य है।

1.70 लाख करोड़ रु. से अधिक उर्वरक सब्सिडी, ग्रामीण विकास विभाग के बजट में 21% की उल्लेखनीय वृद्धि

नेशनल फाइबर स्कीम और मेडिसिनल प्लांट्स से किसानों को सीधा लाभ

चौहान ने कहा कि नेशनल फाइबर स्कीम के अंतर्गत सिल्क, वूल और जूट जैसे फाइबर पर फोकस किया गया है, जिससे इनसे जुड़े किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।उन्होंने यह भी कहा कि आयुष मंत्रालय में मेडिसिनल प्लांट्स के सर्टिफिकेशन और एक्सपोर्ट से संबंधित प्रावधानों का फायदा औषधीय पौधे उगाने वाले किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद करेगा।

जी राम जी योजना के लिए 1.51 लाख करोड़

कृषि मंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास के कुल बजट में अकेले 'विकसित भारत जी राम जी' योजना के लिए राज्यों के अंशदान सहित लगभग 1.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। मनरेगा के बारे में उन्होंने बताया कि पिछली बार ओवरऑल मनरेगा बजट लगभग 86,000 करोड़ रुपये था, जबकि इस बार अकेले केंद्र का हिस्सा 95,692 करोड़ रुपये से ज़्यादा रखा गया है। राज्यों के हिस्से को जोड़ने पर यह राशि 1,51,000 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी, जो अपने आप में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है।

कृषि बजट में उल्लेखनीय वृद्धि, अनुसंधान और सस्ती खाद पर विशेष जोर

कृषि क्षेत्र पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि विभाग का बजट बढ़ाकर इस वर्ष 1,32,561 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कृषि शिक्षा और अनुसंधान, विशेषकर आईसीएआर सहित, के लिए 9,967 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे शोध और नवाचार को बल मिलेगा। किसानों के लिए उर्वरक सब्सिडी पर उन्होंने कहा कि सस्ता खाद और उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए 1,70,944 करोड़ रुपये की सब्सिडी का प्रावधान है, ताकि उत्पादन की लागत कम हो और किसान को राहत मिले।

खबर संक्षेप

मीशो का घाटा बढ़कर 491 करोड़ रुपए पर पहुंचा

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध घाटा बढ़कर 490.6 करोड़ रुपये हो गया। त्योहारी मौसम में खर्चे बढ़ जाने से घाटे में यह बढ़ोतरी हुई है। समान तिमाही में कंपनी को 37.43 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी ने बताया अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही के वित्तीय नतीजों की जानकारी दी।

ब्लू डार्ट एक्सप्रेस का मुनाफा 11 प्रतिशत घटा

मुंबई। ब्लू डार्ट एक्सप्रेस का दिसंबर, 2025 को समाप्त तिमाही में शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 11.39 प्रतिशत घटकर 70 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने पिछले साल इसी तिमाही में 79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। हालांकि, ब्लू डार्ट एक्सप्रेस ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसका राजस्व 6.9 प्रतिशत बढ़कर 1,616 करोड़ रुपये हो गया।

अंबुजा सीमेंट का मुनाफा 86 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। अदाणी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की दिसंबर तिमाही का शुद्ध लाभ 86.21 प्रतिशत घटकर 366.97 करोड़ रहा है। इसका कारण पिछले साल की इसी तिमाही में कर लाभ के कारण ऊंचा आधार होना था। अंबुजा सीमेंट लिमिटेड ने पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 2,662.97 करोड़ का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था।

एसआईएस लि. को 138.37 करोड़ रुपए का घाटा

नई दिल्ली। सुरक्षा सेवाएं देने वाली कंपनी एसआईएस लि. को चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 138.37 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। मुख्य रूप से नई श्रम संहिता के कारण असाधारण खर्च के कारण कंपनी को नुकसान हुआ है। एक साल पहले 2024-25 की इसी तिमाही में कंपनी को 102.11 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

रिलायंस पावर का लाभ 40% घटकर 25 करोड़

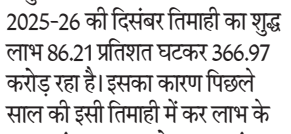

नई दिल्ली। रिलायंस पावर का वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 40 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 25.11 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने अपने वित्तीय परिणामों की जानकारी दी। रिलायंस पावर ने वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 41.95 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। समीक्षाधीन तिमाही मे दौरान कंपनी की कुल आय घटकर 1,949.78 करोड़ रुपये रह गई जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,159.44 करोड़ रुपये थी।

निफ्टी 495 अंक टूटकर बंद हुआ

वायदा सौदों पर एसटीटी बढ़ाने से शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 1,547 अंक लुढ़का

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम बजट में सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) से जुड़े प्रावधानों ने शेयर बाज़ार की धारणा को गहरी चोट पहुंचाई है। बजट के तुरंत बाद आई भारी बिकवाली के चलते शेयर बाज़ार से करीब 9.40 लाख करोड़ रुपए का निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ा। विश्लेषकों का मानना है कि एसटीटी से जुड़ी सख्ती और स्पष्ट राहत के अभाव ने निवेशकों, खासकर शॉर्ट-टर्म और हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडर्स को निराश किया।

बजट में सरकार ने राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से एसटीटी के दायरे और प्रभाव को लेकर जो संकेत दिए, उससे बाज़ार में लागत बढ़ने की आशंका गहराई। फ्यूचर के लिए एसटीटी को 0.025 फीसदी से बढ़ाकर 0.05 फीसदी कर दिया. वहीं ऑप्शन ट्रेडिंग के लिए एसटीटी 0.1 फीसदी से बढ़ाकर 0.15 कर दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, एसटीटी में किसी भी तरह की वृद्धि या उसमें राहत न देना सीधे तौर पर ट्रेडिंग वॉल्यूम, खासकर डेरिवेटिव्स और इंट्रा-डे कारोबार को प्रभावित करता है। यही वजह रही कि बजट के बाद पहले ही सत्र में आक्रामक बिकवाली देखने को मिली।

एसटीटी बना गिरावट की बड़ी वजह

निवेशकों के 9.40 लाख करोड़ रुपये डूबे

एसबीआई में रही बड़ी गिरावट

बीएसई के शीर्ष 30 शेयरों में से टीसीएस, इंफोसिस, टाइटन और सनफार्मा के शेयरों को छोड़कर बाकी सभी 24 शेयरों में गिरावट आई है। सबसे ज्यादा एसबीआई के शेयर 6 फीसदी, अदाणी पोर्ट के शेयर 5.5 फीसदी और भेल के शेयर 5.36 फीसदी गिरे हैं। आईटीसी के शेयरों में भी 3 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है। सिर्फ आईटी सेक्टर में तेजी है, बाकी सेक्टर रेड जोन में बंद हुए हैं। सबसे ज्यादा गिरावट पीएसयू बैंक, मेटल और ऑटो सेक्टर में बड़ी गिरावट आई है।

आगे क्या?

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सरकार एसटीटी पर स्पष्टीकरण या भविष्य में पुनर्विचार का संकेत देती है, तो बाजार की धारणा में सुधार आ सकता है। फिलहाल निवेशकों को सतर्क रहने और गुणवत्ता वाले शेयरों पर दीर्घकालिक नजर रखने की सलाह दी जा रही है।

सरकार का पक्ष और दीर्घकालिक तर्क

सरकार का कहना है कि बजट में राजकोषीय संतुलन बनाए रखना जरूरी है और एसटीटी जैसे कर बाजार से स्थिर राजस्व का स्रोत हैं। साथ ही सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर और कैपेक्स पर खर्च बढ़ाने का संकेत दिया है, जिससे दीर्घकाल में आर्थिक गतिविधियों और कॉरपोरेट मुनाफे को सहारा मिल सकता है।

ब्रोकरेज और एक्सचेंज शेयरों पर दबाव

एसटीटी से जुड़ी चिंताओं का असर ब्रोकरेज, एक्सचेंज और कैपिटल मार्केट से जुड़े शेयरों पर भी साफ दिखा। कारोबार घटने की आशंका से इन कंपनियों के शेयरों में औसत से कहीं ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

उतार-चढ़ाव बना रहेगा

बहरहाल, बजट में एसटीटी को लेकर उठे सवालों ने यह साफ कर दिया है कि शेयर बाजार केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि लेन-देन की लागत से भी गहराई से प्रभावित होता है। जब तक इस मोर्चे पर भरोसा बहाल नहीं होता, बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। सोमवार को बाजार के हालत पर इसकी संभावनाओं पर रविवार देर शाम तक विशेषज्ञों ने चुप्पी बनाए रखना ही ठीक समझा।

छोटे निवेशक और ट्रेडर सबसे ज्यादा प्रभावित

एसटीटी का बोझ सीधे हर सौदे पर पड़ता है, चाहे निवेशक को मुनाफा हो या नुकसान। इस कारण छोटे निवेशक, डे-ट्रेडर और रिटेल ट्रेडर्स सबसे ज्यादा दबाव में आए। बाजार जानकारों का कहना है कि इससे इक्विटी बाजार की आकर्षण क्षमता घटती है और पूंजी का रुख दूसरे एसेट क्लास की ओर मुड़ सकता है।

सेबी ने एनएसई के आईपीओ लाने का रास्ता किया साफ

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने देश के सबसे बड़े शेयर बाजार एनएसई के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का रास्ता साफ करते हुए अपना अनापत्ति प्रमाणपत्र दे दिया है। एक्सचेंज के शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मिली मंजूरी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की एक दशक से लंबित योजना के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। एनएसई ने लगभग 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए वर्ष 2016 में पहली बार मसौदा प्रस्ताव दाखिल किया था।

लेकिन संचालन से जुड़ी खामियों और को-लोकेशन विवाद से जुड़ी नियामक चिंताओं के चलते सेबी ने मंजूरी रोक दी थी। इसके बाद से एनएसई ने आईपीओ पर नियामकीय मंजूरी हासिल करने के लिए कई बार सेबी का दरवाजा खटखटाया था। एनएसई के चेयरपर्सन श्रीनिवास इन्जेटी ने कहा कि सेबी की अनापत्ति मिलना एक्सचेंज की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

- अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी
- देश के सबसे बड़े शेयर बाजार को होगा आईपीओ

उन्होंने कहा, 'सेबी की मंजूरी के साथ हम अपने सभी हितधारकों के लिए मूल्य सृजन के नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं। यह मंजूरी भारतीय अर्थव्यवस्था और पूंजी बाजारों में एनएसई की अहम भूमिका में विश्वास को भी मजबूत करती है।' सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने जनवरी की शुरुआत में कहा था कि अनुचित बाजार पहुंच मामले में निपटान की एनएसई की अर्जी को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई है।

एनएसई के 1.77 लाख शेयरधारक

प्रस्तावित आईपीओ भारतीय पूंजी बाजार के सबसे बड़े निर्गम में से एक हो सकता है। एनएसई के लगभग 1.77 लाख शेयरधारक हैं और इसका मूल्यांकन पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। एनएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी आशीष कुमार चौहान ने पहले कहा था कि एनओसी मिलने के बाद मसौदा प्रस्ताव दाखिल करने की तैयारियां शुरू की जाएंगी।

बीओआई का शुद्ध मुनाफा 4.39 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) का दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध मुनाफा 4.39 प्रतिशत बढ़कर 5,443 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि, कम प्रावधान के कारण हुई। एकल आधार पर, बैंक शुद्ध मुनाफा बढ़कर 5,055 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 4,837 करोड़ रुपये था। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी, देबदत्त चंद ने बताया कि बैंक वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 11-13 प्रतिशत ऋण वृद्धि मार्गदर्शन के ऊपरी स्तर को हासिल कर लेगा और इसे पार भी कर सकता है, और इस वित्त वर्ष की चौथी तिमाही तक शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) को बढ़ाकर 2.90 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान गैर-ब्याज आय छह प्रतिशत बढ़कर 3,600 करोड़ रुपये हो गई।

बजाज ऑटो का लाभ 10% बढ़कर 2,750 करोड़

नई दिल्ली। बजाज ऑटो का वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,750 करोड़ रुपये रहा है। बजाज ऑटो ने पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 2,196 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बजाज ऑटो ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 16,204 करोड़ रुपये गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 13,169 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि तीसरी तिमाही में उसकी कुल बिक्री सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 13,41,252 इकाई हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 12,24,472 इकाई थी।

उद्योग को ऋण 13.3 प्रतिशत की तेज गति से बढ़ा: आरबीआई

- पिछले वर्ष की इसी अवधि में 7 .5 प्रतिशत था

एजेंसी ⏭ मुंबई

उद्योग को बैंक ऋण दिसंबर, 2025 में 13.3 प्रतिशत की तेज गति से बढ़ा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 7.5 प्रतिशत था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।आरबीआई ने कहा कि सालाना आधार पर 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त पखवाड़े तक गैर-खाद्य बैंक ऋण में 14.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले साल के समान पखवाड़े (27 दिसंबर 2024) में यह वृद्धि 11.1 प्रतिशत थी। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, सूक्ष्म और लघु'' उद्योगों को दिए गए ऋण में तेज वृद्धि देखी गई, जबकि ''मझोले'' उद्योगों में भी मजबूती बनी रही। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा, /"बड़े उद्योगों को ऋण भी बढ़ा।

कार्यालय नगर परिषद मझौली जिला जबलपुर (म.प्र.)
(email id - cmomanjholi@mpurban.gov.in tel. 07624-244444)

NIT No. 1867/PWD/NP/2026 ई - निविदा सूचना Date: 30.01.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है । निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
2026_UAD _477891_1 दि. 31.01.2026	Interception & Diversion of Nallahs With STP Works Project of Majholi Town Under SBM 2.0	12 माह 3,27,04,000/-	15,000/- 1,63,520/-	04/03/2026

शर्त- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद मझौली

मध्यप्रदेश शासन नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण कार्यालय कार्यपालन यंत्री (वि./यां.) संभाग क्रमांक - 2, बरगीनगर, जबलपुर (म.प्र.) -482056
Email ID-eeemdv2bargidam@gmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना वास्ते प्रकाशन

निम्न कार्य की ऑन लाइन निविदा प्रतिशत दर (अपेडिक्स 2.10) ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम पोर्टल www.mptenders.gov.in पर जारी की जा रही है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :-

निविदा क्र.	ई. निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि (रू. में)	धरोवर राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदाकार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
139/तक. 2025-26 दिनांक 22.01.2026 (प्रथम आमंत्रण)	2025-NVDA-478148-1	बरगी व्यपवर्तन परियोजना खगामउ वितरण नहर की आर. डी. 81.20 किमी. कचनरी माइनर नहर की आर.डी.0.03 किमी. आलासुर माइनर की आर. डी. 11.7847 किमी. हथलेवा माइनर नहर की आर. डी. 19.230 किमी. एवं बटरंगी नहर की आर.डी. 19.240 किमी. पर लगे हेड रेगुलेटर गेटों का सुधार कार्य।	1,62,876.00 (रुपए एक लाख बासठ हजार आठ सौ छयत्तर) मात्र	3258.00 (रू. तीन हजार दो सौ अन्ठावन) मात्र	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
140/तक. 2025-26 दिनांक 22.01.2026 (प्रथम आमंत्रण)	2025-NVDA-478189-1	रा.अ. बा. लो. सा. परि. बायी तट नहर की दमोला, बिछुआ, नुनपुर और छपारा एच. आर. गेट आर. डी. 44.50 से 46. 74 किमी. तक के गेटों का सुधार कार्य ।	1,59,030.00 (रुपए एक लाख उनसठ हजार तीस) मात्र	3181.00 (रू. तीन हजार एक सौ इक्यासी) मात्र	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
141/तक. 2025-26 दिनांक 22.01.2026 (प्रथम आमंत्रण)	2025-NVDA-478191-1	बरगी नगर जल प्रदाय व्यवस्था हेतु नंदकेश्वर ट्यूबवेल में एक स्टेण्डवाय सबमर्सिबल पम्प का सुधार कार्य ।	60,138.00 (रुपए साठ हजार एक सौ अठतीस) मात्र	1203.00 (रू. एक हजार दो सौ तीन) मात्र	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
142/तक. 2025-26 दिनांक 22.01.2026 (प्रथम आमंत्रण)	2025-NVDA-478196-1	बरगी हिल्स स्थित आवासीय कालोनी में 6" डाया सी. आई. पाईप लाईन तथा 4" डाया जी.आई. पाईप लाईन का सुधार कार्य ।	83,684.00 (रुपए तेरासी हजार छः सौ चौरासी) मात्र	1674.00 (रू. एक हजार छः सौ चौहत्तर) मात्र	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
		कुल योग रू.	4,65,728.00				

निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि अंतिम : 19/02/2026, 17:30 तक (केवल आनलाइन),प्राइज बीड जमा करने की तिथि अंतिम : 19/02/2026, 17:30 तक (केवल आनलाइन), निविदा की धरोहर राशि खुलने की तिथि : 23/02/2026, 10:30 से 23/02/2026 17:30 तक (केवल आनलाइन), प्राइज बीड खुलने की तिथि :23/02/2026, 10:31 से 23/02/2026, 17:30 तक (केवल आनलाइन) निविदा प्रपत्र को उपरोक्त वेबसाइट पर केवल ऑन लाइन क्रय किया जा सकता है, ऑन लाइन पर भुगतान डेबिट/केश कार्ड या इन्टरनेट बैंकिग अकाउण्ट्स के माध्यम से किया जा सकता है। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.mptenders.gov.in का अवलोकन करें।

(शैलेन्द्र राठौर) कार्यपालन यंत्री,
नर्मदा विकास (वि./यां.) संभाग क्रमांक-2 बरगीनगर, जबलपुर (म. प्र.)

G-25131/25 "स्वच्छता ही सेवा"

रुपया कमजोर होने से बीते सप्ताह अधिकांश तेल के दाम मजबूत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विदेशों में खाद्य तेलों के दाम मजबूत होने, रुपये के मूल्य में आई गिरावट के कारण बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी तेल-तिलहनों के दाम मजबूत बने रहे। बीते सप्ताह सरकार ने आयातित खाद्य तेलों के आयात शुल्क मूल्य में भी बदलाव किये हैं।

इस बदलाव के तहत कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल का आयात शुल्क मूल्य क्रमशः 14 रुपये और 29 रुपये क्विंटल घटाया गया है जबकि सोयाबीन डीगम का आयात शुल्क मूल्य 20 रुपये क्विंटल बढ़ाया गया है। सूत्रों ने कहा कि एक फरवरी को केन्द्रीय बजट से पहले तेल-तिलहन कारोबार के संबंध में किसी स्पष्ट दिशानिर्देशों के अभाव में बाजार का कामकाज सुस्त बना रहा मगर विदेशों में आई तेजी के असर से स्थानीय तेल-तिलहनों के दाम मजबूत हो गये। बजट पेशकशों के बाद सोमवार के बाद बाजार की आगे की दिशा निर्धारित होगी। इस बीच अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया अपने निम्नतम स्तर के करीब मंडरा रहा है। इस वजह से खाद्य तेलों का आयात महंगा हो चला है जो खाद्य तेल कीमतों में तेजी का एक मुख्य कारण है। इसके अलावा नवंबर-दिसंबर में देश में आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर सोयाबीन डीगम तेल की बिक्री की जा रही थी।

- विदेशों में खाद्य तेलों के दाम हुए मजबूत
- आयातित खाद्य तेलों के शुल्क में किए गए बदलाव

बाजार में सोयाबीन की आवक हुई कम

सूत्रों ने कहा कि किसान बाजार में सोयाबीन की आवक कम ला रहे हैं। विदेशों में इसके बाजार मजबूत हुए हैं। डॉलर के मुकाबले रुपया काफी कमजोर हुआ है। बाजार में आपूर्ति इतनी कम है कि सोयाबीन प्लांट पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे हैं। जनवरी के महीने में सोयाबीन का आयात कम हुआ है और आयात के ऑर्डर को देखते हुए फरवरी में भी आयात कम होने के आसार नजर आ रहे हैं।

एक्साइड इंडस्ट्रीज का मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। बैटरी निर्माता कंपनी एक्साइड इंडस्ट्रीज का 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 194.97 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी ने एक नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 158.44 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की एकीकृत परिचालन आय 4,200.59 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 4,016.72 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसका कुल खर्च 3,922.81 करोड़ रुपये था, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 3,791.49 करोड़ रुपये था।

इको होटल्स एंड रिजॉर्ट्स अयोध्या में विकसित करेगी नया होटल

- प्रस्तावित परियोजना में 33 कमरे होंगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

इको होटल्स एंड रिजॉर्ट्स लिमिटेड ने कहा कि उसने अयोध्या में एक नयी होटल संपत्ति विकसित करने के लिए रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कदम धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के उच्च क्षमता वाले गंतव्यों में कंपनी की विस्तार योजनाओं के अनुरूप है।इस प्रस्तावित परियोजना में 33 कमरे होंगे। यह मुख्य राजमार्ग से सीधा जुड़ा होगा और राम जन्मभूमि मंदिर से सात किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस होटल को क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जा रहा है। इको होटल्स एंड रिजॉर्ट्स लिमिटेड के चेयरमैन विनोद कुमार त्रिपाठी ने इस संबंध में कहा, 'अयोध्या की यह परियोजना आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन से प्रेरित उभरते हुए आतिथ्य बाजार में विस्तार की हमारी रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस क्षेत्र में आगंतुकों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए गुणवत्तापूर्ण ठहरने के स्थल की भारी मांग है और हम इसे पूरा करने के लिए तैयार हैं।'

आम बजट 2026

टैक्स। फाइनेंस। बैंक । आयकर छूट सीमा

बजट में खास

- कॉरपोरेट कर में न्यूनतम वैकल्पिक कर (एमएटी) घटाकर 14%
- होटल में रहने व ठहरने पर टीडीएस अब कुल व्यय राशि का सिर्फ 2%
- भूमि अधिग्रहण से प्राप्त आय पर व्यक्ति या हिंदू अविभाजित परिवार को विशिष्ट छूट प्रदान की जाएगी
- वायुसेना के आयातित इंजनों सहित एयरक्राफ्ट या एयरक्राफ्ट के पार्टों पर सीमा शुल्क शून्य किया
- चबाने वाला तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू कर 25% से बढ़कर 60%
- मिश्रित कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) में प्रयुक्त बायोगैस/कम्प्रेस्ड बायोगैस पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क की छूट
- क्रिप्टो करंसी के संबंध में गलत विवरण देने पर अर्थदंड प्रतिदिन 200 रुपए, विवरण ठीक न करने पर 50,000
- रिटर्न अपडेट में एक्स्ट्रा आय बताने पर दंड नहीं लगाए जाने का प्रस्ताव
- विवरण प्रस्तुत करने में भूल पर 7 साल के बजाए 2 वर्ष की सजा

- वित्तीय लेन-देन या रिपोर्ट किए जाने योग्य खाते के लिए विवरण प्रस्तुत करने में चूक के लिए अर्थदंड को अधिकतम सीमा के अधीन चूक के प्रत्येक दिन के लिए प्रभारित शुल्क में बदलने का प्रस्ताव है।
- लेखा और दस्तावेज प्रस्तुत करने, और नकद में किए गए भुगतान के लिए कटौतीकर्ता से टीडीएस का भुगतान सुनिश्चित करने की अपेक्षा को पूरी तरह अपराध से बाहर करने का प्रस्ताव है।
- सभी अभियोजनों को युक्तिसंगत करते हुए सश्रम कारावास से बदल कर साधारण कारावास किया जाएगा।
- किसी अपराध (बार-बार के अपराध को छोड़कर) के लिए अधिकतम अधिकतम दंड को 7 वर्ष से कम करके 2 वर्ष करने का प्रस्ताव है।
- ऐसे मामलों में जहां वर्तमान में अधिकतम दंड दो वर्ष है, वहां दंड को जुर्माने के साथ या जुर्माने के बिना तथा न्यूनतम कारावास की सीमा से रहित करते हुए कम करके 06 माह कर दिया गया है।
- यह भी प्रस्ताव है कि आयकर अधिनियम 2025 के तहत अपराधों के लिए अभियोजन बचाई गई कर की राशि के आधार पर होगा और दंड अपराध की गंभीरता के अनुपात में होगा। ऐसे मामलों में कारावास के अधिकतम दंड की अपेक्षा को समाप्त कर दिया गया है और अनिवार्य जुर्माने की अपेक्षा को शिथिल करके वैकल्पिक बना दिया गया है।
- यह भी प्रस्ताव है कि गौण अपराध के लिए दंड के रूप में केवल जुर्माने का प्रावधान किया जाएगा।

हर साल नया अंदाज...

साल 2019 | साल 2020 | साल 2021 | साल 2022

साल 2023 | 2024 अंतरिम | साल 2024 | साल 2025

साल 2026

आम आदमी छात्र और बुजुर्गों को वित्त मंत्री ने दिए ये खास तोहफे

इनकम टैक्स स्लैब जस के तस, थोड़ी फीस से 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न

- मध्यमवर्गीय लोगों के लिए टैक्स भरने की प्रक्रियाएं हुई सरल
- विदेश पढ़ाई खर्च पर टीसीएस घटाकर 2% किया

नई और पुरानी टैक्स रिजीम में कोई बदलाव नहीं

आम बजट 2026 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई और पुराने टैक्स रिजीम में कोई बदलाव नहीं किया है। पुरानी टैक्स रिजीम चुनने पर अभी भी आपकी 2.5 लाख रुपए तक की आय ही आयकर से मुक्त रहेगी। हालांकि, आयकर अधिनियम के सेक्शन 87ए के तहत आप 5 लाख तक की आय पर कर बचा सकते हैं। वहीं नई टैक्स रिजीम चुनने पर पहले की तरह ही 4 लाख रुपए तक की आय पर कर नहीं देना होगा। इसमें आयकर अधिनियम के सेक्शन 87ए के तहत वेतन प्राप्त करने वालों को 12.75 लाख रुपए तक की आय पर और अन्य 12 लाख तक की आय पर कर छूट पा सकते हैं।

टैक्स को लेकर ये बड़े बदलाव

- **1 अप्रैल से नया इनकम टैक्स कानून:** केंद्र सरकार ने पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 को बदलकर नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 लाया जाएगा। ये 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। इसमें टैक्स रेट्स या स्लैब में कोई बदलाव नहीं है, इसके जरिए सिर्फ टैक्स रिटर्न फाइल करने की प्रक्रिया आसान बनाई जाएगी।
- **विदेश यात्रा करना हुआ सस्ता:** बजट में आम आदमी का विदेश घूमना हुआ सस्ता विदेश यात्रा करने वालों के लिए ओवरसीज टूर पैकेज पर टीसीएस अब सिर्फ 2% होगा, जो पहले 5% और कुछ मामलों में 20% तक था। इससे घूमने-फिरने का खर्च तुरंत बढ़ने से बचेगा।
- **31 मार्च तक फाइल कर सकेंगे रिवाइज्ड रिटर्न** इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) में सुधार करने की आखिरी तारीख बढ़ा दी गई है। अब मामूली फीस देकर 31 दिसंबर की जगह 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल किया जा सकेगा।

इन चीजों को समझिए

पुरानी में 2.5 लाख और नए में 12 लाख रुपए तक की आयकर छूट

सवाल 1: पुरानी और नई टैक्स रिजीम में क्या अंतर है?
जवाब: नए टैक्स रिजीम में 4 लाख रुपए तक की कमाई आय कर मुक्त रहती है, लेकिन इसमें टैक्स डिडक्शन नहीं मिलते हैं। वहीं, अगर आप पुराना टैक्स स्लैब चुनते हैं तो आप कई तरह के टैक्स डिडक्शन का फायदा ले सकते हैं।
सवाल 2: पुरानी टैक्स रिजीम में किस तरह की छूट मिलती है?
जवाब: अगर आप ईपीएफ, पीपीएफ और इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम में निवेश करते हैं। तो आपकी कुल कर योग्य आय में से ये आय कम हो जाएगी। वहीं, मेडिकल पॉलिसी पर किए गए खर्च, होम लोन पर चुकाए गए ब्याज और नेशनल पेंशन सिस्टम में निवेश किए गए रुपए भी आपकी कर योग्य आय से घट जाते हैं।
सवाल 3: पुरानी टैक्स रिजीम किन लोगों के लिए बेहतर है?
जवाब: अगर आप निवेश और टैक्स छूट का फायदा लेना चाहते हैं, तो पुरानी टैक्स रिजीम आपके लिए बेहतर हो सकती है। वहीं अगर आप कम टैक्स रेट और टैक्स डिडक्शन के झंझटों से बचना चाहते हैं तो नई टैक्स रिजीम आपके लिए सही हो सकती है।

टीडीएस के लिए अब आवेदन नहीं

- **टीडीएस न कटवाने के लिए आवेदन की जरूरत नहीं:** टैक्स डिडक्शन एट सोर्स (टीडीएस) नहीं कटवाने के लिए अलग से आवेदन देने की जरूरत नहीं होगी। नियमों के अनुसार अब अगर आप पर इनकम टैक्स नहीं बनता है तो आपका टीडीएस नहीं काटा जाएगा। अभी इसके लिए फॉर्म 15जी (60 साल से कम वालों के लिए) या फॉर्म 15एच (वरिष्ठ नागरिकों के लिए) जमा करना होता था।
- **फ्यूचर-ऑप्शंस ट्रेडिंग करना महंगा:** सरकार ने फ्यूचर ट्रेडिंग पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) को 0.02% से बढ़ाकर 0.05% कर दिया है। ऑप्शंस पर भी एसटीटी को बढ़ाकर 0.15% किया गया है। इसे ट्रेडिंग करना महंगा हो जाएगा।

छात्रों को विदेश में पढ़ाई के लिए आसान मौका

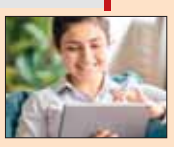

- विदेश में पढ़ाई का सपना देखने वाले छात्रों और उनके परिवारों के लिए बजट राहत लेकर आया है। लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के तहत शिक्षा और मेडिकल खर्चों के लिए भेजी जाने वाली राशि पर टीसीएस घटाकर 2% कर दिया गया है, जो पहले 5% होता था। इससे छात्रों पर शुरुआती वित्तीय बोझ कम होगा, एजुकेशन लोन पर निर्भरता घटेगी और इंपोर्टेड स्टडी मटेरियल या पार्सल की क्लियरेंस भी तेज होगी।

टीडीएस की प्रक्रिया पूरी तरह ऑटोमेटेड

- छोटे करदाताओं के लिए लोअर या निल टीडीएस सर्टिफिकेट पाने की प्रक्रिया पूरी तरह ऑटोमेटेड होगी। अब अफसरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।
- स्वास्थ्य के मोर्चे पर बड़ी राहत देते हुए 17 कैंसर दवाओं पर कस्टम ड्यूटी पूरी तरह खत्म की गई है। वहीं 7 और दुर्लभ बीमारियों के इलाज से जुड़े दवाइयों और विशेष भोजन को भी ड्यूटी-फ्री किया गया है। यह छूट बुजुर्गों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2026-25 में इनकम टैक्स को लेकर किसी तरह की राहत नहीं दी है। बजट में इनकम टैक्स को लेकर को कोई बड़ी घोषणा नहीं हुई है। हालांकि रिवाइज्ड रिटर्न भरने की तारीख 31 दिसंबर से बढ़ाकर 31 मार्च की गई है। वहीं, विदेश रुपए भेजने पर अब 5% के बदले 2% टैक्स लगेगा। कर विशेषज्ञों के अनुसार सरकार ने पिछले बजट में ही न्यू टैक्स रिजीम में टैक्स छूट को 7 लाख बढ़ाकर 12 लाख रुपए कर दिया था। ऐसे में इस साल बदलाव होने की संभावना न के बराबर ही थी। हालांकि, बजट 2026 में आम आदमी, मध्यमवर्गीय परिवारों, छात्रों और बुजुर्गों के लिए कई अहम राहत भरे कदम उठाए गए हैं। बजट में इन पर टैक्स का बोझ कम, आसान नियम और सुरक्षित, बचत के लिए नियम लाए हैं। सरकार ने इसे 'परिवारों की समृद्धि से राष्ट्र की मजबूती' के लक्ष्य से जोड़ा है। अब विदेश से यात्रा के दौरान एक लैपटॉप को पर्सनल सामान के साथ लाने पर स्पष्ट नियम तय कर दिए गए हैं। साथ ही अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए ऑनलाइन और मोबाइल ऐप के जरिए कस्टम डिक्लेरेशन और ड्यूटी पेमेंट की सुविधा दी जाएगी, जिससे एयरपोर्ट पर लगने वाला समय और तनाव दोनों कम होंगे।

अत्यधिक सट्टेबाजी रोकने के लिए वित्त मंत्री ने सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स बढ़ाया

शेयर बाजार के फ्यूचर एंड ऑप्शन सेगमेंट में एसटीटी बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत कर दिया

निफ्टी 25500 के नीचे गया और बाद में 25800 के ऊपर क्लोज हुआ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण के दौरान जैसे ही शेयर बाजार के फ्यूचर एंड ऑप्शन सेगमेंट में एसटीटी टैक्स को बढ़ाने का ऐलान किया, उसके बाद ही मार्केट में गिरावट हावी हो गई। इंट्रा में निफ्टी 25500 के नीचे चला गया और उतार-चढ़ाव के बाद 25800 के ऊपर क्लोज हुआ। वित्त मंत्री ने बताया कि एसटीटी में बढ़ोतरी मामूली है और इसका एकमात्र उद्देश्य अत्यधिक सट्टेबाजी को रोकना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसटीटी में वृद्धि केवल वायदा और विकल्प सौदों पर ही लागू होगी, क्योंकि इनमें अत्यधिक सट्टेबाजी और जोखिम शामिल है।

क्या होता है एसटीटी?

एसटीटी (सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स) एक प्रकार का टैक्स है जो शेयर बाजार में शेयरों की खरीद-बिक्री पर लगता है। शेयर, डेरिवेटिव्स या इक्विटी म्यूचुअल फंड्स को स्टॉक एक्सचेंज पर खरीदते या बेचते समय यह टैक्स लागू होता है। इस टैक्स को सरकार ने साल 2004 में शुरू किया था ताकि शेयर बाजार में सट्टेबाजी कम हो और सरकार को टैक्स से कमाई हो सके। फ्यूचर सेगमेंट में एसटीटी को पहले के 0.02% से बढ़ाकर 0.05% कर दिया गया है। वहीं, ऑप्शंस पर एसटीटी बढ़ाकर 0.15% कर दिया गया है, जो कि पहले 0.10 फीसदी था।

करों से 44,04,086 करोड़ की आय

वर्ष 2026-27 में सरकार को टैक्स से कुल 44,04,086 करोड़ की आय होने का अनुमान है। इसमें इनकम टैक्स से 14,66,000 करोड़, कंपनियों पर लगने वाले टैक्स से 12,31,000 करोड़, जीएसटी से 10,19,020 करोड़, एक्साइज ड्यूटी से 3,88,910 करोड़ और कस्टम ड्यूटी से 2,71,200 करोड़ प्राप्त होने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि जीडीपी की तुलना में टैक्स रेवेन्यू घटने की आशंका है। 2026-27 में 11.2% रहने का अनुमान है।

लागत कम कर उत्पादन बढ़ाने पर जोर

नवकरणीय और नाभिकीय उर्जा विमान के इंजन, पुर्जों पर 0 टैक्स

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इनपुट लागत कम करने, घरेलू विनिर्माण पर बल देने तथा निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए निम्नलिखित मदों पर सीमा-शुल्क ड्यूटी कम किए जाने का प्रस्ताव रखा है। महत्वपूर्ण खनिज मोनाजाइट पर मूल सीमा शुल्क ड्यूटी की दर 2.5% से घटाकर शून्य कर दी गई है। एअरक्रॉफ्टों और एअरक्रॉफ्टों के विनिर्माण के लिए एअरक्रॉफ्ट के इंजनों सहित उसके घटक या पार्ट पर सीमा शुल्क पूरी तरह से शून्य किए जाने का प्रस्ताव है।

सौर ग्लास पर सीमा शुल्क शून्य

नवकरणीय ऊर्जा के तहत सौर ग्लास के विनिर्माण में उपयोग हेतु सोडियम एंटीमोनेट 7.5% से कम करके शून्य, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली की बैटरियों के लिए लिथियम ऑयन सेलों के विनिर्माण में उपयोग हेतु वस्तुएं शून्य कर पर उपलब्ध होंगी। नाभिकीय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए अपेक्षित वस्तुएं पर सीमा शुल्क इयटी शून्य कर दी गई है।

आम बजट पर विशेषज्ञों का नजरिया

शिक्षा पर समग्र दृष्टिकोण, तकनीकी कौशल के साथ युवाओं को रोजगार

डॉ. भूपेंद्र सुल्लेरे
शिक्षाविद
भोपाल

केंद्रीय बजट में शिक्षा को मानव पूंजी का मूल आधार मानते हुए स्कूली, तकनीकी और उच्च शिक्षा दोनों में निवेश और सुधार पर बल दिया गया है। बजट में सरकारी स्कूलों में कंटेंट क्रिएटर लैब तथा डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे कदमों से सीखने की गुणवत्ता और तकनीकी कौशल को बढ़ावा मिलेगा, जिससे युवा आधुनिक रोजगार के अवसरों के लिए तैयार होंगे। साथ ही, हर जिले में लड़कियों के होस्टल और नए डिज़ाइन/ क्रिएटिव संस्थान जैसे उच्च शिक्षा संवर्धन प्रस्ताव हैं, जो लिंग समानता और समावेशी शिक्षा को मजबूत करेंगे। बजट में नई यूनिवर्सिटी टाउनशिप, उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रम, शोध-उन्मुख केंद्रों और विद्यालय-विश्वविद्यालय लिंकिंग को बढ़ावा देने की घोषणा की गई है, जिससे भारत वैश्विक शिक्षा-केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने एजुकेशन टू इम्प्लॉयमेंट कमेटी जैसे संस्थागत ढांचे का प्रस्ताव रखा है, जिससे शिक्षा और रोजगार के बीच पुल मजबूत होगा।

स्थिर नीति, संतुलित आर्थिक संकेत और राजकोषीय अनुशासन से विश्वास बढ़ा

प्रो. हिमांशु राय
निदेशक
आईआईएम, इंदौर

केंद्रीय बजट 2026 की एक उल्लेखनीय विशेषता इसकी नीतिगत स्थिरता और पूर्वानुमेय आर्थिक दिशा है। सरकार ने राजकोषीय अनुशासन को बनाए रखते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि विकास को कर्ज-आधारित विस्तार के बजाए संतुलित संसाधन प्रबंधन के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। यह दृष्टिकोण सार्वजनिक वित्त की विश्वसनीयता को मजबूत करता है और दीर्घकालिक आर्थिक योजना के लिए आवश्यक आधार तैयार करता है। पूंजीगत व्यय को रूपए 12.2 लाख करोड़ तक बनाए रखना यह दर्शाता है कि सरकार अल्पकालिक लोकप्रिय निर्णयों के बजाय आर्थिक क्षमता के निर्माण पर ध्यान दे रही है। बेहतर अवसंरचना और स्थिर नीतिगत माहौल का प्रत्यक्ष लाभ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को मिल सकता है, जो कम लागत, बेहतर संपर्कऔर अधिक भरोसेमंद मांग वातावरण में विस्तार करने में सक्षम होंगे। नीति निरंतरता से इन उद्यमों के लिए निवेश और उत्पादन संबंधी निर्णय लेना सरल होता है। इस व्यापक आर्थिक ढांचे में शिक्षा को एक केंद्रीय स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। शिक्षा के लिए 1.28 लाख करोड़ से अधिक का आवंटन दर्शाता है कि सरकार मानव पूंजी में प्राथमिकता दे रही है।

रीवा महाविद्यालय का नया अस्पताल भवन बनने पर 2400 से अधिक होगी बेड क्षमता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रीवा, विंध्य क्षेत्र के विकास के लिए ट्रेन के इंजन के समान है, जो संपूर्ण विंध्य को गति प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश सभी चुनौतियों को पार करते हुए सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। भारतीय छात्र मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए यूक्रेन और उसके आसपास के देशों में जाते थे।

वहां जब युद्ध के हालात बने तो प्रधानमंत्री मोदी एक-एक भारतीय को स्वदेश वापस लेकर आए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को रीवा के श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय के विस्तारीकरण कार्य का भूमि-पूजन करने के बाद जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास कार्यों की गति निरंतर जारी है। रीवा में नया अस्पताल भवन बनने के बाद 2400 से अधिक बेड की क्षमता हो जाएगी। आजादी के बाद 55 वर्षों में प्रदेश में सिर्फ 5 मेडिकल कॉलेज थे। हमारी सरकार आने के बाद 2 साल में ही 6 शासकीय मेडिकल कॉलेज खुले हैं। प्रदेश के प्रमुख जिलों के साथ जनजातीय अंचलों में भी मेडिकल कॉलेज खोलने की पहल की गई है। बहुत जल्द मध्यप्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 50 हो जाएगी। रीवा के नए अस्पताल भवन में कार्डियोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, न्यूरोलॉजी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और कैंसर के इलाज के लिए स्पेशल यूनिट बनेगी। इसके अलावा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर में भी अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से कैंसर मरीजों को इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

भोपाल, इंदौर, उज्जैन और जबलपुर में भी अत्याधुनिक मशीनों से कैंसर मरीजों को मिलेगा इलाज

चिकित्सा सुविधाओं के विकास में राज्य सरकार के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का महत्व एक समान

खास बातें

- मध्यप्रदेश में मेडिकल एजुकेशन के अंडर ग्रेजुएशन की सीटें बढ़कर हुई 5500
- हर साल 10 हजार डॉक्टर मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर देंगे सेवाएं

लोकार्पण करते मुख्यमंत्री डॉ. यादव और डिप्टी सीएम शुक्ल।

ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों का समान महत्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार के लिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों का समान महत्व है। विंध्य के सिंगरौली को भी मेडिकल कॉलेज की सौगात मिल गई है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार का ही परिणाम है कि अब मध्यप्रदेश में मेडिकल अंडर ग्रेजुएट के लिए सीटों की संख्या 5500 हो चुकी है। आगामी वर्षों में हर साल 10 हजार डॉक्टर मेडिकल की पढ़ाई पूर्ण कर निकलेंगे। प्रदेश में नर्सिंग और पैरा मेडिकल के लिए भी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। रीवा के श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय के विस्तारीकरण के लिए लगभग 350 करोड़ की लागत से विकास कार्यों का भूमि-पूजन हुआ है। इनमें 15 अलग-अलग विकास कार्य भी शामिल हैं।

रीवा में 70 साल पुराना मेडिकल कॉलेज

उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री रीवा के विकास को गति प्रदान करने के लिए लगभग 350 करोड़ रुपए लागत के कार्यों का भूमि-पूजन कर रहे हैं। रीवा में 70 साल पुराना मेडिकल कॉलेज है। यहां मेडिकल कॉलेज में निरंतर एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाई जा रही है। भविष्य में यहां एक साल 200 विद्यार्थी मेडिकल की पढ़ाई कर सकेंगे। रीवा मेडिकल कॉलेज को नए इंफ्रॉस्ट्रक्चर की आवश्यकता है। राज्य सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेशभर में स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास कर रही है। प्रदेश में अब 19 शासकीय मेडिकल कॉलेज हो चुका हैं। प्रदेश में निजी मेडिकल कॉलेजों की संख्या 14 है। भविष्य में 6 नए मेडिकल कॉलेज आकार लेंगे। बहुत जल्द प्रदेश में कुल 33 मेडिकल कॉलेज संचालित होंगे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने आगामी 5 वर्षों में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 50 अधिक करने का लक्ष्य रखा है। ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की संख्या पर्याप्त हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, किसान रथ निकालें, उड़द और मूंगफली के आधिकाधिक उत्पादन को दें प्रोत्साहन

किसानों के कल्याण के लिए मिशन मोड में करें काम, किसानों का जीवन संवारना हमारा कर्तव्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जो हम सबके अन्नदाता हैं, उनके दुख-दर्द की चिंता करना हमारा कर्तव्य है। किसानों का समग्र कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। यह सरकार के लिए एक मिशन है। सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों का जीवन संवारने और इनकी बेहतरी के लिए पूर्ण समर्पित भाव से मिशन मोड में कृषक कल्याण वर्ष का बेहद प्रभावकारी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रदेश के सभी कमिश्नर्स-कलेक्टर्स को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष के दौरान किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। किसान रथ चलाए जाएं। इनका शुभारंभ स्थानीय सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से ही कराएं। कृषक कल्याण वर्ष में किसानों से विभिन्न स्थानों पर को निरंतर संवाद करें। उन्हें ग्रीष्मकालीन मूंग के स्थान पर अधिकाधिक रकबे, मात्रा में मूंगफली और उड़द की फसल लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

मंडियों का करें भ्रमण, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर दें विशेष ध्यान

कृषक कल्याण वर्ष का करें प्रभावी क्रियान्वयन, कृषि वर्ष की गतिविधियों की करें नियमित मॉनिटरिंग

वीडियो कांफ्रेंसिंग में अधिकारियों को निर्देशित करते सीएम।

कलेक्टर्स किसानों से लगातार करते रहें संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कलेक्टर्स किसानों से लगातार संवाद करते रहें। कृषक कल्याण वर्ष की तय गतिविधियों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें। रोस्टर तैयार कर कृषि उपज मंडियों का सतत निरीक्षण करें और कृषि उत्पादों पर विपणन पर विशेष ध्यान देकर इनके मूल्य संवर्धन के लिए पूरी कमर्शियल चेन का निर्माण करें। प्रदेश की दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए विभाग को नवाचार अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को दुग्धोत्पादन बढ़ाने के सभी नए-नए तरीके और उपाय बताएं जाएं। प्रमुख सचिव पशुपालन ने बताया कि पशुपालकों के ज्ञान संवर्धन के लिए एक ऐप तैयार किया जा रहा है। यह ऐप पशुपालकों को बताएगा कि दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए किस प्रकार की गाय/भैंस को कैसा आहार खिलाना चाहिए। इससे पशुपालक सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे।

फरवरी में डिण्डोरी में होगा कोदो-कुटकी बोनस वितरण कार्यक्रम

मार्च में राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन आयोजित होगा। सीएम ने कृषक कल्याण वर्ष में होने वाली मासिक गतिविधियों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि फरवरी के पहले सप्ताह में डिंडोरी जिले में कोदो-कुटकी का बोनस वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा। 16 से अधिक जिलों में कोदो-कुटकी उत्पादन होता है। वर्ष 2025 में 2800 टन कोदो-कुटकी की शासकीय खरीदी की गई है। दूसरे सप्ताह में गुलाब महोत्सव आयोजित होगा। तीसरे सप्ताह में शत-प्रतिशत किसानों के आईडी पंजीयन तथा किसान उन्मुखी योजनाओं के एग्रीस्टैक से एकीकरण के लिए निमाड़ क्षेत्र के किसी जिले में राज्यस्तरीय एग्रीस्टैक एवं डिजिटल कृषि प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। इसी तरह इस माह के अंतिम सप्ताह में कृषि मंथन के नाम से अलग-अलग जिलों में दो बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पराली जलाने पर लगाएं रोक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स अपने-अपने जिले में पराली, नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती से अकुंश लगाएं। अपने-अपने जिले का नरवाई प्रबंधन प्लान बनाएं। खेतों से निकलने वाली पराली, भूसे का समुचित उपयोग होना चाहिए। फसलों के अवशेष से गोबर से कंपोजिट बायोगैस संयंत्रों की स्थापना की जाए। सभी कलेक्टर्स यह तय करें कि किसानों की ओर से खेत से निकली पराली और भूसा निकटतम छोटी-बड़ी गौशालाओं में ही पहुंचाया जाए। इससे गौवंश को लाभ मिलेगा।

सराफा व्यापारियों की समस्याओं का शीघ्र किया जाएगा निदानः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से होलसेल सराफा व्यापार एवं मध्य प्रदेश प्रांतीय सराफा एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। इस अवसर पर सराफा व्यापारियों को भविष्य में आने वाली व्यावहारिक एवं कानूनी समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। प्रमुख रूप से धारा 411, व्यापारियों की आत्म-सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस, गिरवी से संबंधित नियम तथा सराफा व्यापार से जुड़ी जमीनी समस्याओं पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विषयों को गंभीरता से सुना एवं सराफा व्यापारियों की व्यावहारिक कठिनाइयों को समझते हुए यह आश्वासन दिया कि सराफा व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए इन सभी विषयों पर शीघ्र ही सकारात्मक एवं व्यावहारिक निर्णय लेकर उन्हें क्रियान्वित कराया जाएगा, जिससे व्यापारियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से संजीव कुमार गर्ग गांधी (होलसेल सराफा अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश प्रांतीय सराफा एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष), अखिलेश मित्तल (सचिव, भोपाल सराफा एसोसिएशन), विजय वर्मा (सचिव, होलसेल सराफा एसोसिएशन), विवेक अग्रवाल, गौरव अग्रवाल (कार्यकारिणी सदस्य, भोपाल सराफा एसोसिएशन), आनंद सोनी (अध्यक्ष, अरेरा कॉलोनी सराफा एसोसिएशन) उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि राज्य सरकार द्वारा सराफा व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए शीघ्र ही ठोस कदम उठाए जाएंगे, जिससे मध्य प्रदेश का सराफा व्यापार और अधिक सुरक्षित, संगठित एवं सशक्त बनेगा।

सराफा व्यापारियों से भेंट करते सीएम।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए बोले हेमंत

वीबी जी-रामजी योजना को लेकर समाज में झूठ फैला रही कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को बैतूल भाजपा जिला कार्यालय में वीबी जी-रामजी योजना को लेकर जिला कार्यशाला को संबोधित किया। खंडेलवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस योजना को लेकर समाज में झूठ फैला रही है। इस योजना का नाम पहले नरेगा था, बाद में कांग्रेस ने बदलकर महात्मा गांधी नरेगा किया था। कांग्रेस इस योजना के अलावा भी कई और राष्ट्रीय योजनाओं के नामों में पहले बदलाव कर चुकी है। पीएम वीबी जी-रामजी योजना के जरिए महात्मा गांधी जी के सपनों को साकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वीबी जी-रामजी योजना में पहले मजूरों को 100 दिन के रोजगार की गारंटी थी, अब 125 दिन रोजगार की गारंटी है। रोजगार नहीं मिलने की स्थिति में बेरोजगारों को भत्ता देने का भी नए कानून में प्रावधान किया गया है। कार्यशाला को केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके, पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष व संभाग प्रभारी कांतदेव सिंह एवं जिला अध्यक्ष सुधाकर पंवार ने भी संबोधित किया। कांग्रेस ने महात्मा गांधी के विचारां को कभी सम्मान नहीं किया खण्डेलवाल ने कहा कि महात्मा गांधी ने खादी और स्वदेशी का नारा दिया था।

हेमंत खंडेलवाल

12 सूत्रीय मांगों को लेकर विस का करेंगे घेराव

स्वास्थ्य कर्मचारियों का चरणबद्ध आंदोलन आज से होगा आरंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

लंबित मांगों को लेकर आक्रोशित प्रदेश भर के स्वास्थ्य कर्मचारी दो फरवरी से चरणबद्ध आंदोलन का शखनांद कर विधानसभा का घेराव करेंगे। समस्त स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कौरव ने मुख्यमंत्री सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को चेतावनी पत्र आंदोलन की सूचना दे दी है। सुरेंद्र सिंह कौरव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत समस्त अधिकारी कर्मचारी मानव सेवा करते है। महत्त्वपूर्ण विभाग होने के बाद भी विभाग की मनमानी के कारण मजबूरन आंदोलन की राह पर जाना पड़ता है।

यह प्रमुख मांगें

- रात्रि कालीन आकस्मिक चिकित्सा भत्ता दिया जाएं।
- रेडियोग्राफर, डार्क रूम असिस्टेंट, अटेंडेंट को रेडिएशन जोखिम भत्ता मिले।
- ग्वालियर और रीवा मेडिकल कॉलेज की भांति समस्त मैडिकल कॉलेज के नर्सिंग ऑफिसर कर्मचारी को तीन एवं चार वेतन वृद्धि दी जाएं।
- अन्य राज्यों की भांति समस्त कैडरों के पद नाम परिवर्तन किया जाएं।
- आउटसोर्स एवं रोगी कल्याण समिति के कर्मचारियों के लिए ठोस नीति बनाई जाएं।

केन्द्र सरकार के बजट में छात्राओं की उच्च शिक्षा को सुगम बनाने की घोषणा

छग के हर जिले में छात्राओं के लिए बनेंगे हॉस्टल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026 के बजट में छात्राओं की उच्च शिक्षा को सुगम बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। इसके तहत, देश के हर जिले में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनाए जाएंगे, जिसका छत्तीसगढ़ राज्य के लिए विशेष महत्व है। यह पहल राज्य की छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में बड़ी राहत प्रदान करेगी। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में मेडिकल, इंजीनियरिंग और साइंस जैसे महत्वपूर्ण कॉलेज तो मौजूद हैं, परंतु छात्राओं के लिए सुरक्षित और आरामदायक आवास की भारी कमी है। विशेष रूप से रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, अंबिकापुर और जगदलपुर जैसे शिक्षा केंद्रों में, दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से आने वाली लड़कियों को हॉस्टल न मिल पाने की स्थिति में अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ती है। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में इस बात पर जोर दिया कि एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) संस्थानों में लंबे क्लास घंटे और प्रयोगशालाओं का काम लड़कियों के लिए अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे में, प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल की स्थापना से छत्तीसगढ़ की छात्राओं को एस्ट्रोफिजिक्स, एस्ट्रोनॉमी, मेडिसिन और इंजीनियरिंग जैसे जटिल क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर मिलेंगे।

परिवर्तनकारी साबित हो सकती है पहल

यह योजना राज्य के आदिवासी बहुल जिलों जैसे बस्तर, कांकेर, कोरिया, सुकमा और नारायणपुर के लिए विशेष रूप से परिवर्तनकारी साबित हो सकती है। इन क्षेत्रों की छात्राएं अब जिला स्तर पर ही सुरक्षित आवास की सुविधा प्राप्त कर उच्च शिक्षा से जुड़ सकेंगी, जिससे शिक्षा में उनकी भागीदारी बढ़ेगी। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस योजना से छत्तीसगढ़ में बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों की दर कम होगी।

ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत ने सुनाया अहम फैसला

मुख्य नपा अधिकारी और सब इंजीनियर को तीन साल की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिले के अभनपुर नगर पंचायत से जुड़े एक पुराने भ्रष्टाचार मामले में अदालत ने आठ साल बाद सख्त फैसला सुनाया है। ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत ने नगर पंचायत के तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी अनिल शर्मा और सब इंजीनियर सुरेश चंद्र गुप्ता को रिश्वतखोरी का दोषी ठहराते हुए तीन-तीन वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोनों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। इस मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश मधुसूदन चंद्राकर की अदालत में हुई। अदालत में चली सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर दोनों आरोपियों को दोषी माना गया। विशेष लोक अभियोजक विपुल नायक ने बताया कि यह मामला वर्ष 2018 का है, जब एंटी करप्शन ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए दोनों अधिकारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा था। यह ट्रैप 31 दिसंबर 2018 को किया गया था, जिसके बाद मामला अदालत में विचाराधीन रहा। मामले की शुरुआत जेपी कंस्ट्रक्शन के संचालक जय प्रकाश गिलहरे की शिकायत से हुई थी। उन्होंने एसीबी को बताया था कि अभनपुर नगर पंचायत में कराए गए निर्माण कार्य के बकाया भुगतान के बदले उनसे रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत के अनुसार तत्कालीन सीएमओ और सब इंजीनियर ने मिलकर 40 हजार रुपये की मांग की थी। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि जय प्रकाश गिलहरे ने अभनपुर में करीब 55 लाख 55 हजार रुपये की लागत से पुष्प वाटिका निर्माण का ठेका लिया था।

केन्द्रीय बजट को लेकर सीएम साय बोले

भारत के सुनहरे भविष्य की नींव रखता है यह बजट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय बजट 2026-27 को देश के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक बजट बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट भारत के सुनहरे भविष्य की नींव रखता है और आर्थिक विकास के साथ-साथ हर वर्ग के कल्याण को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्तव्य भवन में प्रस्तुत यह पहला बजट है, जिसमें रोजगार सृजन, जन अपेक्षाओं की पूर्ति और सबका साथ-सबका विकास की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया यह बजट गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं, मध्यम वर्ग और श्रमिकों के लिए लाभकारी साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस बजट का सीधा फायदा छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को मिलेगा और राज्य के विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास की भावना को और मजबूत करता है। यह बजट छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में समावेशी विकास को सुनिश्चित करेगा। जनता की ओर से पीएम नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया।

जात-पात और छुआछूत से जकड़े समाज में प्रेम, समरसता और आध्यात्मिक समानता का दीप जलाया

संत शिरोमणि गुरु रविदासः भक्ति, कर्मयोग और राष्ट्रीय एकता के अग्रदूत

लाल सिंह आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अनुसूचित जाति मोर्चा,
भाजपा

भारतीय संत परंपरा में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी का नाम केवल आध्यात्मिक साधना तक सीमित नहीं है; वे सामाजिक चेतना, समानता और मानव गरिमा के विराट प्रतीक हैं। उनकी वाणी का मूल संदेश यही था कि ईश्वर बाहरी आडंबरों में नहीं, बल्कि निर्मिल मन में निवास करते हैं मन ही पूजा, मन ही धूप के माध्यम से उन्होंने भक्ति को आंतरिक साधना से जोड़ा। संत रविदास जी एक ऐसे सांस्कृतिक संकल्प का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने समाज को झुकना नहीं, बल्कि मानवता के सूत्र में जोड़ना सिखाया। जात-पात और छुआछूत से जकड़े समाज में उन्होंने प्रेम, समरसता और आध्यात्मिक समानता का दीप जलाया। 15वीं शताब्दी में जन्मे संत रविदास जी ने उस दौर में आवाज उठाई जब सामाजिक विभाजन गहराई तक बैठ चुका था। उन्होंने अपने पदों और जीवन के उदाहरणों से स्पष्ट किया कि मनुष्य की पहचान जन्म से नहीं, बल्कि कर्म और गुणों से होती है। एकै माटी के सभ भांडे के माध्यम से उन्होंने समस्त मानवता की एकता का दर्शन दिया, वहीं जनम जात मत पूछिए, का जात अरू पात। रैदास पूत सब प्रभु के, कोए नहिं जात कुजात॥ कहकर जातिगत अहंकार को सामाजिक विघटन का कारण बताया। उनके लिए भक्ति केवल पूजा-पाठ नहीं थी, बल्कि सेवा, शिक्षा और समाज सुधार भी उतने ही पवित्र कर्म थे। ज्ञान को उन्होंने वह शक्ति माना जो व्यक्ति को सही और गलत का विवेक देती है और परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करती है। संत रविदास जी के जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष था श्रम की प्रतिष्ठा। वे पनही बनाने का कार्य करते थे और उन्होंने अपने पैतृक पेशे को कभी छोटा नहीं समझा। उन्होंने कहा श्रम करऊ ईसर जानि कै, अर्थात परिश्रम ही ईश्वर का स्वरूप है। उनसे जुड़ी प्रसिद्धि कथा, जिसमें वे गंगा स्नान पर जाने के बजाय अपने वचन का पालन करते हुए पनही तैयार करने को प्राथमिकता देते हैं, कर्म निष्ठा और सत्यनिष्ठा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। लोककथाओं के अनुसार, संत रविदास जी के बढ़ते प्रभाव से प्रभावित होकर दिल्ली के शासक सिकंदर लोदी ने उन्हें दरबार में बुलवाया। वहां उनसे धर्म परिवर्तन करने का दबाव डाला गया, परंतु संत रविदास जी अडिग रहे। उन्होंने कहां वेद धरम त्यागू नहीं जो गल चलै कटार॥ उन्होंने शांत भाव से कहा कि सच्ची भक्ति हृदय की होती है, उसे डर या लालच से बदला नहीं जा सकता। संत रविदास जी के मन चंगा तो कठौती में गंगाह्व का संदेश यह बताता है कि पवित्रता स्थान में नहीं, मन में होती है। युवाओं के लिए उनका यह जीवनदर्शन आज भी प्रेरणास्रोत है—कर्म करते रहो, फल अवश्य मिलेगा। उनकी कल्पना का आदर्श समाज दुःख, भेदभाव और अभाव से मुक्त एक समतामूलक व्यवस्था का स्वप्न था। यह केवल आध्यात्मिक कल्पना नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की परिकल्पना थी, जहां सबको अन्न, सम्मान और समान अवसर मिले। आधुनिक समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समावेशी विकास और सबका साथ-सबका विकास की अवधारणा को इसी दृष्टि से जोड़ा गया है, जहां समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं और अवसर पहुंचाने की बात होती है। श्रमिकों, कारीगरों और वंचित वर्गों के सम्मान तथा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाली नीतियों को संत रविदास जी के श्रम-गौरव और अंत्योदय की भावना से प्रेरित माना जाता है कबीरदास जी ने संतों में संत रविदास जी को श्रेष्ठ बताया है, संत रविदास जी अत्यंत विनम्र, निष्कपट और सच्चे भक्ति मार्ग के साधक थे। वे जाति-भेद के विरुद्ध और प्रेम, समानता व मानवता के पक्षधर थे। कबीर और रविदास जी दोनों निर्गुण भक्ति धारा के संत थे, इसलिए उनके विचारों में गहरी समानता मानी जाती है। ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिलै सबन को अन्न, छोट-बड़ो सब सम बसै, रैदास रहै प्रसन्न उनके सामाजिक दर्शन को और स्पष्ट करता है। वे केवल आध्यात्मिक मुक्ति की बात नहीं करते, बल्कि धरती पर ही एक न्यायपूर्ण व्यवस्था का स्वप्न देखते हैं। उनके लिए आदर्श राज वह है जहां किसी को भूख, अभाव या अपमान का सामना न करना पड़े। यहां अन्न जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं का प्रतीक है, जबकि छोट-बड़ों सब सम सामाजिक समानता और जातिगत भेदभाव के अंत का संदेश देता है।

अब जबलपुर में भी चलेगा एनीमिया जागरूकता अभियान

जबलपुर ।

एनीमिया जागरूकता के क्षेत्र में इंदौर से प्रारम्भ हुआ अभियान अब मध्यप्रदेश की सीमाओं को पार कर राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप लेने की दिशा में अग्रसर है। यह जानकारी वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. ए.के. द्विवेदी ने जबलपुर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी। डॉ. द्विवेदी ने बताया कि पिछले 27 वर्षों से सतत रूप से संचालित एनीमिया जागरूकता अभियान को केंद्रीय स्तर पर व्यापक सराहना प्राप्त हुई है। निरंतर जनसेवा, शोध एवं जनजागरूकता के प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत सरकार एवं आयुष मंत्रालय द्वारा उन्हें समय-समय पर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व सौंपे जाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान अब केवल इंदौर तक सीमित न रहकर पूरे मध्यप्रदेश में विस्तार के साथ देशभर में लागू किए जाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

22 फरवरी से 1 मार्च तक इंदौर में विशेष अभियान

डॉ. द्विवेदी ने जानकारी दी कि इस वर्ष इंदौर में एनीमिया जागरूकता अभियान 22 फरवरी से 1 मार्च तक संचालित किया जाएगा। अभियान का समापन एक राष्ट्रीय होम्योपैथी सम्मेलन के रूप में किया जाएगा, जिसमें जबलपुर से होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (म.प्र. शाखा) के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में होम्योपैथी चिकित्सक सहभागिता करेंगे।

इस अभियान में इंदौर सांसद सेवा प्रकल्प मुख्य सहयोगी की भूमिका निभाएगा। अभियान का संचालन आयुष मेडिकल वेलफेयर फाउंडेशन, एडवांस्ड होम्योपैथी सोसायटी तथा सेहत एवं सूरत के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा। प्रशिक्षित चिकित्सा दल द्वारा घर-घर जाकर एनीमिया के लक्षण, रोकथाम एवं

पोषण संबंधी जानकारी दी जाएगी। इस वर्ष अभियान को सफल बनाने में जबलपुर के होम्योपैथी चिकित्सकों का विशेष सहयोग भी प्राप्त होगा।

घर-घर पहुँचेगा जागरूकता संदेश

डॉ. द्विवेदी के नेतृत्व में इस वर्ष अभियान को अधिक व्यापक और जन-जन तक पहुँचने वाला स्वरूप दिया गया है। यह पहल अब अस्पतालों और सभागारों तक सीमित न रहकर सीधे आम नागरिकों के घरों तक पहुँचेगी।अभियान के अंतर्गत एनीमिया के सामान्य लेकिन अक्सर अनदेखे लक्षण लगातार कमजोरी,थकान,भूख न लगना, शरीर में दर्द, चक्कर आना, त्वचा एवं आँखों में पीलापन,के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। आवश्यकता अनुसार निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियाँ एवं हीमोग्लोबिन जाँच की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

पोषण पर विशेष फोकस

पोषण को अभियान का महत्वपूर्ण आधार बनाते हुए भुना चना, गुड़, पिंड खजूर (खारक), किशमिश आदि का वितरण किया जाएगा, ताकि आयरन की कमी को प्राकृतिक, सरल एवं सुलभ तरीकों से दूर करने का संदेश प्रभावी रूप से जनसामान्य तक पहुँच सके।

पूरे प्रदेश में 70 लाख लोगों तक पहुँचने का लक्ष्य

इस वर्ष एनीमिया जागरूकता रथ के माध्यम से पूरे मध्यप्रदेश में 70 लाख से अधिक लोगों तक पहुँचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। चिकित्सा छात्रों की सक्रिय भागीदारी, घर-घर संपर्क एवं ऑन-ग्राउंड स्क्रीनिंग इस अभियान को व्यावहारिक, मानवीय एवं परिणामोन्मुख बनाती है।

आयुष एवं एकीकृत चिकित्सा पर सरकार का जोर

डॉ. द्विवेदी ने कहा कि भारत औषधीय संभावनाओं से समृद्ध देश है। भारत सरकार आयुष आधारित शोध को नई दिशा दे रही है तथा आयुर्वेद एवं होम्योपैथी को निरंतर सशक्त बना रही है। अब सरकारी अस्पतालों में एलोपैथी के साथ-साथ आयुर्वेद एवं होम्योपैथी विशेषज्ञों की नियुक्ति भी की जा रही है, जिससे मरीजों को एक ही स्थान पर एकीकृत चिकित्सा का लाभ मिल सके।

राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण दायित्व

गौरतलब है कि आयुष मंत्रालय द्वारा डॉ. ए.के. द्विवेदी को शिलांग (मेघालय) स्थित नार्थ ईस्टर्न इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद एवं होम्योपैथी की वैज्ञानिक सलाहकार समिति में सदस्य (होम्योपैथी विशेषज्ञ) के रूप में नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त वे वर्ष 2015 से सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में भी सेवाएँ दे रहे हैं। अप्लास्टिक एनीमिया एवं हीमैटोहाइड्रोसिस जैसी दुर्लभ बीमारियों के उपचार में उनकी विशेषज्ञता के कारण देशभर से मरीज उपचार हेतु इंदौर पहुँचते हैं।

जबलपुर के चिकित्सक दे रहे सहयोग

जबलपुर के वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. आर. के. चतुर्वेदी डॉ. आर. के. गुप्ता,डॉ. अवधेश भट्ट,डॉ. अल्केश खत्री,डॉ. तुलाराम लडिया,डॉ. विशाल उपाध्याय, डॉ जी सी जैन प्रेस वार्ता में उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एनीमिया जागरूकता रथ संचालन में डॉ. ए.के. द्विवेदी के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में उत्कृष्ट कार्य किया जाएगा तथा इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा।

माघ मास कल्पवास हवन व पूर्ण आहुति के साथ संपन्न

जबलपुर। अखिल भारतीय मां नर्मदा चैतन्य महाप्रभु लोक कल्याण समिति जबलपुर द्वारा मां नर्मदा की पावन नगरी में निरंतर 11 वर्षों से माघ मास कल्पवास का आयोजन होता आ रहा है, 31 जनवरी दिन शनिवार को प्रातः 9:00 बजे से पंडित मनमोहन दुबे के मुखारबिंद से सीताराम आश्रम भेड़ाघाट में माघ मास कल्पवास के समापन पर सर्वप्रथम विघ्नहर्ता गौरी गणेश की पूजन के पश्चात वैदिक मित्रों के साथ शुद्ध घी पकवान मेवा से यज्ञ हवन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम मनोहर पटेल ने बताया हनुमान जी महाराज की सूक्ष्म उपस्थिति में पौष पूर्णिमा दिनांक 03 जनवरी 2026 से सीताराम आश्रम में कल्पवासी एक माह तक प्रातः ब्रह्ममुहूर्त की अमृत बेला में उठकर नर्मदा तट में स्नान कर भजन संकीर्तन बालभोग, भोजन प्रसादी, श्रीमद् भागवत महापुराण नर्मदा पुराण महाआरती, संपन्न हुआ, कल सीताराम आश्रम में विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है एवं अखिल भारतीय मां नर्मदा चैतन्य महाप्रभु लोक कल्याण समिति जबलपुर द्वारा प्रत्येक पूर्णिमा में विशाल भंडारा आयोजित किया जावेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम मनोहर पटेल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहित तिवारी, सुरेश विश्वकर्मा, नितिन चौबे, दुर्गेश कुमार, प्रभाकर चतुर्वेदी, सुनील नामदेव, रंजीत राय, विशाल पंड्या आदि उपस्थित रहे।

499वी नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा 21 जत्थों में निकली

परिक्रमा मार्ग में नर्मदे हर से अंकित ध्वजों को लेकर निकले भक्त

जबलपुर। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में माघ पूर्णिमा के अवसर पर आज सुबह 5 बजे से 499 वी नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा भेड़ाघाट में 21 समूहों में विभिन्न संकीर्तन मंडलों के साथ संपन्न हुई संतो ने कहा जो भक्त पूरी परिक्रमा नहीं कर पाते वह पंचकोसी परिक्रमा करके पुण्य लाभ कमाते हैं। परिक्रमा का नेतृत्व किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर साक्षीनंद गिरी दीदी ने की। आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज ने बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण प्रसाद स्वरूप वितरण किया। नर्मदा पंचकोशी पंचवटी 64 योगिनी धुआंधार कल्याण तपोवन लामेटा घाट नाव पार करके शनि मंदिर डुडुवारा इमलिया न्यू भेड़ाघाट

होते हुए सिद्धन माता जी के सामने से नाव पार करके हरे कृष्णा आश्रम में विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक श्रीमती सुषमा शंकर पटेल श्रीमती मीना पटेल विनोद दिवान दुर्गा पटेल मनोज गुलाबवानी गुड्डू नेता विनोद विश्वकर्मा शिवकुमार पटेल सत्यप्रकाश नामदेव पप्पू चौबे छन्नू राम पटेल आदि उपस्थित थे।

शैक्षिक संवाद का हुआ समापन

जबलपुर। जन शिक्षा केंद्र बेलबाग जनपद शिक्षा केंद्र नगर 02 के अंतर्गत शैक्षिक संवाद का आयोजन किया गया जो कि विषय प्रभावी पुनरावृत्ति पर आधारित था जिसमें समस्त स्कूलों के शिक्षकों के द्वारा सहभागिता की गई। शैक्षिक संवाद शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाने में होने वाली समस्याओं तथा उसका उपाय शिक्षकों ने खुद ही बताया। विभिन्न-विभिन्न विधि के माध्यम से बच्चों को शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाए जिससे कि बच्चों को फायदा हो, शिक्षकों ने शैक्षिक संवाद का भरपूर फायदा लिया और आगे भी अगले वर्ष संवाद जारी रहे और इसे शिक्षण सत्र प्रथम माह से हो ऐसी आशा की गई है। जिला प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रशिक्षित सहज करता जनशिक्षक राजकुमार जाटव और गजाला परवीन ने माध्यमिक और रवि तनु अग्रवाल ने प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण दिया।

खेलो एम.पी. यूथ गेम्स में जबलपुर टीम ने जीता रजत पदक

जबलपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में आयोजित खेलो एम.पी. यूथ गेम्स (बालक वर्ग) की प्रतियोगिताएँ 27 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक भोपाल में आयोजित की गईं। इस प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के 32 जिलों की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल में भोपाल ने ग्वालियर को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में जबलपुर और मंदसौर के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें जबलपुर टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंदसौर को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल मुकाबला भोपाल और जबलपुर के बीच खेला गया। कड़े संघर्षपूर्ण मैच में जबलपुर टीम ने उत्कृष्ट खेल भावना और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया।

इस शानदार उपलब्धि पर मध्यप्रदेश हॉकी संघ के सचिव लोक बहादुर एवं जिला खेल

अधिकारी आशीष पाण्डेय ने जबलपुर टीम के कोच अकबर खान तथा समस्त खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।टीम से जुड़े सभी अधिकारियों, कोचिंग स्टाफ एवं खिलाड़ियों ने इस उपलब्धि पर हर्ष एवं उल्लास व्यक्त किया। यह सफलता न केवल जबलपुर जिले बल्कि समूचे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

प्राध्यापक संघ ने डॉ. रामकुमार रजक का किया सम्मान

जबलपुर। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ, जबलपुर संभाग द्वारा शासकीय सेवापूर्ण करने पर डॉ. रामकुमार रजक, प्राचार्य, शासकीय ओएफके (खमरिया) महाविद्यालय, जबलपुर का पुष्पगुच्छ एवं शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। संभागीय अध्यक्ष प्रो. अरुण शुक्ल ने बताया कि डॉ. रामकुमार रजक अपने अध्यापन कार्य में अपने विद्यार्थियों एवं सहकर्मियों के बीच अपनी सहजता, मिलन सारिता एवं हँसमुख स्वभाव के कारण लोकप्रिय हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने ज्ञान से हमेशा दिशा-दर्शन दिया है। इस अवसर पर डॉ. शैलेन्द्र श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष, प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ, जबलपुर, प्राचार्य डॉ. समीर शुक्ला, डॉ. आभा तिवारी, डॉ. रीता भंडारी, डॉ. प्रतिमा दीक्षित, डॉ. आरपीएस चंदेल, डॉ. भरतेश भारिल्ल, डॉ. एन.एल. जैन, डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. सुनील लखेरा, डॉ. राम अग्रवाल के साथ प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वॉकाथॉन के जरिए किया आर्थराइटिस के प्रति जागरुक

जबलपुर। डॉ. अमित जैन के नेतृत्व में रविवार को शहर में वॉकाथॉन 6.0 का आयोजन किया गया। वॉकाथॉन 6.0, जो कि आर्थराइटिस जागरूकता रैली, उन मरीजों के लिए आयोजित की गई थी जिन्होंने आर्थराइटिस से लड़ाई लड़ी और जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी कराने के बाद आज आत्मनिर्भर होकर अपने दैनिक कार्य कर रहे हैं, दर्द मुक्त जीवन जी रहे हैं। ऐसे मरीजों को मोटिवेशन और प्रोत्साहन देने के लिए उनके साथ कदम से कदम मिलाकर रविवार 01 फरवरी 2026 को सुबह 7:30 बजे एक वॉकाथॉन 6.0 का आयोजन बोन और जॉइंट वेलनेस क्लिनिक से आरंभ होकर, गोल बाजार का एक राउंड लगाकर वापस क्लिनिक में ही इसका समापन किया गया। इसमें लगभग 500 पोस्ट जोइंट रिप्लेसमेंट मरीज के साथ हजारों लोग शामिल हुए। शामिल हुए लोगों ने संदेशों के जरिए आर्थराइटिस के लिए जागरूक किया। इस रैली से यह भी संदेश दिया गया कि कोई भी इस बीमारी से घबराए

नहीं, डरें नहीं और दर्द मुक्त जीवन जिएं। इस वॉकाथॉन की खास बात यह रही कि घुटने एवं कूल्हे के ऑपरेशन कराने वाले लगभग 500 मरीजों ने इसमें भाग लिया और उन्हें टी-शर्ट, मेडल, प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। डॉ. अमित जैन द्वारा आयोजित यह वाकथॉन का 6वां सत्र था। ज्ञात हो डॉ. अमित जैन (कोटवाले) वरिष्ठ जोड़ प्रत्यारोपण सर्जन अब तक 23,500 से भी अधिक मरीजों की सफल जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी कर चुके हैं और अपने क्लिनिक बोन एंड जॉइंट वेलनेस क्लिनिक, जो कि गोल बाजार में ओमेगा चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल के बगल में स्थित है, वहाँ से यूपी, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड से भी आए मरीजों को स्वास्थ्य लाभ एवं उच्च गुणवत्तायुक्त सफल उपचार दे रहे हैं। आज के इस कार्यक्रम में डॉ. अमित जयकुमार जैन कोटवाले (डायरेक्टर ऑफ बोन और जॉइंट वेलनेस क्लिनिक), डॉ. चाँदनी, डॉ. अजय भंडारी और श्रीमती भंडारी, राधेलाल गुप्ता, रवींद्र वाजपेयी, ठाकुर शैलेन्द्र सिंह, सचिन जैन (लालू भैया), शिलांग नेत्रहीन/ दृष्टिबाधित छात्राएं एवं शहर के लगभग 500 मरीज और अन्य गणमान्य नागरिक और बोन एंड जॉइंट वेल्नेस क्लिनिक स्टाफ उपस्थित रहे।

श्री विश्वकर्मा महिला महासंगठन ने समाज हित में काम करने की ली शपथ

जबलपुर। नववर्ष के अवसर पर श्री विश्वकर्मा महिला महासंगठन ने लोहड़ी और मकर संक्रांति की थीम पर पिकनिक का आयोजन किया जिसमें संगठन की महिलाओं ने नई सोच के साथ नए साल में समाजहित में कार्य करने की शपथ ली।इस अवसर पर संगठन द्वारा आगामी वर्ष के लिए नए कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई तथा महिला सशक्तिकरण को लेकर नई रणनीति तय की गई। संगठन की पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। नया वर्ष संगठन के लिए नई दिशा और नई ऊर्जा लेकर आया है। कार्यक्रम का समापन संगठन को और मजबूत बनाने के संकल्प के साथ किया गया।

कविताएं अन्तर्लोक से वाह्य लोक की यात्रा करते हुए बन जाती हैं समाज का दिग्दर्शक

डॉ. सुरेंद्र लाल साहू निर्विकार की तीन कृतियों का हुआ विमोचन

नारी जीवन के तप त्याग की कविताएं

जबलपुर। पाथेय संस्था के तत्वावधान में डॉ. सुरेंद्र लाल साहू 'निर्विकार' की तीन कृतियां 'हे नारी के आद्य सुमन' खंडकाव्य,'यात्रा अन्तर्लोक की' एवं 'शब्द-शब्द गलहार' काव्य संग्रह का विमोचन मानकुंवरबाई स्वशासी महिला महाविद्यालय के सभागार में सम्पन्न हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. इला घोष थीं। अध्यक्षता महामहोपाध्याय डॉ. हरिशंकर दुबे ने की। महाकवि आचार्य भगवत दुबे ने मंगलभाव व्यक्त किये। सारस्वत अतिथि महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. स्मृति शुक्ला थीं। डॉक्टर शिव कुमार सिंह ठाकुर ने समीक्षा आलेख प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि डॉ. इला घोष ने कहा कि 'हे नारी हे आद्य सुमन' कृति में नारी के तप, त्याग, समर्पण का भावपूर्ण चित्रण है। यह खंडकाव्य नारी जीवन का दर्शन है। अध्यक्षता कर रहे डॉ. हरिशंकर दुबे ने

कहा कि कविताएं अन्तर्लोक से वाह्य लोक की यात्रा करते हुए समाज का दिग्दर्शक बन जाती हैं। आचार्य भगवत दुबे ने कहा कि कवि ने अपनी कविताओं में सभी बिंदुओं को शामिल किया है। डॉ. स्मृति शुक्ला ने कहा कि कविताओं की भाव भूमि जीवन और जगत की विविधताओं से जुड़ी है। राजेश पाठक प्रवीण ने कवि निर्विकार के व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रकाश डाला। डॉ. नूपुर निखिल देशकर के संयोजन में महाविद्यालय की छात्राओं ने कविताओं का संगीतबद्ध प्रस्तुतिकरण किया। डॉ. नीना उपाध्याय के संयोजन में अनेक छात्राओं ने समीक्षात्मक आलेख प्रस्तुत किये। प्रारंभ में प्रतुल श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। समारोह में साधना साहू को डॉ. छाया सिंह, डॉ. मुकुल तिवारी, अर्चना द्विवेदी, सुमनलता श्रीवास्तव, डॉ. आशा श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। वरिष्ठ साहित्यकार अमरेंद्र नारायण, निरंजन द्विवेदी, सुभाष शलभ, गुप्तेश्वर गुप्त, गणेश प्यासा, सुरेश विचित्र, डॉ. आशा श्रीवास्तव, मीना भट्ट, निर्मिला तिवारी, मनोज शुक्ल, किरण वाजपेयी, इंद्रकुमार साहू, सुवीर श्रीवास्तव, डॉ. निशा साहू, डॉ. महेंद्र जैन, विनोद साहू, प्रशांत साहू, रमाकान्त गौतम, हरिओम हजारी, इंजी. विकास खंडेलवाल ने किया। संचालन राजेश पाठक प्रवीण एवं आभार राजेन्द्र मिश्रा ने किया। समारोह में वर्तिका संस्था एवं मंथनश्री की सहभागिता रही।

तीन शिक्षकों के ऊपर शाला की जिम्मेदारी

शासकीय उर्दू माध्यमिक शाला मोती नाला की शैक्षणिक व्यवस्था चरमराई

जबलपुर। जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन ने बताया की शासकीय उर्दू माध्यमिक शाला मोती नाला जबलपुर में कक्षा एक से आठ में लगभग 131 विद्यार्थी दर्ज हैं एवं 6 शिक्षक कार्यरत हैं शाला से तीन शिक्षकों को **BLO** में संलग्न कर दिया गया है, जिससे मात्र तीन शिक्षकों के ऊपर ही पूरी शैक्षणिक जिम्मेदारी है, आश्चर्य की बात यह है कि शाला 98 मध्य विधानसभा के अंतर्गत आती है, जबकि शिक्षकों को 97 पूर्व में संलग्न किया है जो नियमानुसार गलत है निर्वाचन आयोग के निर्देश हैं कि कर्मचारियों को संस्था के आसपास ही **BLO** बनाया जाना ठीक है जिससे शैक्षणिक व्यवस्था भी सुचारू रूप से चलती रहे। इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया है, मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन ने कलेक्टर से यह मांग की है कि की हर संस्था से एक या दो कर्मचारियों की सेवाएं ली जाएं जिससे **SIR** प्रक्रिया भी बाधित न हो और शैक्षणिक व्यवस्था में व्यवधान भी उत्पन्न न हो। संगठन के दिनेश गोंड, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, गुडविन चार्ल्स, सुरेंद्र चौधरी, राजकुमार यादव, एनोस विक्टर, संतोष चौरसिया, धनराज पिल्ले, सुधीर अवधिया, गोपिशाह, राकेश गुप्ता, दीपेश जैन, फिलिप एंथोनी, विनोद सिंह आदि ने मांग की है।

आगासौद में रामकथा का हुआ समापन

जबलपुर। समीपस्थ ग्राम आगासौद पाटन रोड में 28 जनवरी से जारी श्री रामकथा का समापन 01 फरवरी को भंडारा, कन्या भोज, भरत मिलाप के साथ हुआ। यह आयोजन पिछले 11 वर्षों से लगातार होता आ रहा है, जिसमें सभी समिति सदस्य और ग्रामवासियों के अलावा शहर निकटवर्ती ग्रामों का सहयोग प्राप्त हुआ। कथा वाचक जगद्गुरु विष्णु देवाचार्य मिथिला पीठाधीश्वर मंदिर नेपाल और संध्या तिवारी (मानस मोहिनी) ओरछा म.प्र. ने रामरस की वर्षा की। आयोजन ठा. सुभाष सिंह अध्यक्ष गौर- सनातन धर्म सभा शहपुरा एवं क्षत्रिय समाज संगठन के अध्यक्ष ठा. रज्जन सिंह बैस एवं साथियों द्वारा संपन्न हुआ। इस मौके पर ठा. रमेश सिंह सेंगर, सरकार सिंह, प्रेम सिंह सिसौदिया, पं. रुद्रदत्त दुबे 'काका' जी, नारायण दास पाण्डेय, प्रकाश सिंह मनिगुर्जर आदि उपस्थित रहे।

क्या मीम्स बनाने वालों को बजट समझ आया?

वैसे तो हर बजट पर मीम्स बनते हैं। पर, इस बार मीम्स की बाढ़ नहीं आई क्योंकि, बजट तत्काल प्रभाव देने वाला नहीं है। वह दूरगामी प्रभाव का बजट है। इसलिए, मीम्स कम्युनिटी को बजट जल्दी और ठीक से समझ नहीं आया। यानि, हमारी वित्त मंत्री मीम्स वालों की तीखी प्रतिक्रियाओं से फिलहाल बच गईं। पर, जितना भी बजट समझ आया, इन मीम्स वालों ने उसका अपने अंदाज में आनंद लिया। आप भी लीजिएगा।

सोशल मीडिया पर वित्त मंत्री सीतारमण का प्रतीकात्मक मीम्स दिनभर वायरल होता रहा। लोगों ने देखा और अपनी अपनी प्रतिक्रियाएं दीं कहा- दीदी कह रहीं हैं लो अब आप जानो

आज पूरे दिन निर्मला ताई ही चर्चा में रहीं हैं क्यों?

बल्ले-बल्ले

यही तो...

बजट-2026 पर मीम्स के माध्यम से कुछ व्यंग्यात्मक प्रतिक्रियाएं

ओए... चूना लगा दिया रे...

ये... ले और चाहिए तो बता देना बहुत माल है... अपने पास....

अब तो पैसा ही पैसा है भैया

सिगरेट पर 40% जीएसटी

का कहें भैया... बहुत मारे हैं

मैं तो टैक्स लूंगी, मेरा थैला तो भर गया, अब तुम जानो भैया

अब तो बल्ले-बल्ले आएगा ही आएगा

बजट के बाद बीड़ीबाजों की हालत में भी परिवर्तन दिखाई दिया

बजट से पहले

बजट के बाद

ज्यादा भौंक रहे हो, बताऊं क्या....

ये मीम्स भी खूब वायरल हुआ। कुत्तों का झुंड भौंकने लगा तो फायरिंग कर चुप करा दिया

बजट से किस पर क्या असर होगा

चांदी में निवेश करने वाले

सोने में निवेश करने वाले

निवेशकों पर बजट का असर

दैनिक कारोबारियों का हाल भी कुछ इस तरह बयां किया गया

लंबे समय तक निवेश करने वालों की हालत इस तरह दिखी

उद्योगपति मुकेश अंबानी बजट पर शर्माए, निर्मला बोलीं-ठीक

कवियों की नजर में बजट

विकसित भारत के लक्ष्य की बात

नीतेश व्यास
भोपाल

विकसित भारत के
लक्ष्य की बात।

2026 के बजट में
सरकार की सौगात।

आत्मनिर्भर भारत की
संकल्पित चाह।

राष्ट्रीय फाइबर
योजना से बनेगी राह।

कैंसर जैसी दुर्लभ
बीमारियों से जल्द मिले
आराम।

नए बजट में सरकार
ने सस्ते किए दवाओं
के दाम।

इलेक्ट्रिकल व्हीकल
सोलर पैनल ग्रीन
एनर्जी को मिला दम।

ऐसे उपकरणों के
उत्पादन बढ़े इसलिए
हुई ड्यूटी कम।

महात्मा गांधी ग्राम
स्वराज शुरू करने का
प्रस्ताव।

खादी, हथकरघा,
हस्तशिल्प कला की
मजबूती में दिखेगा
प्रभाव।

न्यूक्लियर पावर
प्रोजेक्ट्स में भी
दिखेगी ब्यूटी।

आयातित उपकरणों
पर नहीं लगी कस्टम
ड्यूटी।

बजट न डराता है, न हंसाता है

डॉ.संदीप शर्मा
धार

*बजट ऐसा आया है कि न टैक्स पूरी तरह डराता है
न पूरी तरह हंसाता है
मध्यम वर्ग की आदत के अनुसार संयम में
खुश रहना सिखाता है
फिर जेब हल्की होने की तैयारी है
पर हां - इरादे बहुत भारी हैं
पीड़ा पर कर का भार नहीं है
कम यह भी उपहार नहीं है
सस्ते रेशम, जूट की बात
राहें कठिन, पर सस्ते बूट की सौगात
यह नहीं कह सकते कि विकास का मौका नहीं है
सपने बढ़े हैं इरादों में धोखा नहीं है*

विश्व इतिहास की सबसे खूबसूरत और ताकतवर रानियां... जिनके जलवे ऐसे कि दुनिया हुई दीवानी

दुनिया में रॉयल परिवारों की धूम रही है और ये परिवार खास तौर पर इसलिए चर्चा में रहे हैं क्योंकि इन परिवारों की महिलाएं न सिर्फ बेहद सुंदर थीं बल्कि ताकतवर और प्रभावशाली भी रहीं। इनमें से कुछ अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन अपने निधन से पहले ये अपनी खूबसूरती से अमर हो गई हैं। कुछ रानियां अभी भी सुंदरता, प्रभावशालीता और बुद्धिमानी की प्रतिमूर्ति बनी हुई हैं। इन शक्तिशाली महिलाओं ने लैंगिक समानता का मार्ग प्रशस्त किया और उनकी विरासतें हर किसी को प्रेरित करती हैं। ऐसी ही कुछ बेहद खूबसूरत और प्रभावशाली रानियों के बारे में आपको बता रहे हैं।

महारानी गायत्री देवी

जयपुर की राजकुमारी गायित्री देवी अपनी सुंदरता और शालीनता के लिए दुनियाभर में मशहूर हुईं। वोग पत्रिका द्वारा उन्हें दुनिया की सबसे खूबसूरत महिलाओं में से एक घोषित किया गया था। उनका जन्म 23 मई, 1919 को लंदन में हुआ। वह कूच बिहार के राजकुमार जितेंद्र नारायण और बड़ौदा की राजकुमारी इंदिरा राजे की बेटी थीं। जयपुर के महाराजा सवाई मान सिंह II से विवाह के बाद वे जयपुर की महारानी बनीं। 29 जुलाई, 2009 को 90 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

राजकुमारी डायना

वेल्स की दिवंगत राजकुमारी ने अपने आकर्षण, फैशन और दयालुता से दुनिया को मोहित कर लिया और एक प्रतिष्ठित हस्ती बनी रहीं। राजकुमारी डायना एक समाजसेवी, स्टाइल आइकन और 20वीं सदी की सबसे प्रभावशाली हस्तियों में से एक थीं। हालांकि उन्होंने अपना अधिकांश जीवन चकाचौंध और कड़ी निगरानी में बिताया। फिर भी वे सबकी चहेती बनीं। राजकुमारी डायना की मौत 31 अगस्त, 1997 को पेरिस में एक कार दुर्घटना में हुई थी।

क्लियोपेट्रा VII

रोमनों के सत्ता संभालने से पहले मिस्र के अंतिम फराओ का अपने शासनकाल में काफी प्रभाव था। उनकी पत्नी क्लियोपेट्रा रोमन सेनापतियों के साथ अपने संबंधों के लिए जानी जाती थीं और उन्होंने तीन बच्चों को जन्म दिया। अपने पति और रोमन सेनापति मार्क एंटनी की आत्महत्या के बाद क्लियोपेट्रा ने सांप से खुद को कटाकर आत्महत्या कर ली। क्लियोपेट्रा बुद्धिमान और राजनीतिक रूप से कुशल थीं, और 17 वर्ष की आयु में मिस्र की सत्ता में आ गईं। उन्हें देवी के समान पूजा जाता था। उनकी मृत्यु के बाद, मिस्र साम्राज्य पर रोमनों का कब्जा हो गया।

नेफरटिटी

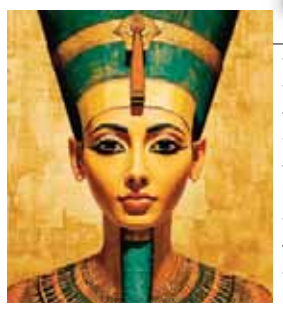

प्राचीन मिस्र की रानी नेफरटिटी अपनी सुंदरता के लिए मशहूर थीं। 14वीं शताब्दी में नेफरटिटी मिस्र की रानी बनीं और उन्होंने मिस्र के धार्मिक बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके तहत अनेक देवताओं की पूजा से हटकर केवल सूर्य देवता अतोह की पूजा की जाने लगी। उनके नाम का अर्थ है 'एक सुंदर स्त्री आ गई है'। वे बेहद खूबसूरत थीं, उनका शरीर सुडौल और चेहरा बेहद आकर्षक था। उन्होंने अपने पति की सह-शासिका के रूप में कार्य किया, उनके छह बच्चे थे।

स्पेन की रानी लेटिजिया

स्पेन की क्वीन लेटिजिया अपने खास स्टाइल, फिटनेस और शाही कर्तव्यों के प्रति समर्पण के लिए जानी जाती थीं। लेटिजिया ओर्टिज रोकासोलानो का जन्म 15 सितंबर 1972 को हुआ था और वह स्पेन की रानी हैं और राजा फेलिप VI की पत्नी हैं। उन्होंने एबीसी और ईएफई में पत्रकार के रूप में काम किया और बाद में सीएनएन+ और टेलीविजन एस्पानोला में समाचार एंकर भी बनीं।

जॉर्डन की क्वीन रानिया

जॉर्डन की क्वीन रानिया अल-अब्दुल्ला दुनिया की सबसे खूबसूरत और प्रभावशाली रानियों में गिनी जाती हैं। मुस्लिम देश की होने के बावजूद वे कभी भी हिजाब या बुर्के में नजर नहीं आती हैं। क्वीन रानिया की मौकों पर साफ कह चुकी हैं कि इस्लाम में पर्दा जबरदस्ती नहीं, बल्कि व्यक्तिगत पसंद का विषय है। पश्चिमी और आधुनिक परिधानों में वह पूरे आत्मविश्वास के साथ सार्वजनिक मंचों पर नजर आती हैं। अपनी बात खुलकर रखना उनकी पहचान है।

दुनिया का सबसे महंगा कीड़ा यार्सागुंबा

कीमत है 20 लाख रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली। हिमालयी वियाग्रा के नाम से मशहूर यार्सागुंबा दुनिया का सबसे महंगा कीड़ा कहलाता है। इस कीड़े की कीमत 20 लाख रुपये प्रति किलो तक है। यह कीड़ा ओफियोकोर्डिसेप्स साइनेन्सिस नामक फंगस और कैटरपिलर का अनूठा मिश्रण है, जो परजीवी के रूप में पनपता है। नेपाल, तिब्बत और भारत के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में पाया जाता है, जहां गर्मियों में लोग इसे इकट्ठा करते हैं। तस्करी और ब्लैक मार्केट में भारी मांग के कारण इसकी कीमत आसमान छूती है।

यार्सागुंबा कोई आम कीड़ा नहीं है, बल्कि यह एक कीड़े और फंगस का मिलाजुला रूप है। यह ओफियोकोर्डिसेप्स साइनेन्सिस नाम के फंगस द्वारा बनता है, जो कैटरपिलर की बॉडी में परजीवी की तरह पनपता है। ये कीड़े हिमालय की बर्फीली पहाड़ियों जैसे उत्तराखंड, सिक्किम, नेपाल और तिब्बत में मिलते हैं।

यारशागुंबा की कीमत

यार्सागुंबा की कीमत बाजार में 20 लाख प्रति किलो तक जा सकती है। इसकी इतनी ऊंची कीमत की सबसे बड़ी वजह है इसकी दवा के रूप में लोकप्रियता। यह पारंपरिक चीनी और तिब्बती चिकित्सा में यौन आकर्षण बढ़ाने, थकान दूर करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए इस्तेमाल होता है। यही कारण है कि चीन, जापान और कोरिया में इसकी जबरदस्त डिमांड है। इस कीमती कीड़े की डिमांड इतनी ज्यादा है कि इसकी अवैध तस्करी अब चिंता का विषय बन चुकी है। कई देशों ने इसके संग्रहण और बिक्री पर नियम बनाए हैं, फिर भी ब्लैक मार्केट में इसकी तस्करी धड़ल्ले से होती है।

ये है दुनिया की सबसे महंगी साड़ी, जितनी सुंदर उतनी खास

नई दिल्ली। भारतीय महिलाओं का पारंपरिक परिधान व पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो रहा साड़ियों का चलन इनकी कीमतों पर दिन पर दिन इजाफा करता जा रहा है। इस दौरान दुनिया की सबसे महंगी साड़ी का जिक्र करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह साड़ी, जिसका मूल्य 39.3 लाख रुपये है, विवाह पट्टु कंजीवरम है। इसे चेन्नई सिल्क द्वारा बनाया गया है और यह राजा रवि वर्मा की कला से प्रेरित है। इस साड़ी में सोने, हीरे, चांदी और उच्च गुणवत्ता वाले रेशम का उपयोग किया गया है। यह साड़ी हाथ से बुनी गई है और इसमें डबल वॉर्प तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसमें 64 रंगों और 10 अनोखे डिज़ाइन शामिल हैं, और इसका वजन लगभग आठ किलोग्राम है। इस साड़ी में कई कीमती धातुएँ और रत्न शामिल हैं, जैसे सोना, हीरा, प्लेटिनम, चांदी, रूबी, पन्ना, नीलम और मोती। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें 59.7 ग्राम सोना, 3.9 कैरेट हीरा और 5 कैरेट नीलम का उपयोग किया गया है।इस साड़ी को गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सबसे महंगी साड़ी के रूप में मान्यता प्राप्त है और इसे 5 जनवरी 2008 को 39, 31,627 रुपये में बेचा गया था। इसे बनाने में लगभग 4,760 मानव-घंटे लगे, जिसमें 36 बुनकर शामिल थे। इस साड़ी की विशेषता यह है कि इसमें राजा रवि वर्मा की 11 पेंटिंग्स की प्रतिकृतियाँ शामिल हैं।

गैलेक्सी ऑफ म्यूजिशियन्स का विवरण

'गैलेक्सी ऑफ म्यूजिशियन्स' में 11 महिलाएँ एक संगीत प्रदर्शन में भाग लेती हुई दिखाई देती हैं। प्रत्येक महिला अलग-अलग पारंपरिक वस्त्र पहने हुए है, जो विभिन्न समुदायों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसमें एक महिला, एक नायर मुण्डु पहने महिला और एक मराठी शैली की साड़ी पहने महिला शामिल हैं।

साड़ी के दो संस्करण : इस साड़ी के दो संस्करण बनाए गए थे। एक संस्करण को बेंगलुरु के एक व्यवसायी ने अपनी 10वीं शादी की सालगिरह पर खरीदी, जबकि दूसरा संस्करण 2009 में कुवैत के एक व्यवसायी द्वारा खरीदा गया। इस प्रकार, विश्व साड़ी दिवस 2025 के अवसर पर, इस अद्वितीय और महंगी साड़ी का जिक्र करना एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो भारतीय संस्कृति और शिल्प कौशल को दर्शाता है।

लोग पहन रहे हैं खाने जैसे दिखने वाले जूते

जापान अपने अतरंगी फैशन के लिए दुनियाभर में मशहूर है और इसका सबूत एक नए उत्पाद से भी मिल रहा है। दरअसल, यहां खाने जैसे दिखने वाले बूट्स बनाए जा रहे हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है, मानो ये असल में खाने लायक जूते हैं। इन्हें ताइवान के एक खास व्यंजन से प्रेरित हो कर बनाया गया है। आइए इन विचित्र बूट्स के बारे में विस्तार से जानते हैं।

किस व्यंजन से प्रेरित हैं ये बूट्स?

इन बूट्स को जापान के टोकोरोजावा शहर की सरकार ने बनवाया है और ये ताइवानी पकवान 'लू रोउ फैन' से प्रेरित है। यह ताइवान के सबसे मशहूर व्यंजनों में से एक है, जिसे ब्रेज्ड चावल भी कहते हैं। इसमें सोया सॉस और कुछ अन्य सॉस में भीगे हुए चावल शामिल होते हैं, जिन्हें सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों के साथ परोसा जाता है। इन बूट्स को होमटाउन टैक्स सिस्टम द्वारा एक प्रीमियम तोहफे के तौर पर पेश किया गया।

ऐसी है ताइवानियों की प्रतिक्रिया

इन बूट्स को एक प्रतिभाशाली कलाकार अपने हाथों से बनाता है। सभी बूट्स को पहनने वाले व्यक्ति के साइज के मुताबिक कस्टमाइज किया जाता है। इन्हें तैयार करने में और लोगों के घर तक डिलीवर करने में कम से कम 2 महीने का समय लगता है। इन बूट्स ने ताइवान के लोगों को हैरत में डाल दिया है, जो मिली-जुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कोई इन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बना बता रहा है तो कोई इनका मजाक बना रहा है।

एक-एक चावल का दाना लगता है असली

टोकोरोजावा सरकार ने इन बूट्स को बनाने के लिए एक स्थानीय फूड मॉडलिंग कंपनी 'फेक फूड हातानाका' से हाथ मिलाया था। यह कंपनी खाने जैसी दिखने वाली कई चीजें बनाती है। इन्हें जापानी फूड मॉडल तकनीक का इस्तेमाल करके बनाया गया है और चावल का एक-एक दाना असली लगता है।

क्या होता है होमटाउन टैक्स सिस्टम?

होमटाउन टैक्स सिस्टम का कानून जापान में 2008 में बनाया गया था। इसके तहत शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों को अपनी कमाई और टैक्स का कुछ हिस्सा ग्रामीण इलाकों में भेजने की इजाजत होती है। इसके बदले उन्हें रकम और टैक्स, दोनों पर टैक्स क्रेडिट मिलता है। यह कानून ग्रामीण और शहरी इलाकों के बीच के आर्थिक अंतर को कम करना था। ये बूट्स 68 हजार रुपये के दान के बदले 'रिटर्न गिफ्ट' के तौर पर उपलब्ध हैं।

दाम का इतना ज्यादा कम होना कारोबारियों के साथ निवेशकों के भी समझ से बाहर

अजूबा चांदी... चार लाख के पार जाकर 48 घंटे में 2 लाख 95 हजार पर फिसली, फिर सुधरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बजट के बाद थोडी सुधरी चांदी इससे पहले 48 घंटों में 118000 हजार कम होकर शनिवार की शाम को जीएसटी के साथ दाम 295000 हो गई थी। जबकि शुक्रवार को 82700 रुपए दाम कम हुए थे। चांदी के दाम गुरुवार को बाजार बंद होने पर 4 लाख 13 हजार 700 रुपए थे। इस दाम में शुक्रवार की शाम को छह बजे 71700 रुपए की कमी आ गई और दाम 3 लाख 42000 हो गए। इसके एक घंटे बाद सात बजे जब दाम खुले तो दाम और 11 हजार कम होकर दाम 3 लाख 31000 रुपए हो गए। आधे घंटे बाद दाम में 9 हजार की तेजी आई और दाम 33900 हो गए।

अलग खबर

रात को 84 हजार का झटका

शुक्रवार की रात को 12 बजे चांदी के दाम ने 84 हजार का झटका दे दिया और दाम 255000 हो गया। हालांकि ये दाम ज्यादा समय तक नहीं रहा। इसके बाद पहले दाम तीन लाख और फिर दाम तीन लाख पांच हजार हो गए। शनिवार की सुबह को दाम तीन लाख पांच हजार रहे। ये दाम शाम होते-होते दो लाख 95 हजार हो गए। शनिवार को तो सुबह से लेकर शाम तक दाम दस हजार ही घटे, लेकिन गुरुवार से लेकर शनिवार की शाम तक के 48 घंटों में दाम एक लाख 18 हजार टूटे। सराफा कारोबारी हरख मालू के मुताबिक इतने कम समय में पहले कभी इतने दाम कम ज्यादा नहीं हुए हैं।

राशिफल

मेष मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृष आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न

मिथुन किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।

वृश्चिक मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।

धनु आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मकर क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।

मीन पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।

हम नहीं सुधरेंगे... कारोबारी से हुक्का गोगो रोल जब्त, पहले भी हो चुकी जब्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजीव नगर निवासी अशोक मदानी के निवास में पुलिस ने दबिश देकर घर के अंदर स्टोर कर रखे हुक्का, हुक्का सामग्री के साथ गांजा पीने के लिए इस्तेमाल रोल पेपर जब्त किया है। घर के अंदर से भारी मात्रा में प्रतिबंधित सामान मिलने पर पुलिस ने कारोबारी से वैध पेपर की मांग की, तो कारोबारी पुलिस के सामने किसी तरह से वैध पेपर पेश नहीं कर पाया और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की।

खबर का असर

तीन दिन पूर्व पुलिस कमिश्नर ने लगाई है रोक

गांजा पीने के काम आने वाला किसी भी तरह के पेपर तथा अन्य सामान की खरीदी बिक्री करने पुलिस कमिश्नर ने तीन दिन पूर्व ही रोक लगाने आदेश जारी किया है। रोक के बाद भी कारोबारी के मकान में प्रतिबंधित सामान मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई की है। बताया जा रहा है, कारोबारी शहर के अन्य छोटे दुकानदारों के साथ पान ठेला में गोगो पेपर तथा हुक्का का तंबाखू के साथ पीने के लिए इस्तेमाल समान की खरीदी-बिक्री करता था। इन प्रतिबंधित समान के कारोबारी पर तय कीमत से कई गुना ज्यादा मुनाफा लेकर खरीदी-बिक्री करने का आरोप है।

आवश्यकता
आवश्यकता है - सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- श्रीसाई सिक्युरिटी सर्विस, साई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291 (रायपुर /03/फरवरी 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

शब्द पहेली - 6126

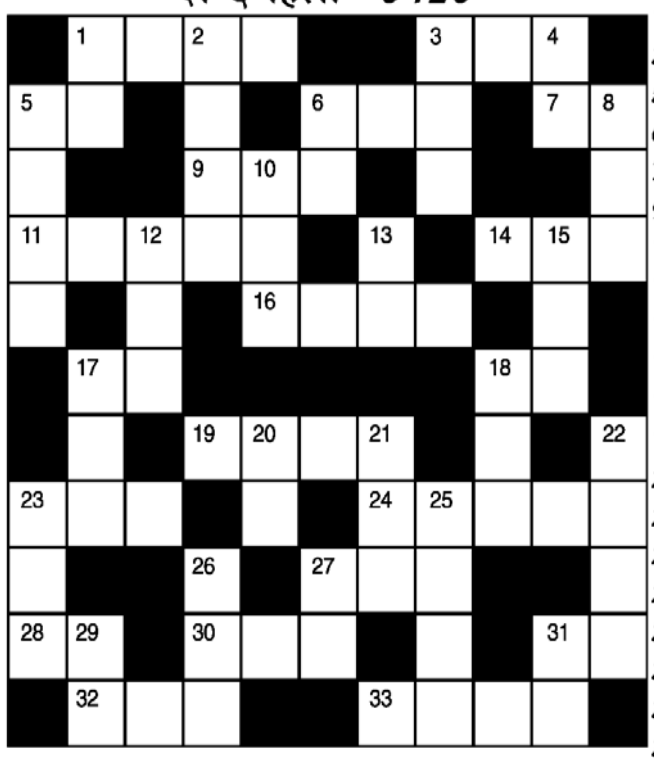

बाएँ से दाए

1. मूर्ख, बुद्धिहीन-4
3. रुई की फसल-3
5. वंश, खानदान-2
6. आह, पीड़ा भरी ध्वनि-3
7. जी, इच्छा, चित्त-2
9. पहनना-3
11. दास, नौकर, सेवक-5
14. अग्नि, आग-3
16. चयनित, स्वीकृत-4
17. जाति, संप्रदाय-2
18. उस समय-2
19. आदत, व्यवहार-4
23. माला का मोती-3
24. लालन-पालन-5
27. पूर्णिमा-3
28. वश, अधीन-2
30. खबर देने वाला-3
31. खदान, माइन-2
32. आश्रय, पनाह-3
33. संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1. घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2. धारा के बीच में, अधर में-2,2
3. आफत, आपदा-3
4. एक समान-2
5. गृहपति, चांसलर-4
6. दाना-2
8. प्रतिकृति, प्रतिरूप-3
10. रोकर धनराशि-3
12. प्रेम, आसक्ति-3
13. नीर, जल-2
15. भाग्य, तकदीर-3
17. जंबुल, जांब-3
18. टेंशन, परेशानी-3
20. काया, बदन-2
21. उष्णता-3
22. नाश होने योग्य-4
23. साम्राज्ञी, रानी-3
25. रमण करने योग्य-4
26. अदा, चोंचला-3
27. पूड़ी, गोलगप्पा-2
29. पिता की बहन-2
31. उर्वरक, गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली- 6125 का हल

	श	म	शा	न		म	ति	मं	द	
क			य		वी		रं			शे
र		प	र	व	र	दि	गा	र		ता
ता	ड़	ना			वा			ज	वा	न
र		ह		प	र	दा		त	री	
	नी		गै	र		म	जा		स	
	र	वि		म	न	न		स		आ
ग	ज	रा			फा			ह	की	म
र		म	ह	सू	स	क	र	ना		द
म			रा		त		खै			नी
	सो	म	ना	थ		य	ल	गा	र	

सूडोकु नवताल - 6136

कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6135 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

रणजी ट्रॉफी: विदर्भ और आंध्र ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, झारखंड ने ओडिशा को हराया

एजेंसी ▶▶| नागपुर

गत चैंपियन विदर्भ ने उत्तर प्रदेश को चार विकेट से हराकर ग्रुप ए से आंध्र के साथ एलीट रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विदर्भ की टीम ग्रुप ए में आंध्र के बाद दूसरे स्थान पर रही। दोनों टीम ने सात मैच में समान 31 अंक हासिल किए लेकिन आंध्र की टीम बेहतर नेट रन रेट के कारण शीर्ष पर रही। उत्तर प्रदेश के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विदर्भ की टीम ने चौथे और अंतिम दिन चार विकेट पर 91 रन से आगे खेलते हुए छह विकेट गंवाकर 58.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज अमन मोखाडे 150 गेंद में 83 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके मारे। दानिश मालेवार ने भी 54 रन की पारी खेली। उत्तर प्रदेश की तरफ से बाएं हाथ के स्पिनर शिवम शर्मा ने 55 रन देकर चार विकेट चटकाए। सोविमा में अपने अंतिम मैच में नगालैंड के खिलाफ ड्रॉ खेल आंध्र की टीम शीर्ष पर रही। नगालैंड ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 85 रन से आगे खेलते हुए 342 रन बनाए। चेतन बिष्ट ने 100 जबकि नगाहो चिषी ने 79 रन की पारी खेली। आंध्र को 173 रन का लक्ष्य मिला लेकिन टीम 8.3 ओवर में चार विकेट पर 64 रन बनाने के बाद मैच ड्रॉ कराने को राजी हो गई क्योंकि उसे तालिका के शीर्ष पर जगह दिलाने के लिए ड्रॉ काफी था।

तमिलनाडु और बड़ौदा का मैच ड्रॉ

ग्रुप ए के एक अन्य मैच में नॉकआउट की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके तमिलनाडु और बड़ौदा का मैच नीरस ड्रॉ रहा। तमिलनाडु ने अंतिम दिन सात विकेट पर 411 रन से आगे खेलते हुए 449 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज विमल कुमार 182 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। इसके जवाब में पहली पारी में 375 रन बनाने वाले बड़ौदा ने दूसरी पारी में शिवालिक शर्मा (नाबाद 59) और ज्योत्सनिल सिंह (नाबाद 55) के अर्धशतक से बिना विकेट खोए 124 रन बनाए। ग्रुप ए में ही जमशेदपुर में मेजबान झारखंड ने ओडिशा को चार विकेट से हराया। ओडिशा ने दूसरी पारी की शुरुआत आठ विकेट पर 202 रन से करते हुए मैच के अंतिम दिन 226 रन बनाए। झारखंड को 246 रन का लक्ष्य मिला, जो उसने 71.3 ओवर में छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज शरणदीप सिंह (64) और रोबिन मिन्ज (63) ने अर्धशतक जड़े जबकि अनुकूल रॉय (45) ने भी उम्दा पारी खेली।

जम्मू-कश्मीर ने मुंबई के साथ बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

मुंबई। कप्तान आयुष दोसेजा की नाबाद 159 रन की पारी की बदौलत दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी में तालिका में शीर्ष पर काबिज मुंबई के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ करा लिया। इसी ग्रुप से जम्मू-कश्मीर ने भी 42 बार की चैंपियन मुंबई के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दोसेजा ने एमसीए-बीकेसी ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में 230 गेंदों में 11 चौकों और दो छक्कों की मदद से 159 रन बनाए और मुंबई को जीत से दूर रखा। दोनों टीमों ने चाय के विश्राम से करीब आधा घंटा पहले मुकाबला बराबरी पर समाप्त करने पर सहमति जता दी। दिल्ली ने दूसरी पारी छह विकेट पर 407 रन बनाकर घोषित की। उस समय उसकी कुल बढ़त 311 रन की थी। दिल्ली ने पहली पारी में 96 रन से पिछड़ने के बाद पिछले दो दिनों में मुंबई को कड़ी चुनौती दी। मुंबई ने सात मैचों में चार जीत और दो ड्रॉ से ग्रुप डी में 33 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

छत्तीसगढ़ और हैदराबाद का मैच ड्रा

छत्तीसगढ़ की टीम मेजबान हैदराबाद के खिलाफ अपनी दूसरी पारी में आठ विकेट पर 411 रन बनाकर 63 रन की बढ़त हासिल कर मैच ड्रॉ करने में सफल रही। हैदराबाद ने पहली पारी में 631 रन बनाने के बाद छत्तीसगढ़ को 283 रन पर आउट कर 348 रन की बड़ी बढ़त कायम की थी। पुडुचेरी ने इस बीच राजस्थान को पांच विकेट से शिकस्त दी। टीम ने आर श्रीराम के 57 और अजय रोहेरा के नाबाद 49 रन की पारी से जीत के लिए मिले 172 रन के लक्ष्य को पांच विकेट गंवा कर हासिल कर लिया।

खबर संक्षेप

महिला अंडर-17 टीम के सामने बांग्लादेश की चुनौती

पोखरा। भारतीय टीम सैफ अंडर-19 महिला फुटबॉल चैंपियनशिप के अपने दूसरे मुकाबले में सोमवार को जब पोखरा रंगशाला स्टेडियम में मजबूत बांग्लादेश के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश एक मैच शेष रहते फाइनल में जगह पक्की करने की होगी। इस साल के आखिर में चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारियों में लगी पामेला कॉन्टी की टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मेजबान नेपाल के खिलाफ कड़े मुकाबले में 1-0 की जीत के साथ की थी। भारतीय टीम अगर इस मैच को जीतने में सफल रही तो फाइनल के लिए उसका दावा लगभग पक्का हो जाएगा। भारत को इससे पहले मेजबान नेपाल से कड़ी चुनौती मिली लेकिन पर्ल फर्नांडिस ने 49वें मिनट में गोल कर मैच में बड़ा अंतर पैदा किया।

जूनियर पुरुष स्कीट टी2 ट्रायल में पंजाब के निशानेबाज शीर्ष पर

नई दिल्ली। पंजाब के हरवीराज सिंह, हरजीज सिंह अटवाल और गुरफतेह सिंह संधू ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल कर शॉटगन राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स एक और दो में जूनियर पुरुष स्कीट टी2 के फाइनल में क्लीन स्वीप किया। अनंतजीत सिंह नरूका ने पुरुष वर्ग के ट्रायल दो फाइनल में 36 में से 36 का परफेक्ट स्कोर कर ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया को एक अंक से पछाड़ते हुए खिताब जीता। यशस्वी राठौड़ ने महिला ट्रायल्स दो में सिर्फ एक निशाना चूकते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया।

क्वालीफिकेशन में 120 अंक के साथ शीर्ष पर रहने वाले अनंतजीत ने फाइनल में सटीक प्रदर्शन किया। ज्योतिरादित्य ने भी 34वें टारगेट तक परफेक्ट स्कोर बनाए रखा, लेकिन 35वें निशाने में चूकने के कारण 36 में से 35 अंक ही हासिल कर सके। अभय सिंह सेखों ने 30 निशाने के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

खिलाड़ियों को करना होगा दिनचर्या में बदलाव : सैंटनर

तिरुवनंतपुरम। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उपमहाद्वीप में अपने पिछले अनुभव और विभिन्न परिस्थितियों से तालमेल बिठाने की अपनी क्षमता पर भरोसा करेगी। न्यूजीलैंड ने सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले भारत के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। सैंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्होंने हाल आईपीएल में या अपने करियर के दौरान चेन्नई में मैच खेले हैं। उन्होंने कहा, 'दिन का खेल थोड़ा अलग होने वाला है। खिलाड़ियों को अपनी दिनचर्या में बदलाव करना होगा। उन्हें थोड़ा जल्दी जागने की कोशिश करनी होगी। लेकिन फिर भी यह हमारे लिए एक नई चुनौती है।

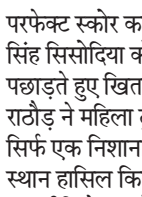

भारत ने पाकिस्तान को अंडर19 विश्व कप में चटाई धूल, सेमीफाइनल में पहुंची टीम इंडिया

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच अंडर-19 वर्ल्ड कप का मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 252 रन बनाए थे। पाकिस्तान को मैच जीतने के लिए 253 रनों का लक्ष्य मिला था, जिसे ने हासिल नहीं कर सके और टीम इंडिया ने इस मैच को 30 रनों से अपने नाम कर लिया। भारत ने इस जीत के साथ ही वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल में भी अपनी जगह बना ली है। टीम इंडिया के लिए इस मुकाबले में वेदांत त्रिवेदी ने संयम के साथ बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। गेंदबाजी में कप्तान आयुष म्हात्रे ने कमाल दिखाया और उन्होंने 3 विकेट अपने नाम किए। उनके अलावा खिलन पटेल ने भी 3 विकेट चटकाए और पाकिस्तान को 194 रनों पर रोक दिया। भारत के खिलाफ पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही और टीम इंडिया 252 रनों पर सिमट गई। भारत के लिए सबसे अधिक वेदांत त्रिवेदी ने 98 गेंदों पर 68 रनों की पारी खेली। उनके अलावा कनिष्क चौहान ने 29 गेंदों पर 35 रनों की अहम पारी खेली। वैभव सूर्यवंशी ने भी 22 गेंदों पर 30 रन बनाए थे और किसी तरह भारत 252 के स्कोर तक पहुंचा था। भारत के खिलाफ पाकिस्तान को ये मुकाबला सिर्फ जीतना ही नहीं था बल्कि उन्हें भारत के द्वारा दिए गए लक्ष्य को 33.3 ओवरों में हासिल करना था। अगर पाकिस्तान ऐसा नहीं कर पाता, तो वे सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो जाते। ऐसे में वे आक्रामक बल्लेबाजी की वजह से अपना विकेट जल्दी विकेट गंवा बैठे और मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। भारत की शानदार गेंदबाजीभारत के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में कमाल का प्रदर्शन किया और पाकिस्तान को 194 रनों पर समेट दिया।

22 साल के अल्कारेज ने एक सेट गंवाने के बाद की वापसी, जोकोविच को दी शिकस्त

अल्कारेज ने कम्पलीट किया कॅरियर स्लैम, तोड़ा जोकोविच का सपना, जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन

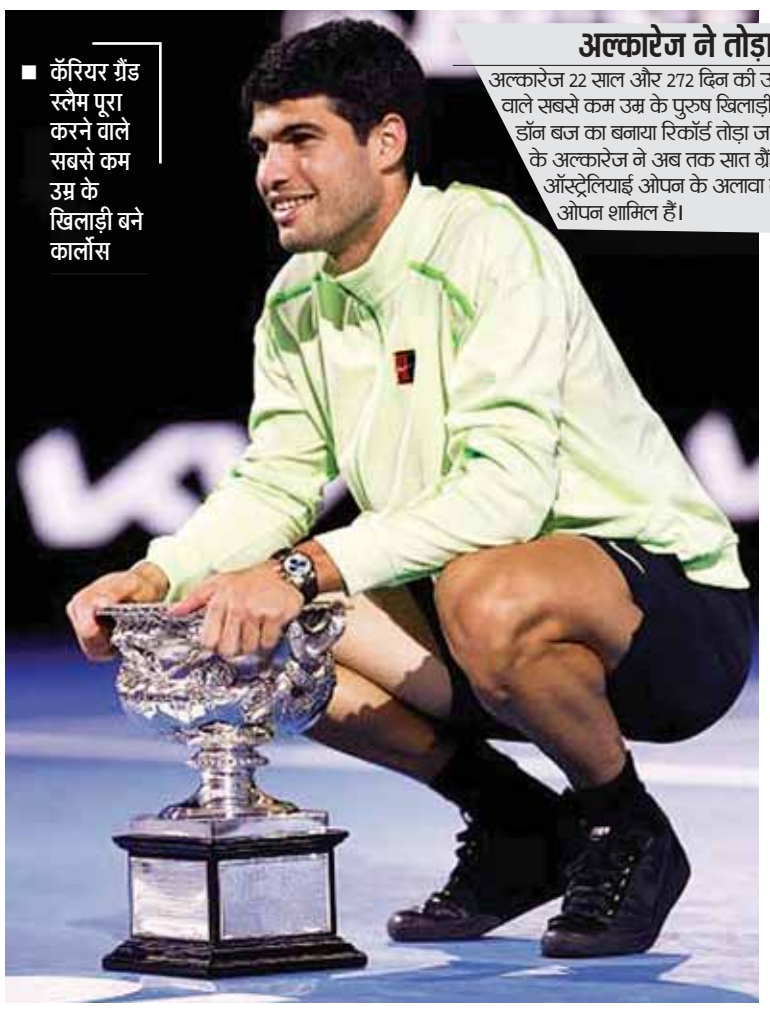

■ कॅरियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने कार्लोस

अल्कारेज ने तोड़ा डॉन बज का रिकॉर्ड

अल्कारेज 22 साल और 272 दिन की उम्र में चारों ग्रैंडस्लैम का एकल खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बने। उन्होंने 1938 की फ्रेंच चैंपियनशिप में डॉन बज का बनाया रिकॉर्ड तोड़ा जब वह 22 साल और 363 दिन के थे। स्पेन के अल्कारेज ने अब तक सात ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं, जिसमें एक ऑस्ट्रेलियाई ओपन के अलावा दो-दो विंबलडन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन शामिल हैं।

जोकोविच के 25वें ग्रैंडस्लैम पर अल्कारेज ने लगाई रोक

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

कार्लोस अल्कारेज रविवार को फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब अपने नाम करके कॅरियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। जब कोई खिलाड़ी चारों ग्रैंडस्लैम- ऑस्ट्रेलियाई ओपन, विंबलडन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन का खिताब जीत लेता है तो उसे कॅरियर ग्रैंडस्लैम पूरा करना कहते हैं।रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम खिताब के लिए चुनौती पेश कर रहे जोकोविच की मेलबर्न पार्क में फाइनल में यह पहली हार है। इससे पहले उन्होंने यहां अपने सभी 10 फाइनल में जीत दर्ज की थी। शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी अल्कारेज ने रविवार को पहला सेट गंवाया लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से जीत हासिल की। 22 साल के स्पेन के खिलाड़ी ने 38 साल के जोकोविच पर दबाव बनाए रखा।

आयरलैंड ने किया विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई

थाईलैंड को 62 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| कीर्तिपुर

आयरलैंड ने ग्लोबल क्वालीफायर के सुपर सिक्स स्टेज में थाईलैंड को 62 रन से हराकर आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी जगह पक्की कर ली है। यह टूर्नामेंट इस साल जून-जुलाई के बीच खेला जाना है।

आयरलैंड ने इस स्टेज में खेले गए पांच मुकाबलों में से तीन में जीत हासिल की। इसी के साथ बांग्लादेश और नीदरलैंड के बाद क्वालीफायर से चुनी जाने वाली तीसरी टीम बन गई। आयरलैंड 2023 के बाद अपना पहला टी20 वर्ल्ड कप खेलेगा। त्रिभुवन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर रविवार को खेले गए इस मुकाबले में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लेते हुए 8 विकेट खोकर 121 रन बनाए। इस टीम की तरफ से टॉप-3 बल्लेबाजों ने सर्वाधिक रन बनाए। एमी हंटर ने 24 रन और कप्तान गैबी लुईस ने 25 रन बनाए, जबकि ओर्ला प्रेंडरगास्ट ने टीम के खाते में 24 रन का योगदान दिया। विपक्षी खेमे से सुलेपॉर्न लेओमी ने 24 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि सुनीदा चतुरोंगरताना ने 2 विकेट निकाले। एक सफलता ओनीचा कामचौम्फू के हाथ लगी।

59 रन पर सिमटी थाईलैंड

इसके जवाब में थाईलैंड की टीम 16.1 ओवरों में महज 59 रन पर सिमट गई। यह टीम 8 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से नन्नापत कोंचारोएनकाई (15) ने कप्तान नारुएमोल चायवाई (22) के साथ तीसरे विकेट के लिए 26 रन जुटाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटते ही थाईलैंड ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। आलम ये रहा कि इस टीम के 9 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सके। आयरलैंड की तरफ से अर्लीन केली ने महज 7 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि लारा मैकब्राइड ने 3 सफलताएं प्राप्त कीं।

स्क्वैश ऑन फायर

सबरीना को 3-1 से हराकर फाइनल में पहुंचीं अनाहत

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अनाहत सिंह ने वाशिंगटन में स्क्वैश ऑन फायर ओपन में अमेरिका की सबरीना सोमी को 3-1 से मात दी। इसी के साथ अनाहत ने पीएसए ब्रॉन्ज-लेवल इवेंट के अपने पहले फाइनल में जगह बना ली है। अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर 23 सबरीना को 11-9, 11-3, 9-11, 11-5 से शिकस्त दी। खिताबी मुकाबले में 17 वर्षीय अनाहत का सामना टॉप सीड और वर्ल्ड नंबर 10 इंग्लैंड की जॉर्जीना कैनेडी से होगा। इससे पहले, शनिवार को अनाहत ने 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए नंबर 2 सीड सना इब्राहिम को शिकस्त देकर स्क्वैश ऑन फायर ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। भारतीय वर्ल्ड नंबर 31 और सातवीं सीड खिलाड़ी ने मैच में वापसी करते हुए, तीसरे और चौथे गेम दोनों में 6-5 के घाटे को पलट दिया, और पीएसए ब्रॉन्ज-लेवल इवेंट में मिस्र की वर्ल्ड नंबर 17 सना इब्राहिम को 8-11, 8-11, 11-7, 11-8, 11-7 से मात दी थी।

पीएसए टूर में बनाई अलग पहचान

अनाहत ने इस सीजन पीएसए टूर पर अपनी अलग पहचान बना ली है। खासतौर पर अक्टूबर में सिल्वर-लेवल कैनेडियन विमेंस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर उन्होंने सभी का ध्यान खींचा था, जिसके बाद वह जल्द ही विश्व की टॉप-30 खिलाड़ियों में शामिल हो गईं। पिछले कुछ महीनों में अनाहत शानदार फॉर्म में रही हैं।

बल्लेबाजी में बदलाव से मिली फॉर्म में वापसी में मदद: सूर्यकुमार

तिरुवनंतपुरम। भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि पिछले साल दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के बाद मिले ब्रेक और बल्लेबाजी में किए गए कुछ बदलाव से उन्हें अपनी फॉर्म में वापसी करने में मदद मिली। सूर्यकुमार ने शनिवार से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से ठीक पहले न्यूजीलैंड पर भारत की 4-1 से जीत में आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए कुछ उम्दा पारियां खेली। सूर्यकुमार पिछले साल रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। वह इस दौरान एक भी अर्धशतक नहीं बना पाए थे लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करके न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाए और उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद सूर्यकुमार ने आत्मचिंतन किया और अपने खेल में कुछ बदलाव किए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार पारियों में वह केवल 34 रन बनाए थे, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 12 रन था। सूर्यकुमार ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में भारत की 46 रन से जीत के बाद कहा, 'दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद मुझे ब्रेक मिला। मैंने घर लौटने पर अपना किट बैग एक तरफ रखा और नौ-दस दिन तक आराम किया।'

वेस्टइंडीज ने द.अफ्रीका को हराया, सीरीज की अपने नाम

एजेंसी ▶▶| बजोहानिसबर्ग

वेस्टइंडीज ने बारिश से प्रभावित तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को डकवर्थ लुइस पद्धति के आधार पर छह रन से हराकर विश्व कप से पहले मनोबल बढ़ाने वाली जीत दर्ज की। पहले दोनों मैच जीतने वाले दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह से तीन मैच की श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की।

बारिश के कारण मैच लगभग दो घंटे देर से शुरू हुआ और इसे दोनों टीमों के लिए 16-16 ओवरों का कर दिया गया। वेस्ट इंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जब छह ओवर में एक विकेट पर 66 रन बनाए थे तभी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और बाद में इसे दोनों टीमों के लिए 10-10 ओवरों का कर दिया गया।

होप और हेटमायर ने जड़े 10 छक्के

वेस्टइंडीज ने तीन विकेट पर 114 रन बनाए। उसकी तरफ से कप्तान शाई होप ने 25 गेंदों में 48 रन और शिमरोन हेटमायर ने 22 गेंदों में नाबाद 48 रन का योगदान दिया। इन दोनों ने मिलकर 10 छक्के जड़े। दक्षिण अफ्रीका को डकवर्थ लुईस पद्धति से 125 रन का लक्ष्य मिला लेकिन उसकी टीम छह विकेट पर 118 रन ही बना पाई। क्विंटन डीकॉक ने 14 गेंद पर 28 और जैसन स्मिथ ने 10 गेंद पर 26 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से गुडाकेश मोती ने 17 रन देकर तीन विकेट लिए। भारत और श्रीलंका में हो रहे विश्व कप में वेस्टइंडीज शनिवार को कोलकाता में स्कॉटलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। दक्षिण अफ्रीका इसके दो दिन बाद अहमदाबाद में कनाडा के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

थाईलैंड मास्टर्स में हटी दो बार की विश्व जूनियर चैंपियन गोह

देविका ने जीता अपना पहला सुपर 300 खिताब

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

युवा शटलर देविका सिहाग ने 250,000 डॉलर इनामी थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में मलेशिया की गोह जिन वेई के मैच के बीच से हट जाने के बाद अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब जीता।

हरियाणा की रहने वाली 20 वर्षीय खिलाड़ी देविका तब 21-8, 6-3 से आगे चल रही थी, जब विश्व में 68वें नंबर की खिलाड़ी और दो बार की विश्व जूनियर चैंपियन गोह ने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया। इससे भारतीय खिलाड़ी अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतने में सफल रही।

देविका के लिए फाइनल रहा शानदार

देविका के लिए फाइनल शानदार रहा लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी गोह को पीड़ा झेलनी पड़ी। वह फाइनल से पहले तीन गेम तक चले चार मैच खेलने के बाद थकी हुई लग रही थीं और उन्हें कोर्ट को कवर करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। पिछले दो वर्षों से फॉर्म और फिटनेस के लिए संघर्ष कर रही गोह ने शनिवार को भी थकान की शिकायत की थी और उन्हें कोर्ट में चलने-फिरने में परेशानी हो रही थी। उनका बायां पैर हिल नहीं पा रहा था और वह लगातार परेशान दिख रही थीं। देविका ने फाइनल में शानदार शुरुआत की। उन्होंने अपने दमदार रिटर्न और बेहतरीन स्ट्रोक के दम पर 4-0 की बढ़त बना ली। एक नेट कॉर्ड की बदौलत गोह ने अपना पहला अंक हासिल किया।

मलेशियाई खिलाड़ी लग रही थीं थकी हुई

मलेशियाई खिलाड़ी भारतीय खिलाड़ी के खेल को समझ ही नहीं पा रही थी। मलेशियाई खिलाड़ी थकी हुई लग रही थी और ऐसा लग रहा था कि उनमें ऊर्जा नहीं बची है। देविका ने शानदार क्रॉस के दम पर 13 गेम प्वाइंट हासिल किए और बैकहैंड क्रॉस से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में देविका ने जल्द ही 6-3 की बढ़त बना ली। मलेशिया की खिलाड़ी असहज दिख रही थी और उन्होंने आखिर में मैच से हटने का फैसला कर दिया। देविका ने पिछले कुछ समय से शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। उन्होंने अगस्त 2025 में मलेशिया इंटरनेशनल में अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने 2025 में विश्व विश्वविद्यालय खेलों में भारत को मिश्रित टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम योगदान दिया। वह पिछले सत्र में इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रही थी जबकि 2024 में चार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। इनमें स्वीडिश ओपन और पुर्तगाल इंटरनेशनल भी शामिल हैं, जहां वह विजेता रही थी।

केंद्रीय आम बजट पर मिली जुली प्रतिक्रिया

मिडिल क्लास निराश, लघु उद्योगों को मिलेगी राहत

जबलपुर। बीते दो दिनों से शहर में यह चर्चा आम थी कि बजट में क्या होगा, हर खास-ओ-आम की नजर बजट पर थी। रविवार को जैसे ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में बजट पेश किया, पूरे देश सहित जबलपुर में भी बजट पर चर्चा का दौर शुरू हो गया। इस बजट से मिडिल क्लास को निराशा हाथ लगी हैं। जहां भाजपा को बजट में सब अच्छा ही अच्छा दिखा, वहीं कांग्रेस ने इसे नकारात्मक बताया।

"दूसरी सरकारों का फोकस सरकार के खजाने को भरने पर होता है, लेकिन मोदी सरकार का फोकस नागरिकों की जेब भरने पर है। यह सर्वसमावेशी बजट न केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करता है, बल्कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

अभिलाष पांडे, विधायक उत्तर मध्य

गांव, शहर, महानगर सबकी भलाई का है यह बजट किसान, मध्यम वर्गीय गरीब, और सरकारी नौकरीपेशा, पेंशनर्स, किसान, महिलाएं, सबको कुछ न कुछ दिया है. कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की दवाईयां ड्यूटी फ्री करना निसंदेह ऐतिहासिक बजट है।

अशोक रोहाणी, विधायक

"बजट एक छलावा, इसमें नया कुछ नहीं है। मध्यम वर्ग को कोई राहत नहीं दी गई। बजट में भाषण ज्यादा है। आम जरुरत की चीजें महंगी होगी, यह बस जुमलों और छलावों का बजट है।

लखन घनघोरिया, विधायक, पूर्व क्षेत्र

बजट 2026 देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने, व्यापार को गति देने और युवाओं को रोजगार से जोड़ने वाला संतुलित एवं दूरदर्शी बजट है। इस बजट में सरकार ने व्यापारी वर्ग, लघु एवं सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग सेक्टर, कृषि, स्वास्थ्य, युवाओं और विनिर्माण उद्योग—सभी वर्गों का समुचित ध्यान रखा है।

दीपक सेठी,
कैट जबलपुर

भारत को वैश्विक बायोफार्मा विनिर्माण केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए बजट में अगले पांच वर्षों में 10 हजार करोड़ रुपये परिव्यय के साथ बायोफार्मा शक्ति का प्रस्ताव रखा है। लेकिन क्या ये दवाएं पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पताल तक पहुंचेंगी? क्या कोल्ड-चेन, स्टोरेज और प्रशिक्षित स्टाफ उपलब्ध हैं?

राज कुमार सिन्हा

केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट में आयुष क्षेत्र को सशक्त बनाने हेतु किए गए प्रावधानों की सराहना करते हुए वरिष्ठ होम्योपैथी एवं वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. ए.के. द्विवेदी ने कहा कि यह सरकार जनस्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्ध है।

डॉ. ए.के. द्विवेदी

केंद्रीय बजट 2026-27 प्रधानमंत्री के विकसित भारत विज़न को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने वाला बजट है। यह बजट स्पष्ट करता है कि केंद्र सरकार देश के शहरों, गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को साथ लेकर चल रही है। बुनियादी ढांचे, शहरी परिवहन, आवास और स्वास्थ्य पर बढ़ा निवेश जबलपुर जैसे शहरों के लिए नए अवसर खोलेगा।

प्रभात साहू, पूर्व महापौर

आज का बजट सुनकर आम किसान, युवा और छोटे उद्योग से जुड़े लोगों को यही लगा कि उम्मीदें फिर टाल दी गईं। किसानः न एमएसपी की ठोस गारंटी, न कर्ज़ माफी पर साफ़ बात, न सिंचाई पर युवा रोजगारः नई भर्तियों, अप्रेंटिसशिप या स्टार्टअप-लेवल नौकरियों पर ठोस रोडमैप नहीं। छोटे उद्योग आसान लोन, टैक्स राहत और बाज़ार तक पहुंच—सब अधूरा।

संजय यादव
अध्यक्ष जिला काग्रेस कमेटी ग्रामीण

"प्रधानमंत्री ने समाज के हर वर्ग की चिंता की है और बजट में प्रयास किया है कि आर्थिक स्थिरता बनी रहे, महंगाई पर रोक लगे, आम आदमी को राहत मिले और देश आर्थिक महाशक्ति बने।

राकेश सिंह,
लोक निर्माण मंत्री

बायोफार्मा सेक्टर के लिए 10000 करोड़ का प्रावधान

केंद्रीय बजट को देश के सुनहरे भविष्य का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। जिसमें सात हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाने सहित बायोफार्मा सेक्टर के लिए 10000 करोड़ का प्रावधान और हमारे प्राचीन आयुर्वेद पर जोर देने के लिए विशेष कदम इस बजट में उठाए गए हैं,इसके साथ-साथ शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए भी वित्त मंत्री ने महत्वपूर्ण प्रावधान बजट में किए हैं। सांसद श्री दुबे ने कहा कि बजट में आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने और विकास के रास्ते पर चलने के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई है जो पूरी तरह आत्मनिर्भर भारत बनाने में सरकार की इच्छा शक्ति को दर्शाती हैं।

आशीष दुबे, सांसद

उद्योग और व्यापार के प्रति सकारात्मक बजट : चेम्बर

जबलपुर। जबलपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में रविवार को पेश हुए बजट को उद्योग एवं व्यापार के प्रति सकारात्मक माना गया जिसमें सरकार द्वारा नियमों के सरलीकरण द्वारा राहत पहुंचाने की कोशिश की गई। इस बार जबलपुर चेम्बर द्वारा बजट प्रतिक्रिया पर हलुवे का प्रावधान किया गया ताकि सरकार द्वारा कि जाने वाली हलुवे की रसम की अनुभूति हो सके। जबलपुर चेम्बर के अध्यक्ष प्रेम दुबे का कहना है कि लघु उद्योगों के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान हमारे उद्योगों की मदद करेगा। चेम्बर चेयरमेन कमल गोवर द्वारा बजट को संतुलित बताते हुए कहा कि सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र में किए गए प्रावधानों से होटल उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। कर विशेषज्ञ सीए अनिल अग्रवाल द्वारा बताया गया कि इन्कम टेक्स नियमों के सरलीकरण के क्षेत्र में काफी अच्छे प्रावधान किए गए और खासकर 12 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्चे का प्रावधान अर्थव्यवस्था को गति देगा। चेंबर सचिव पंकज माहेश्वरी ने कहा कि एमएसएमई को ऋण सुविधा बढ़ाए जाने का कदम छोटे उद्योगों को राहत प्रदान करेगा। चेम्बर कोषाध्यक्ष अजय बख्तावर ने बताया कि वर्तमान में सोने चांदी के भाव अधिकतम उंचाई पर होने से ज्वेलरी ट्रेड को सोने चांदी पर आयात शुल्क न बढ़ने से सराफा व्यवसाय को राहत मिली है। चेम्बर उपाध्यक्ष नरिन्दर सिंह पांधे ने बताया कि डीजल और पेट्रोल को जीएसटी में शामिल न होने से ट्रांसपोर्ट व्यवसायी निराश है। साथ ही टोल टैक्स की बढ़ती कीमत आम आदमी के हित में नही है। कर अधिवक्ता अभिषेक ओसवाल द्वारा नया इन्कम टैक्स एक्ट लागू होना सराहनीय कदम बताया गया। चेम्बर सदस्य बलदीप सिंह मैनी द्वारा बजट को मिला जुला बताया गया और कहा कि टैक्स की दरों को और कम किया जा सकता था। चेम्बर सदस्य मनु तिवारी द्वारा बजट में रेल एवं हवाई सुरक्षा नदारत होना निराश करता है। चेम्बर प्रवक्ता शशिकांत पांडेय ने बताया कि दवाईयों की कीमतों में सरकार द्वारा कमी करके आम आदमी को राहत पहुंचाने का काम किया है। चेम्बर सदस्य धनंजय बाजपेयी द्वारा शेयर बाजार में एसटीटी मे बढ़ोतरी करने से निवेशक निराश हुआ है।

एकलव्य विद्यालय की पूर्व स्टाफ नर्स ने किया आत्महत्या का प्रयास

जबलपुर। गोरखपुर थाना रामपुर स्थित एकलव्य विद्यालय की पूर्व स्टाफ नर्स जागृति इवनाती ने गत दिवस स्कूल परिसर के पास फिनाइल पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। इस कोशिश पूर्व उन्होंने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया, जिसमें उन्होंने एकलव्य विद्यालय प्रशासन पर मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। जागृति का कहना है कि उन्हें लंबे समय से परेशान किया जा रहा था। उन्होंने पूर्व में इसकी शिकायत पुलिस से भी की थी, लेकिन आरोप है कि उन पर लगातार शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा था। जागृति के अनुसार, शनिवार को जब वह स्कूल पहुँचीं तो उन्हें अंदर जाने से रोक दिया गया, जिससे वे काफी आहत हुईं। थाना प्रभारी नितिन कमल ने बताया कि जागृति को कुछ समय पहले नौकरी से हटा दिया गया था और उन्हें आवंटित क्वार्टर खाली करने का नोटिस भी दिया गया था।

गोरखपुर पुलिस ने इस मामले में संज्ञान लिया है। मामलें की जांच की जा रही है। फिलहाल जागृति को विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

सड़क दुर्घटनाओं में दो युवकों की मौत

जबलपुर। पनागर और बरेला चौकी गौर में सड़क दुर्घटना के दो मामलें सामने आए हैं। इस सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम छीनामानी पनागर निवासी 25 वर्षीय अमन पटेल को गत रात लगभग 9.30 बजे सड़क दुर्घटना में घायल होने पर शासकीय अस्पताल पनागर ले जाया गया, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान रात लगभग 11.05 बजे अमन पटेल की मौत हो गई। इसी तरह बरेला चौकी गौर में गांव बिलगढा थाना मोहगांव जिला मंडला निवासी 32 वर्षीय बृजेंद्र यादव काम की तलाश में जबलपुर अपनी बहन श्रीमति मोनिका यादव के यहां आया था। रात लगभग 12.40 बजे हाईवे में जीडी गोयनका स्कूल के सामने बृजेंद्र यादव का एक्सीडेंट हो गया, जिसमें आई चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

डॉग स्क्वाड आरक्षक की टहलते समय मौत

जबलपुर। सिविल लाइन थाना अंतर्गत ड्यूटी के दौरान एसएफ के डॉग स्क्वाड में पदस्थ आरक्षक अचानक बेहोश होकर गिरे और उनकी मौत हो गई। सिविल लाईन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार केंटीन के सामने पुलिस लाईन निवासी 48 वर्षीय एसएफ बटालियन रक्षित केंद्र जबलपुर में डॉग स्क्वाड में पदस्थ आरक्षक कमोदर सिंह बागरी रविवार की सुबह लगभग 8.30 बजे ड्यूटी के दौरान डॉग को तैयार कर ग्राउंड में टहला रहे थे, तभी वह अचानक बेहोश होकर ग्राउंड में गिर गए। ग्राउंड में उपस्थित लोगों ने आरक्षक कमोदर को विक्टोरिया अस्पताल लेकर गये, जहां उपचार दौरान आरक्षक कमोदर सिंह बागरी की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

स्क्रीन शेयर करते ही क्रेडिट कार्ड से साढ़े 3 लाख उड़े

धोखाधड़ी : कॉफी हाउस कर्मचारी को बनाया शिकार

जबलपुर। माढोताल थाना क्षेत्र में इंडियन कॉफी हाउस के कर्मचारी के साथ ऑनलाईन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। जालसाज ने किसी ओर का रुप धारण कर उसे धोखा दिया और इंश्योरेंस की बातों में उलझाकर उसके खाते से 3 लाख 91 हजार 965 रुपए निकाल लिए। माढोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कटंगी वायपास नक्षत्र नगर निवासी इंडियन कॉफी हाउस के कर्मचारी रत्नेश कुमार के मोबाइल पर गत 21 जनवरी को सुबह 10.56 मिनिट पर व्हाटसएप कॉल आया, कॉल करने वाले ने बोला तुम्हारे क्रेडिट कार्ड से इंश्योरेंस का पैसा कटेगा। लिहाजा रत्नेश ने उसे जवाब दिया कि उसका पहले से ही इंश्योरेंस है, उसके बाद जालसाज ने उसे व्हाटसएप कॉल किया और बोला कि स्क्रीन शेयर करे। उसके स्क्रीन शेयर करने के कुछ देर बाद एचडीएफसी बैंक के खाता से लिंक उसके क्रेडिट कार्ड से 6 बार ट्रांजक्शन के माध्यम से 3 लाख 51 हजार 965 रूपये निकल गये। पुलिस ने लिखित शिकायत के बाद धारा 318(4), 319(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया है।

डॉ. हेमलता की जमीन हड़पने वाली वसीयत और दानपत्र की होगी जांच

फर्जीवाड़ा : सही जांच पर होंगे कई चेहरे बेनकाब

जबलपुर। जबलपुर जिला चिकित्सालय विक्टोरिया की सेवानिवृत्त नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमलता श्रीवास्तव की राइट टाउन स्थित बेशकीमती जमीन हड़पे जाने के प्रयास का मामला अब सार्वजनिक हो चला है। उक्त मामले में अब सबकी नजर प्रशासनिक जांच पर लगी है। आरोप-प्रत्यारोप और आईएमए के हस्तक्षेप के बाद कलेक्टर ने एसडीएम की अगुवाई में जांच समिति गठित कर दी है। यह कमेटी डॉ. हेमलता के संपत्ति संबंधी दानपत्र और वसीयत की जांच करेगी। इसके साथ ही उनकी संपत्ति एवं रजिस्ट्री से जुड़े अन्य अभिलेखों का भी एसडीएम की कमेटी गहन परीक्षण करेगी। इस मामले में चूक या जालसाजी के आरोपों का अध्ययन कर सच्चाई का पता लगाएगी। कमेटी उन वीडियो की भी जांच करेगी जो चिकित्सक के अपहरण एवं एबुलेंस में रजिस्ट्री कार्यालय ले जाकर संपत्ति संबंधी दान प्रक्रिया से जुड़े बताएं जा रहे हैं। उम्मीद है कि इन वीडियो की सिलसिलेवार जांच से फर्जीवाड़े के इस खेल में बड़ा खुलासा हो सकता है।

गौरतलब हो कि आईएमए के हस्तक्षेप के बाद डॉ. हेमलता को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है। जहां, उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। विशेषज्ञ चिकित्सकों का दल लगातार उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रहा है। डॉ. हेमलता के अस्वस्थ होने पर उन्हें उपचार को लेकर भी विवाद की स्थिति बन गई थी। अस्पताल में भर्ती डॉ. हेमलता को लेने के लिए एक चिकित्सक दंपती पहुंचे थे। उनके डॉ. हेमलता को लेकर जाने के बाद ही अपहरण सहित अन्य गंभीर आरोप सामने आए थे। फर्जीवाड़ा की आशंका जताने वाले दो चिकित्सकों की भी डॉ. हेमलता की संपत्ति पर नजर होने की चर्चा है। इसके साथ ही डॉ. हेमलता की बहिन व बहनोई की भी उक्त मामले में संदिग्ध भूमिका बनी हुई है। बहरहाल यदि सब कुछ ठीक ठीक ढंग से हुआ तो उक्त जांच के निष्कर्षों की आंच में कई चेहरे झुलस जाएंगे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्री RNI No. : MPHIN/2008/24240